CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 5 सितंबर 2023 । वर्ष – 33 । अंक –127 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु

शिक्षक दिवस व हल षष्टी आज

■ संसद का विशेष सत्र या संसदीय व्यवस्था से सनकी खिलवाड़
■ विपक्ष पर हावी होने की रणनीति अपना रहे प्रधानमंत्री मोदी
पृष्ठ 4

■ चीनी राष्ट्रपति के जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने पर बाइडेन निराश
■ नासा का स्पेसएक्स क्रू-6 पृथ्वी पर लौटा
पृष्ठ 9

भारत की पुरुष टीम हॉकी 5 विश्व कप 2024 में पूल बी में, महिला टीम पूल सी
पृष्ठ 10

कांग्रेस ने घोषित की चुनाव समिति

मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया, राहुल व सिंहदेव सहित 16 नेताओं को जगह

नई दिल्ली, 4 सितंबर (देशबन्धु)। कांग्रेस ने अगले लोकसभा चुनाव और उससे पहले कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस ने अपनी चुनाव समिति की घोषणा की है, जिसमें 16 नेताओं के नाम शामिल हैं। कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है। मुंबई में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में सभी दलों ने एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने का संकल्प लिया था।

इन नेताओं को मिली जगह- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा इस समिति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अम्बिका सोनी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद, मधुसूदन मिस्त्री, एन. उत्तम कुमार रेड्डी, टी एस सिंह देव, के जे जियोग्रे, प्रीतम सिंह, मोहम्मद जावेद, अमी याज्ञनिक, पीएल पुनिया, ओंकार मरकाम और के सी वेणुगोपाल शामिल हैं।

■ संसद के विशेष सत्र को लेकर आज रणनीति बनाएगी पार्टी

10 जनपथ पर संसदीय दल की बैठक

कांग्रेस ने केंद्र की ओर से बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को लेकर रणनीति बनाने के लिए भी बैठक बुलाई है।

कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने दिन में बताया था कि 18-22 सितंबर तक संसद के विशेष सत्र से पहले पार्टी मंगलवार शाम 5 बजे नई दिल्ली में 10 जनपथ पर संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेगी।

खड़गे विपक्षी दलों के साथ करेंगे बैठक

इसके बाद रात 8 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने आवास पर समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों की बैठक भी करेंगे। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि नेता आगामी सत्र की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

16 को हैदराबाद में नवगठित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक

पांच दिन के संसद के विशेष सत्र से ठीक पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नवगठित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की पहली बैठक 16 सितम्बर को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बुलाई है। वहीं अगले दिन 17 सितम्बर को विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहाकि पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी। इसके अगले दिन 17 सितम्बर को विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आहूत की गई है। इसमें सीडब्ल्यूसी के सदस्यों के अलावा सभी राज्यों के कांग्रेस अध्यक्ष भी शामिल होंगे। उन्होंने कहाकि 17 सितम्बर की शाम को हैदराबाद के पास ही एक रैली आयोजित की जाएगी।

एस्मा लगाने के बावजूद हड़ताल

3000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों पर निलंबन और बर्खास्तगी की कार्रवाई

4 हजार कर्मचारी दे रहे इस्तीफा

रायपुर, 4 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में एस्मा लगाने के बावजूद हड़ताल कर बैठे 3000 से अधिक आंदोलनरत स्वास्थ्यकर्मियों पर की गई निलंबन और बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई है। वहीं स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन में स्वास्थ्य संयोजक संघ के बैनर तले आज प्रदेश के 40 हजार कर्मचारी एक साथ इस्तीफा दे रहे है।

स्वास्थ्य संयोजक संघ के अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि आज प्रदेश के 40 हजार कर्मचारी एक साथ इस्तीफा दे रहे हैं। डराने के जो हमारे साथियों को निलंबित किया जा रहा है बर्खास्त किया जा रहा है इससे हम नहीं डरते। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन के स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी का बर्खास्त एवं निलंबित एफआईआर होने वाले की सूची जिसमें नर्सिंग कैडर और डॉक्टर शामिल हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों पर की गई कार्रवाई के आंकड़े-

जगदलपुर से 296 बर्खास्त ,कांकेर से 568 बर्खास्त, बलोदाबाजार से 265 बर्खास्त, बिलासपुर से 205 बर्खास्त, कबीरधाम से 181 बर्खास्त, बेमेतरा से 91 बर्खास्त, दुर्ग से 205 निलंबन, मनेंद्रगढ़ से 10 बर्खास्त, गौरेला कर्मी पेंड्रा मरवाही से 79 बर्खास्त, रायगढ़ से 283 बर्खास्त, महासमुंद से 72 निलंबन, कवर्धा से 161 बर्खास्त, कोरबा से 337 पर एफआईआर, जांजगीर से 232 निलंबन, सरगुजा संभाग से 42 स्ह निलंबन, कोंडागांव से 10 बर्खास्त, कोरिया 84 बर्खास्त, एमसीबी से 10 बर्खास्त, गरियाबंद से 20 बर्खास्त। इस तरह से प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अब तक 3251 पर कार्रवाई हो चुकी है।पांच सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्यकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। स्वास्थ्यकर्मी नवा रायपुर के तूता धरना स्थल में पिछले 15 दिनों से राज्य स्तरीय अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। जिसमें दस अलग-अलग संगठन के 40 हजार से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पताल का बहिष्कार किया है। वहीं प्रदेश के 3 हजार से अधिक आंदोलनरत स्वास्थ्यकर्मियों पर संभागीय संयुक्त संचालक, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी और जिला कलेक्टरों के जरिये निलंबन और बर्खास्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

टीचर पोस्टिंग संशोधन घोटाले में सरकार का एक्शन

2000 से ज्यादा शिक्षकों की पोस्टिंग निरस्त

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने टीचर पोस्टिंग संशोधन घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। 2 हजार से ज्यादा शिक्षकों की पोस्टिंग रद्द कर दी गई है। रायपुर संभाग से 543 , बिलासपुर संभाग से 799, दुर्ग संभाग से 437, सरगुजा से 385 एवं बस्तर से 558 संशोधन आदेश को निरस्त किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय से जारी हुआ आदेश

तय सिस्टम को दरकिनार कर अधिकारियों ने अपना नया सिस्टम बना लिया था, जिसके बाद अब सरकार ने इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए 2 हजार से ज्यादा ट्रांसफर-पोस्टिंग रद्द कर दी है। इससे पहले इस मामले में राज्य के 11 अधिकारियों को भी निलंबित किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि सरकार ने पोस्टिंग रद्द करने के लिए 7 पन्नों का ऐसा आदेश तैयार किया है, जिससे शिक्षकों के लिए कानूनी राहत की गुंजाइश कम रह जाएगी। आदेश में पूरा विवरण लिखा गया है कि अधिकार न होने और तबादलों पर रोक के बावजूद संयुक्त निदेशकों ने कैसे तबादले कर दिए। कई अफसरों को निलंबित किया जा चुका है।

सार संक्षेप

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस व हलषष्ठी की दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों व प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। वहीं सभी माताओं को हलषष्ठी (कमरछट) की भी शुभकामनाएं दी हैं।

2 दिन बाद सोनिया को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। हल्के बुखार के कारण पिछले दो दिनों से सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी को सोमवार को छुट्टी दे दी गई। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, 18 से 22 सितंबर तक संसद के विशेष सत्र की रणनीति पर चर्चा के लिए सोनिया गांधी मंगलवार को अपने आवास पर सीपीपी संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेंगी।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के चसाना के तुली इलाके में गली सोहब में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच चल रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है जबकि एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सेना द्वारा चलाया जा रहा यह एक संयुक्त अभियान है।

अगले 5 दिनों तक छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहेगा मानसून

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में सक्रिय मानसून की स्थिति जारी रहने की संभावना है, वहीं मध्य प्रदेश में मंगलवार से शुक्रवार के दौरान और गुजरात में गुरुवार और शुक्रवार को भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी भारत में मौसम का पूर्वानुमान हल्की से व्यापक वर्षा की संभावना का संकेत देता है।

जी-20 सम्मेलनः दवाओं के अलावा अन्य डिलीवरी सेवाएं बंद रहेंगी

नई दिल्ली। दिल्ली में जी2 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा के मद्देनजर सोमवार को दिल्ली पुलिस ने साफ किया कि शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली जिले में दवाओं को छोड़कर सभी ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं पर रोक रहेगी। जी2 को लेकर पुलिस द्वारा जारी यातायात परामर्श में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री आज जीर्णोद्धार किए गए 8152 स्कूल भवनों का करेंगे लोकार्पण

15 नवनियुक्त शिक्षकों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

रायपुर, 4 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ सरकार बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक अभिनव योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। इसी कड़ी में जर्जर स्कूल भवनों के जीर्णोद्धार के लिये प्रदेश में 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना' प्रारंभ करने के साथ-साथ बड़ी संख्या में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2003 से लेकर वर्ष 2018 तक स्कूल भवनों में मरम्मत, आहाता निर्माण, अतिरिक्त कक्ष निर्माण आदि के लिये कम राशि का प्रावधान बजट में प्रावधान था। वर्ष 2018-2019 के बजट तक यह राशि बढ़ाकर केवल 150 करोड़ रुपए की गई। इतनी कम राशि होने के कारण स्कूल भवन जर्जर होते चले गये। बच्चे ऐसे ही जर्जर भवनों में पढ़ाई करने के लिये मजबूर थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निर्देश दिए कि सभी जर्जर और मरम्मत योग्य स्कूल भवनों का जीर्णोद्धार तत्काल किया जाए। उन्होंने मार्च 2023 में इसके लिये 1000 करोड़ रुपए की मंजूरी की घोषणा की और यह भी कहा कि यदि इससे अधिक राशि की आवश्यकता होगी तो वह राशि भी प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर पूरे राज्य में 1037 करोड़ रुपए की लागत से स्कूल भवनों की मरम्मत के 21 हजार 564 कार्यों तथा 1096.66 करोड़ रुपये की लागत से 7 हजार 598 अतिरिक्त कक्षा की स्वीकृति प्रदान की गई। इस प्रकार मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत कुल 29 हजार 162 कार्यों हेतु 2133.66 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान करके कार्य प्रारंभ किये गये। स्कूल भवनों के जीर्णोद्धार की यह अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी योजना है। इनमें से 7 हजार 688 मरम्मत कार्य एवं 464 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 5 सितंबर शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा 8 हजार 152 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इन कार्यों के ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने एडिटर्स गिल्ड के खिलाफ कराई एफआईआर

इंफाल, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। गिल्ड पर राज्य में हिंसा को बढ़ावा देने की कोशिश का आरोप है। इसने एक रिपोर्ट में सरकार की लीडरशिप को पक्षपाती बताया था। बीरेन सिंह ने गिल्ड के तीन सदस्यों पर मामला दर्ज कराया है। इन तीनों के नाम सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर हैं। इस मामले में एडिटर्स गिल्ड की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन नहीं आया है।

कांग्रेस मनाएगी 'भारत जोड़ो यात्रा' की वर्षगांठ

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस ने कहा है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' से पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह पैदा हुआ है और इस यात्रा की पहली सालगिरह पर पार्टी सात सितंबर को देशभर में जिला स्तर पर 722 पदयात्राएं आयोजित करेगी जिसमें सभी बड़े नेता हिस्सा लेंगे। कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले साल सात सितम्बर को पार्टी नेता राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरु की। देश में किसी भी राजनेता द्वारा की गई यह अब तक की सबसे लंबी पदयात्रा है। श्री गांधी की 4081 किलोमीटर लम्बी यह यात्रा 136 दिन तक चली जो 12 राज्यों, दो केंद्र शासित प्रदेशों, 75 जिलों और 76 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से होते हुए जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर पहुंची थी। उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' में श्री गांधी ने व्यापक स्तर पर जनसंपर्क किया। इस दौरान असंख्य लोगों ने उनसे मुलाकात की और अपनी समस्याएं उनको बताई। कांग्रेस नेता ने यात्रा में बच्चों से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों से बातचीत की और विभिन्न वर्ग के लोगों की समस्याएं सुनी। उनका कहना था कि यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सौ से अधिक संगठनों और समूहों के लोगों से बातचीत की। इस दौरान 100 से ज्यादा बैठकें हुई और 13 विशाल जनसभाओं को उन्होंने संबोधित किया।

722 पदयात्राएं होंगी

राहुल 10 को नीदरलैंड के विश्वविद्यालय में व्याख्यान देंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो 7 से 11 सितंबर तक तीन यूरोपीय देशों की अपनी यात्रा के दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए तैयार हैं, 10 सितंबर को नीदरलैंड के लीडेन विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। पार्टी के एक नेता के मुताबिक, राहुल गांधी 'दुनिया में भारत' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

रायपुर में जुबेस्ता हॉस्पिटल के संचालक के घर ईडी का छापा

रायपुर, 4 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में ईडी लगातार अपना शिकंजा कसने में लगी हुई है। प्रदेश के अधिकारियों और कारोबारी के ठिकानों पर रेड मार रही है। इस बार ईडी की टीम ने हॉस्पिटल संचालक के यहां छापा मारा है। देवेंद्रनगर स्थित जुबेस्ता अस्पताल और उसके संचालक डॉ. एआर दल्ला के घर पर दबिश दी।

■ सीआरपीएफ जवानों के साथ पहुंची टीम

सीआरपीएफ फोर्स के साथ ईडी की टीम घर में घुसी और परिवार के सभी सदस्यों के फोन जब्त कर लिए। हालांकि इस जांच की देर रात तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कैश और जेवर मिले हैं। इसके अलावा कई दस्तावेज भी ईडी की टीम ने जब्त किए हैं। डॉ दल्ला के निवास के सामने ही उनका अस्पताल भी संचालित है।

मिली जानकारी के अनुसार सट्टेबाजी में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला की जांच के दौरान ईडी को डॉ. दल्ला का लिंक मिला है। इसके बाद टीम जांच के लिए अस्पताल और घर पहुंची है। उनके हवाला कनेक्शन की भी जांच जारी ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

अडानी-हिंडनबर्ग मामला

सुप्रीम कोर्ट 15 को सेबी के स्टेटस रिपोर्ट पर करेगा विचार

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अडानी-हिंडनबर्ग मामले में भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा दायर ताजा स्टेटस रिपोर्ट पर 15 सितंबर को विचार करेगा। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, सीजे आई डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष 15 सितंबर को सुनवाई की संभावना है। 25 अगस्त को, बाजार नियामक ने एक ताजा स्टेटस रिपोर्ट में कहा कि उसने शीर्ष अदालत के आदेशों के अनुपालन में 24 मामलों की जांच की, और कहा कि सेबी अडानी-हिंडनबर्ग मामले में जांच के नतीजे के आधार पर उचित कार्रवाई करेगी। सेबी के कार्यकारी निदेशक वी.एस. सुंदरेसन द्वारा दायर स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया, उक्त 24 जांचों में से 22 अंतिम प्रकृति की हैं और 2 अंतरिम प्रकृति की हैं। आज की तारीख में, उक्त 22 अंतिम ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

अधीर रंजन ने कमेटी से अलग होने पर दी सफाई

शामिल करने की मंत्री नहीं, बाबू ने दी थी सूचना

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नईदिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने 'एक देश, एक चुनाव' के लिए गठित केंद्र सरकार की कमेटी से खुद को अलग रखने के अपने फैसले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कमेटी में शामिल करने की सूचना उन्हें किसी मंत्री ने नहीं बल्कि एक बाबू ने दी थी, वह भी देर रात 11 बजे के बाद फोन आया था। उल्लेखनीय है कि 'एक देश एक चुनाव' के लिए केंद्र द्वारा गठित आठ सदस्यीय कमेटी में अधीर रंजन को भी शामिल किया गया था। लेकिन चौधरी ने खुद को इस कमेटी से अलग करने की घोषणा कर दी है। यद्यपि सरकार की ओर कहा गया है कि उन्होंने पहले कमेटी में शामिल होने की रजामंदी दी थी। इसी के बाद अधीर रंजन ने अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहाकि 31 अगस्त की रात 11 बजे प्रधानमंत्री के निजी सचिव पीके मिश्र ने उनके कार्यालय में फोन किया था। उन्होंने कहा कि सरकार एक देश एक चुनाव को लेकर कमेटी बनाने जा रही है, जिसमें उन्हें शामिल करना चाहती है। चौधरी ने बताया कि उन्होंने उनसे पहले कमेटी से जुड़े सभी कागजात मांगे थे। ताकि उसे देखकर फैसला लिया जा सके। शनिवार को एक देश एक चुनाव को लेकर को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुवाई में बनी आठ सदस्यीय कमेटी के सदस्यों के नाम का ऐलान किया गया था। इसमें गृहमंत्री अमित शाह के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी को सदस्य बनाया गया है।

वेतन रोकने का मामला

उच्च शिक्षा विभाग के संचालक को हाईकोर्ट का नोटिस

बिलासपुर/रायपुर, 4 सितंबर (देशबन्धु)। स्थानांतरण के बाद सहायक प्राध्यापक को 9 महीने के भीतर दोबारा नई जगह पर पदस्थ करने का आदेश जारी कर वेतन रोकने के मामले में संचालक उच्च शिक्षा को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

सहायक प्राध्यापक वंदना रानी खाखा ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि उच्च शिक्षा विभाग के अपर संचालक ने 30 सितंबर 2022 को उनका शासकीय महाविद्यालय मरवाही से बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में स्थानांतरण किया। साथ ही बिलासपुर के इसी महाविद्यालय में कार्यरत सहायक प्राध्यापक मनीष कुमार दीवान को मरवाही स्थानांतरित किया। दोनों ने आदेश का पालन करते हुए अपना-अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस बीच 2 जनवरी 2023 ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

खुलासा

एडीआर ने जारी की रिपोर्ट से जानकारी आई सामने- एक साल में 1531 करोड़ बढ़ी संपत्ति, भारतीय जनता पार्टी है सबसे अमीर दल

कोरोना काल में लोग गरीब हुए, राजनीतिक दल अमीर

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 21-21 और 221-22 में भले ही कोरोना महामारी के चलते लगे लॉकडाउन के बाद रोजगार जाने या फिर फिर वेतन में कटौती के चलते लोगों की आय घटी हो, लेकिन इसी अवधि के दौरान देश के 8 प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिली है।

2020-21 में इन 8 राजनीतिक दलों की संपत्ति 7297.618 करोड़ रुपए थी जो अगले ही वर्ष 2021-22 में बढ़कर 8829.158 करोड़ रुपये पर जा पहुंची। यानि केवल एक वर्ष में इन दलों की संपत्ति में 21 फीसदी के करीब बढ़ गई। चुनाव सुधारों को लेकर काम करने वाली संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रैटिक रिफॉर्म्स ने ये आंकड़े जारी किए हैं। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में 2020-21 और 2021-22 के दौरान 8 राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की संपत्ति और देनदारी की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट जारी की है। इन 8 राजनीतिक दलों में बीजेपी, कांग्रेस, एनसीपी, बीएसपी, सीपीआई, सीपीआईएम, टीएमसी और एनपीईपी शामिल है।

भाजपा की 6046.81 करोड़ है संपत्ति

एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2020-21 में भजपा ने कुल 4990.195 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की थी जो एक वर्ष बाद 2021-22 में 21.7 फीसदी के उछाल के साथ 6046.81 करोड़ रुपए हो गई। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 2020-21 में 691.11 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की थी जो 2021-22 में 16.58 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 805.68 करोड़ रुपए हो गई।

बीएसपी की संपत्ति में आई गिरावट

एडीआर के रिपोर्ट के मुताबिक बहुजन समाज पार्टी एक मात्र राष्ट्रीय दल है जिसकी संपत्ति में इस दौरान गिरावट देखने को मिली है। 2020-21 में बीएसपी की कुल संपत्ति 732.79 करोड़ रुपए थी जो 2021-22 में घटकर 690.71 करोड़ रुपए हो गई। टीएमसी की संपत्ति 2020-21 में 182.001 करोड़ रुपए थी जो 2021-22 में 151.70 फीसदी के उछाल के साथ 458.10 करोड़ रुपए हो गई।

प्रमोशन-पोस्टिंग संशोधन आदेश निरस्त,शिक्षकों में असंतोष

वसूली करने वाले सहायक संचालक शिक्षा से पैसे वापस करने की मांग

- बिलासपुर में पदस्थ सहायक संचालक द्वारा की गई थी शिक्षकों से करोड़ो रुपए की वसूली
- सहायक संचालक शिक्षा के खिलाफ शिकायतों का अंबार, विभाग ने नहीं की कोई कार्रवाई

गौरेला पेंड्रा मरवाही,4 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक प्रमोशन संशोधन निरस्त करने के आदेश जारी करने के बाद एक बार फिर शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। शिक्षक प्रमोशन संशोधन निरस्तीकरण आदेश में गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के लगभग दो दर्जन शिक्षकों के नाम शामिल है इन शिक्षकों ने संयुक्त संचालक (शिक्षा) कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक को को संशोधन हेतु मोटी रकम दी थी। संशोधन आदेश निरस्त होने के बाद अब यह शिक्षक अपना पैसा सहायक संचालक से वापस लेने की तैयारी में है। संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय बिलासपुर में पदस्थ जिस सहायक संचालक के खिलाफ शिक्षकों से प्रमोशन में पोस्टिंग संशोधन की वसूली का आरोप है उसके खिलाफ शिक्षा विभाग में पहले से ही शिकायतों का अंबार है परंतु उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। शिक्षक पोस्टिंग घोटाले में स्कूल शिक्षा विभाग ने दो हजार से अधिक शिक्षकों की पोस्टिंग निरस्त कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव पुलक भट्टाचार्य द्वारा दिनांक 4 सितंबर को जारी आदेश में 2000 से ज्यादा शिक्षकों के प्रमोशन पोस्टिंग संशोधन आदेश निरस्त किए जा गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अनुमोदन के बाद शिक्षा विभाग ने ये फैसला किया है। यह निरस्तीकरण आदेश ऐसा तैयार किया गया है कि शिक्षकों को कानूनी राहत की गुंजाइश नहीं के बराबर है जिसमें शिक्षकों के साथ उनके ही वरिष्ठ अधिकारियों ने लाखों रुपए की ठगी करके उन्हें डर-डर कर दिया। प्रमोशन के बाद सुविधा जनक स्थान पाने के लिए अनेक शिक्षकों ने ब्याज से पैसे उठाकर अधिकारियों को दे दिए। अवर सचिव पुलक भट्टाचार्य नेआदेश में पूरा विवरण लिखा है कि किस तरह अधिकार न होने के बाद भी संयुक्त संचालक ने ट्रांसफर प्रतिबंधित होने के बाद भी ट्रांसफर कर दिया। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य के पांचों कमिश्नरों की जांच का हवाला दिया है, जिसमें सभी ने भ्रष्टाचार की पुष्टि की है। विभाग ने शिक्षकों से कहा है कि 10 दिन के भीतर पूर्व पोस्टिंग वाले स्कूलों में ज्वाईन करें, वरना उनका प्रमोशन निरस्त कर दिया जाएगा।इसके बाद सरकार ने चार संयुक्त संचालकों को निलंबित कर दिया था। प्रमोशन के बाद शिक्षक पोस्टिंग आदेश में संशोधन के नाम पर प्रदेश में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ। यह मामला कितना बड़ा है, आप इससे समझ सकते हैं कि सरकार ने पांच में से चार ज्वाइंट डायरेक्टरों को निलंबित कर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने संशोधन निरस्त करने के साथ ही अपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए थे तथा संशोधन पोस्टिंग आदेश निरस्त करने की कार्यवाही चल रही थी जिसकी परिणीति स्वरूप 4 सितंबर को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिए गए।

शिक्षा विभाग द्वारा प्रमोशन संशोधन पोस्टिंग आदेश निरस्त करने के बाद गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है तथा अब प्रभावित शिक्षक उसे ढूंढ रहे हैं जो पैसे वसूली में मध्यस्थता का काम किया है दरअसल गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में संशोधन चाहने वाले शिक्षकों से संयुक्त संचालक बिलासपुर में पदस्थ एक सहायक संचालक जिसका मूल निवास पेंड्रा ब्लॉक के ग्राम गिरारी में है तथा जिले का प्रभारी सहायक संचालक है ने प्रति शिक्षक डेढ़ लाख रुपए की वसूली की थी परंतु अब शिक्षक प्रमोशन संशोधन निरस्त होने के बाद प्रभावित शिक्षकों को अपने ठगे जाने का एहसास हुआ है और वह अब सहायक संचालक को दिए हुए पैसे की वसूली चाहते हैं जिसके लिए वह प्रमोशन संशोधन आदेश के निरस्तीकरण आदेश जारी होते ही सहायक संचालक को फोन लगाना शुरू कर दिए परंतु सहायक संचालक ने फोन नहीं उठाया जिससे आगे मामला गहराने की उम्मीद है तथा अब मामला थाने तक पहुंच सकता है।

शिक्षा विभाग में अरबों का घोटाला आया सामने

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस(जोगी) के वरिष्ठ नेता ओंकार प्रसाद सोनी ने शिक्षक प्रमोशन पोस्टिंग घोटाला एवं सरकार द्वारा निरस्तीकरण आदेश दिए जाने के बाद संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय के औचित्य पर सवालिया निशान उठाया तथा कहा कि यह कार्यालय भ्रष्टाचार का केंद्र बनकर रह गया है। श्री सोनी ने कहा कि गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के शिक्षकों से वसूली करने वाले सहायक संचालक ने प्रति शिक्षक डेढ़ लाख रुपए की वसूली की तथा यह शिक्षक शोषण का शिकार हुए जबकि इस सहायक संचालक की शिकायत पहले से ही शिक्षा विभाग में लंबित है परंतु शिक्षा विभाग ने इस सहायक संचालक के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की जिसके कारण इसमें गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के शिक्षकों से करोड़ों रुपए की अवैध वसूली कर शिक्षकों को चूना लगाया। श्री सोनी ने कहा कि संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय का कोई अचित ही नहीं है शायद यही कारण था कि पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने अपने शासनकाल में संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय को बंद कर दिया था परंतु भ्रष्टाचार के केंद्र इन कार्यालय को फिर से खोल दिया गया जिसकी परिणीति पूरे प्रदेश में शिक्षकों से अरबो रुपए की ठगी हुई है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

धारा 376 व पास्को एक्ट के तहत कार्रवाई

गौरेला पेंड्रा मरवाही,4 सितंबर (देशबन्धु)। शादी का झांसा देकर चार साल से नाबालिक किशोरी का दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को मरवाही पुलिस ने जेल के सलाखों के पीछे भेजा है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर मरवाही पुलिस ने अपराध क्रमांक 211/2023 धारा 376 ,506 भादवि 4, 6 पास्को एक्ट दर्ज कार्यवाही कर रही है। आरोपी निरंजन लखावत मरवाही थाने के ग्राम मटियाडांड़ का रहने वाला है। आरोपी निरंजन लखावत जेल की सलाखों के पीछे पहुंच चुका है। पूरा मामला थाना मरवाही का है । पीड़िता थाना मरवाही में रिपोर्ट दर्ज कराई कि चार साल पहले जब स्कूल पढ़ने जाती थी तब आरोपी उससे बात कर पीछा करता था और शादी करने का प्रलोभन देकर व् डरा धमका के बिना इसके सहमति के जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाते रहा। बाद में पता चला कि वह शादीशुदा है और इसे धोखा देकर संबंध स्थापित कर छोड़ दिया है कि रिपोर्ट पर अपराध धारा सदर कायम कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अशोक वाडेगांवकर के निर्देशन में केके शुक्ला थाना प्रभारी मरवाही को आरोपी गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही का निर्देश दिये।

थाना प्रभारी मरवाही की टीम के द्वारा आरोपी निरंजन लखावत पिता छत्रपाल लखावत उम्र 32 वर्ष को सेमरदर्री से हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। आरोपी के द्वारा अपराध करना स्वीकार किया जोकि वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण की विवेचना एवम् आरोपी गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक के के शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक नवीन मिश्रा, आरक्षक इंद्रपाल आर्मो, खोगेश्वर मैत्री का विशेष योगदान रहा।

अध्यात्म क्रांति से ही होगी दुनिया की सफाई-प्रियंका

तखतपुर,4 सितंबर (देशबन्धु)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आज तखतपुर नगर पालिका के समस्त सफाई कर्मचारियों का रक्षाबंधन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बताया गया कि हम सड़क की सफाई करते हैं घर की सफाई करते हैं पर आध्यात्मिकता से हमारे मानव जीवन की सफाई होगी स्वयं के भीतर की सफाई होगी ब्रह्माकुमारी प्रियंका बहन ने बताया कि कैसे हम स्वयं के अंदर की सफाई करें हमारा देश तभी आगे बढ़ेगा जब हम खुद के भीतर की सफाई करेंगे साथ में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया जिसमें समस्त सफाई कर्मचारी बहनों को बताया गया।

शिक्षा एक कड़ी है जो विकास की ओर ले जाती है- रश्मि

तखतपुर,4 सितंबर (देशबन्धु)। विधानसभा स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन विधायक डॉ श्रीमती रश्मि आशीष सिंह के द्वारा नगर के मंडी प्रांगण में किया गया था। जहां संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके कारण लोग एक दूसरे के भावना और विचारों को समझते। शिक्षा एक कड़ी है जो विकास की ओर ले जाती है और ऐसे पुनीत सेवा से जुड़ने वाले शिक्षकों का सम्मान कर हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। क्षेत्र की प्रतिनिधि बनकर हम आपकी हर समस्या को दूर करने के लिए शुरू से प्रयासरत रहे हैं और धीरे-धीरे उसे निराकरण भी किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी तखतपुर विधानसभा के प्रति विशेष लगाव रखते हैं और यही वजह है कि जो महाविद्यालय जिला मुख्यालय में नहीं है वह कन्या महाविद्यालय तखतपुर नगर में खुल गया है और इससे बालिकाएं लाभान्वित हो रही है। ईश्वर ने हमें जन सेवा का अवसर दिया है यह हमारा सौभाग्य है और इस सेवा को हम ईश्वर का आशीष मानकर दिन रात जुटे हुए हैं। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे नशा से दूर रहे क्योंकि यही एक समाज में अपराध का जड़ है और इसे मिटाने में शिक्षकों की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है उन्होंने यह भी कहा कि वाहन चलाते समय हमें जरूर सावधानी रखनी चाहिए क्योंकि हमारी थोड़ी सी आसावधानी से किसी अन्य को परेशानी हो सकती है। वर्ष में एक दिन हम सभी एक साथ पारिवारिक वातावरण में मिलते हैं और यह हम सभी के लिए अच्छा अवसर होता है कि पूरे वर्ष में एक दिन फुर्सत के पल लेकर हम सभी एक साथ होते हैं। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन और छत्तीसगढ़ महतारी की तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में 40 सेवानिवृत शिक्षकों को साल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और घड़ी देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इसके साथ ही लगभग 1500 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। प्रदेश कांग्रेस सचिव आशीष सिंह ठाकुर ने गीत गाकर लोगों की खूब वह वाही लूटी। कार्यक्रम को जिला पंचायत सभापति जितेंद्र पांडेय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र शुक्ला एवं प्रभार प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस सचिव आशीष सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मुन्ना श्रीवास, मंडी अध्यक्ष गरीबा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्ना श्रीवास, मुकीम अंसारी, हरविंदर हूरा, कैलाश देवांगन, सुनील आहुजा, बबलू गुप्ता, अभिषेक पांडे, सुनील जांगड़े, मोहित सिंह राजपूत, नटटू जायसी, सुखदेव कुर्रे, उमेश राजपूत, लक्ष्मी यादव, अवधेश शुक्ला, अभ्युदय तिवारी, जय दुबे, सहायक विकास खण्डशिक्षा अधिकारी सूर्यकांत जायसवाल, संगीता कोसरिया, विकासखंड समन्वयक सीमा त्रिपाठी, वल्लभ रजक, गेंदा उपाध्याय, अशोक पांडे, विजय पांडे, आशुतोष श्रीनेत, रामभुवन यादव, मनोज पवार, अजय तिवारी, हिमांचल साहू, संजीव कुर्रे, राजेश चौबे, मनोरमा बर्मन, विमल सिंव ने, लवकांत द्विवेदी, अमरदीप शर्मा, सुशील साहू, अनिल शर्मा, विनोद शर्मा, सुरेंद्र दुबे, नितेश सिंगरौल, धृक: पाल पटेल, सतीश जायसवाल, हीरालाल जांगड़े, प्रेमलाल जैसवाल, राजेंद्र नामदेव, सुरेंद्र दुबे, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

सर्वयादव समाज का जन्माष्टमी महोत्सव 9 को

तखतपुर,4 सितंबर (देशबन्धु)। सर्व यादव समाज तखतपुर की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन 9 सितम्बर को सांस्कृतिक भवन तखतपुर में किया गया है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव एवं विधायक श्रीमती रश्मि सिंह अध्यक्षता यादव समाज के जिलाध्यक्ष रामचंद्र यादव सहित अन्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की तैयारी में विश्वनाथ यादव, ललित यादव, संतराम यादव, सरजू यादव, अजय यादव सहित अन्य जुटे हुए है।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
NIT NO. 20/PWD/Zone-1/2023 RAIPUR DATED: 04.09.2023

Online bids are invited for the following works of works up to 20.09.2023 at 17.30 hours.

S. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable Amount of contract (Rupees in Lac)	Invite
1	146619	माननीय मुख्यमंत्री घोषणा के तहत यतियतन लाल वार्ड क्र. 04 क्षत्रिय समाज भनपुरी हेतु समाजिक भवन निर्माण कार्य	20.00	द्वितीय आमंत्रण

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in on from 05.09.2023, 17.30 Hiurs (1ST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal

NOTE:-
1. All eligible/interested contractors are mandated to get entolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procutement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Enail ID helpdesk.eproc@cfswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE NO. -1
MUNICIPAL CORPOATION, RAIPUR

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री आज जीर्णोद्धार ...

संबंध में एक रोचक तथ्य यह है कि इन भवनों के रंग-रोगन के लिए गौठान में बने 1 लाख 98 हजार 510 लीटर गोबर पेंट का उपयोग किया गया है, जिसकी कुल कीमत 4.76 करोड़ रुपए है।

शिक्षा की गुणवत्ता के लिये सुयोग्य शिक्षक सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। विगत 15 वर्षों में केवल शिक्षाकर्मियों की ही नियुक्तियां की गईं थीं। वर्तमान सरकार ने बड़े पैमाने पर योग्य एवं पूर्ण अर्हता प्राप्त शिक्षकों की नियुक्तियां की हैं। सरकार का गठन होते ही वर्ष 2019 में व्यापमं की परीक्षा द्वारा 10 हजार 834 शिक्षकों की नियुक्तियां की गई। इसके अतिरिक्त स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नवीन पद निर्मित करके 6 हजार 730 शिक्षकीय पदों तथा 485 गैर शिक्षकीय पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। इस वर्ष पुन: व्यापमं द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ 12 हजार 489 शिक्षकों की नियुक्तियां की जा रही हैं। वर्ष 2019 में सरकार गठन के पश्चात् स्कूल शिक्षा विभाग में 30 हजार 53 शिक्षकीय पदों पर एवं 485 अन्य पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं। पूर्व में 12 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री ने 232 व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र दिया था, इसके बाद 2 सितंबर को पुन: 2000 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। अब 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर 1500 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। शेष बचे पदों पर भी नियुक्ति के लिए कांउसिलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही जारी है एवं उन्हें शीघ्र ही नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे।

रायपुर के जुबेस्ता हॉस्पिटल ...

है। उनके घर पर पूछताछ की जा रही है। जांच किस सिलसिले में हो रही है यह साफ नहीं है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में इन दिनों आधा दर्जन अलग-अलग मामलों में ईडी की जांच और छापामार कार्रवाई चल रही है। यह किस सिलसिले में हो रही है यह साफ नहीं है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में इन दिनों आधा दर्जन अलग-अलग मामलों में ईडी की जांच और छापामार कार्रवाई चल रही है।

डॉ दल्ला एक वक्त राज्य सिकलसेल संस्थान में भी सक्रिय थे डीएमएफ की राशि सिकलसेल संस्थान में भी उपयोग की गई है। ईडी इन दिनों डीएमएफ घोटाले की भी जांच कर रही है। दूसरी ओर, रविवार रात ईडी की टीम दुर्ग और रायगढ़ भी पहुंची है। जहां भी दो जगहों पर छापा मारा गया है। इन जगहों से दस्तावेज से भी जब्त किए जानें की खबर मिली हैं।

अडानी-हिंडनबर्ग मामला...

जांच रिपोर्ट और 1 अंतरिम जांच रिपोर्ट को सेबी की मौजूदा प्रथा और प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसमें कहा गया है कि एक शेष मामले के संबंध में, अंतरिम निष्कर्ष सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हैं और सेबी ने बाहरी एजेंसियों या संस्थाओं से जानकारी मांगी है। इसमें कहा गया है, ऐसी जानकारी प्राप्त होने पर उक्त मामलों में आगे की कार्रवाई, यदि कोई हो, निर्धारित करने के लिए अंतरिम जांच रिपोर्ट के साथ उसका मूल्यांकन किया जाएगा। 14 अगस्त को सेबी ने जांच प्रक्रिया पूरी करने और मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 15 दिनों का विस्तार मांगा था। बाजार नियामक ने तब कहा था कि उक्त 24 जांचों/परीक्षाओं में से 17 अंतिम और पूर्ण हैं और सेबी की मौजूदा प्रथा और प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हैं। इससे पहले, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदानी-हिंडनबर्ग मामले के संबंध में न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई विभिन्न सिफारिशों पर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचार व्यक्त किया था।

उच्च शिक्षा विभाग के संचालक को...

को संचालक उच्च शिक्षा विभाग ने 3 सितंबर 2022 के आदेश को संशोधित कर दिया। इसके अनुसार मनीष दीवान का स्थानांतरण मरवाही से वापस शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय में किया गया और याचिकाकर्ता को अतिशेष बताते हुए उनका संलग्नीकरण शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा में कर दिया गया। सहायक प्राध्यापक दीवान ने बिलासपुर में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

तखतपुर,4 सितंबर (देशबन्धु)। अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट छत्तीसगढ़ में लागू करने की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ तखतपुर ने अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौंपा। सौंपे ज्ञापन में अधिवक्ताओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य में अधिवक्ताओं पर लगातार हमले हो जिससे अधविक्ता अपने आप को असुरक्षित महसूस हो रहे है इसलिए छत्तीसगढ़ में भी अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। अधिवक्ताओं की आय निश्चित होती है तथा उसके मृत्यु के पश्चात परिवार के सामने भरण पोषण की समस्या आ खड़ी होती है ऐसी स्थिति में अधिवक्ता के मृत्यु के पश्चात परिवारजन को 10 लाख रूपए मृत्यु दावा का भुगतान किया जाए ताकि सामुहिक बीमा अधिवक्ताओं के लिए प्रांरभ की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विवेक पाण्डेय, चंद्रहास पाण्डेय, रूपेश तिवारी सत्येंद्र जायसवाल, भारत तोलानी, योगेश गंधर्व सहित अन्य उपस्थित रहे।

सूचना

प्रारूप-37
(नियम 01 (3) देखिए)
मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को उद्‌दकरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना
(दो प्रतियों में, दूसरी प्रति नोटिस जारी करने पर वित्तपोषक को भेजी जावेगी)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी रायपुर सं./125 तारीख 23.08.2023

श्री/श्रीमती/कुमारी-MRS. ANISHA BIBI, W/O- MR. JAINUL ALI, 384 JAUHARE AJAM CHOWK, GAZI NAGAR BIRGAON RAIPUR (CG)-492001 (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया है कि CG RAJYA GRAMIN BANK, Raipur (वित्तपोषक) ने यह सूचित किया हे कि उसने/उन्होंने उक्त करार उपबन्ध अधीन आपके व्यक्तिक्रम के कारण अवक्रय/आडमान/पट्टा करार अंतर्गत आने वाले मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या CG04MA5459 है, कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि-
1. आपने उसे/उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र देने से इंकार कर दिया है।
2. आप फरार हो गये हैं।

उसने/उन्होंने रजिस्ट्रीकृत प्रमाण पत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

अत: आपको उक्त मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र अभ्यर्पित करने को निर्देश दिया जाता है, जिसे आपने कब्जा खो देने पर धारा 2 (30) के अधीन स्वामित्व भी खे दिया है और इस बारे में आपका अभ्यावेदन, यदि कोई हो, तो इस नोटिस की आपके द्वारा प्राप्ति के सात दिन के भीतर इस कार्यालय को, करने का निर्देश दिया जाता है। आपके आसफल रहने पर धारा 51(5) के अनुसार आपके द्वारा धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्द करते हुये वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाएगा।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
रायपुर

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय मुंगेली, (छ.ग.) 495334
email- dhmungeli@gmail.com
क्र./अस्प. प्रशा./सिविल सर्जन/2023/2587 मुंगेली, दिनांक 31/08/2023

// द्वितीय निविदा विज्ञापन प्रकाशनार्थ //

जिला चिकित्सालय मुंगेली/ 100 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल मुंगेली के सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संपादित किये जाने हेतु 01 वर्षीय अनुबंध के आधार पर द्वितीय निविदा आमंत्रित किये जाते हैं, नियम एवं शर्तें प्राप्त करने के लिए कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय मुंगेली छ.ग. के कार्यालयीन समय सुबह 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे पर देखे जा सकते है निविदा शुल्क रूपये 1500 – जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथी	15.09.2023	समय अपरान्ह 3.00 बजे तक।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथी	22.09.2023	समय अपरान्ह 3.00 बजे तक।
आवेदन खोलने की तिथी	22.09.2023	समय अपरान्ह 4.00 बजे।

जी-04892/2

सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक
जिला- मुंगेली (छत्तीसगढ़)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला जांजगीर- चांपा (छ.ग.)
ईश्तहार
विवाह प्र.क्र.144/ब-121/2022-23
ग्राम कटघरी तहसील अकलतरा

आवेदक विजेन्द्र कुमार माथुर उम्र 22 वर्ष पिता श्री रामभरोस माथुर जाति सतनामी निवासी ग्राम कटघरी तहसील व थाना अकलतरा जिला जांजगीर- चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका अर्चना यादव उम्र 27 वर्ष पिता श्री उमेश यादव जाति यादव निवासी ग्राम अकलतरा तहसील व थाना अकलतरा जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
बनाम
छत्तीसगढ़ शासन

आम जनता ग्राम कटघरी तहसील अकलतरा जिला जांजगीर- चांपा (छ.ग.) को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक विजेन्द्र कुमार माथुर उम्र 22 वर्ष पिता श्री रामभरोस माथुर जाति सतनामी निवासी ग्राम कटघरी तहसील व थाना अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) एवं आवेदिका अर्चना यादव उम्र 27 वर्ष पिता श्री उमेश यादव जाति यादव निवासी ग्राम अकलतरा तहसील व थाना अकलतरा जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत आशयित विवाह की सूचना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।अत: इस संबंध में किसी को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपनी दावा/आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 27.09.2023 को 11.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.05.2023 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विवाह अधिकारी
जिला-जांजगीर- चांपा (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर
आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल पं. दीनदयाल नगर देवरीखुर्द, बिलासपुर (छ.ग.) में निर्मित एल.आई.जी. भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी-308 तृतीय क्रेता श्रीमती मालती देवी मल्लिक पति श्री कृष्ण मोहन मल्लिक के नाम पर नामांतरित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 21.03.2010 को पंजीकृत किया गया है। आबंटी अपने उक्त भवन को चतुर्थ क्रेता श्रीमती हेमलता रावत पति श्री निरंजन रावत को विक्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था/बैंक आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर
आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल पं. दीनदयाल नगर देवरीखुर्द, बिलासपुर (छ.ग.) में निर्मित एल.आई.जी. भवनों में से भवन क्रमांक एम.आई.जी-II-43, श्री अभया नंद जी यादव पिता श्री गिरजा शंकर यादव के नाम पर नामांतरित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 01.04.2023 को पंजीकृत किया गया है। इसके उपरांत तृतीय क्रेता द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 16.08.2023 को पंजीकृत कराने के पश्चात उक्त भवन को श्री अमित कुमार तिवारी पिता श्री ललित तिवारी के नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था/ बैंक आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर
आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल पं. दीनदयाल नगर देवरीखुर्द, बिलासपुर (छ.ग.) में निर्मित एल.आई.जी. भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी-307 तृतीय क्रेता श्रीमती मालती देवी मल्लिक पति श्री कृष्ण मोहन मल्लिक के नाम पर नामांतरित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 21.03.2010 को पंजीकृत किया गया है। आबंटी अपने उक्त भवन को चतुर्थ क्रेता श्रीमती हेमलता रावत पति श्री निरंजन रावत को विक्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था/बैंक आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, राजनांदगांव (छ.ग.)
प्रथम बार निविदा सूचना क्रमांक-68

क्र.3032/व.ले.लि./ग्रा.यां.सेवा/ 2023-24 राजनांदगांव, दिनांक 31.8.23

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से पंजीकृत एकीकृत पंजीयन प्रणाली से प्रपत्र " ए" में दर्शित निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दर प्राप्त करने आनलाईन मैनुवल निविदा दिनांक 15.09.2023 तक आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल राजनांदगांव में प्रोफाईल शीट लगाने हेतु विकासखण्ड राजनांदगांव	13.74

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in. में दिनांक 01.09.2023 से देखी जा सकती है। निविदा कार्यालय में पहुंचने की अंतिम तिथी 15.09.2023 सायं 5.30 तक है।

जी-04902/1

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग- राजनांदगांव

देश

उवाच

ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है अपराधी जो चाहे, जहां कर रहे हैं। योगी पिछले सात सालों से दावा कर रहे हैं कि अपराधी उप्र छोड़कर भाग गए हैं, तो क्या जो अब अपराध हो रहा है, वह भाजपा के लोग कर रहे हैं या उन्हें सरकार का संरक्षण मिला हुआ है।

-अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36°	28°
मुंबई	29°	27°
कोलकाता	28°	26°
चेन्नई	29°	26°

गांधीजी के दिखाए रास्ते से ही हासिल होगी विश्व शांति : मुर्मू

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को देश के नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों से महात्मा गांधीजी के बारे में अधिक से अधिक पढ़ने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते से विश्व शांति के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि

- राष्ट्रपति ने युवाओं से की गांधीजी के आदर्शों को आत्मसात करने की अपील
- राष्ट्रपति ने गांधी दर्शन में गांधीजी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

गांधीजी के आदर्श और मूल्य हमारे देश एवं समाज के लिए बहुत प्रासंगिक हैं तथा उनका मार्ग ही विश्व-कल्याण और विश्व-शांति का मार्ग है। राष्ट्रपति ने यहां गांधी दर्शन में गांधीजी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और परिसर में गांधी वाटिका का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस बात पर बल दिया कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर विश्व शांति के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी ने सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन में पवित्रता पर बहुत बल दिया। उनका मानना था कि नैतिक शक्ति के आधार पर ही अहिंसा के माध्यम से हिंसा का सामना किया जा सकता है। उन्होंने रेखांकित किया कि आत्मविश्वास के बिना, प्रतिकूल

गांधीजी के आदर्श व मूल्य देश व समाज के लिए बहुत प्रासंगिक : द्रौपदी मुर्मू

परिस्थितियों में दृढ़ता के साथ कार्य नहीं किया जा सकता है। आज की तेजी से बदलती और प्रतिस्पर्धी दुनिया में, आत्मविश्वास और संयम की बहुत आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों से आग्रह से गांधीजी के बारे में अधिक से अधिक पढ़ने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील करते हुए कहा कि इस संबंध में गांधी स्मृति, दर्शन समिति तथा ऐसी अन्य संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीवादी संस्थाएं पुस्तकों, फिल्मों, संगोष्ठियों, कार्टूनों और अन्य संचार माध्यमों के जरिए युवाओं और बच्चों को गांधीजी के जीवन की शिक्षाओं के बारे में अधिक जागरूक कर सकती हैं और गांधीजी के सपनों के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। मुर्मू ने कहा कि महात्मा गांधी संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए वरदान स्वरूप हैं। उनके आदर्शों और जीवन मूल्यों ने पूरी दुनिया को एक नई दिशा दी है। उन्होंने अहिंसा का मार्ग उस समय दिखाया जब विश्व-युद्धों के कालखंड के दौरान दुनिया घृणा और द्वेष से ग्रसित थी। उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा के साथ गांधीजी के प्रयोग ने उन्हें एक महामानव का दर्जा दिया। राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी प्रतिमाएं कई देशों में स्थापित हैं और दुनिया भर के लोग उनके आदर्शों में विश्वास करते हैं। उन्होंने नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर और बराक ओबामा का उदाहरण देते हुए कहा कि कई महान नेताओं ने गांधीजी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग को विश्व कल्याण का मार्ग माना।

आयुष्मान भव अभियान का शुभारंभ करेंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति 13 सितम्बर को आयुष्मान भव अभियान को भी लॉन्च करेंगी, ताकि सभी स्वास्थ्य योजनाओं का वितरण अंतिम छोर तक के लाभार्थियों को सुनिश्चित किया जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा सभी कैबिनेट मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को लिखे गए एक पत्र के मुताबिक, इस अभियान को 17 सितम्बर से दो अक्तूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े के दौरान पेश किया जाएगा, जिसके तहत स्वास्थ्य सेवा पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

अरुणाचल विधानसभा में तीन विधेयक पेश

ईटानगर, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में सोमवार को चार दिवसीय मानसून सत्र के पहले दिन राज्य सरकार ने तीन प्रमुख विधेयक पेश किए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू, जो राज्य के कानून, विधायी और न्याय के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने अरुणाचल प्रदेश कोर्ट फीस बिल, 2023 पेश किया जिससे अदालत शुल्क पर राज्य अपना कानून बना सके।

वर्तमान में, न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1870, जो स्वतंत्रता से पहले का कानून है, का पालन अरुणाचल प्रदेश के सभी न्यायालयों द्वारा असम न्यायालय शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 1972 के अनुसार किया जाता है, क्योंकि राज्य का अपना उच्च न्यायालय नहीं है।

भारत सरकार द्वारा न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1870 निरस्त करने के बाद, अरुणाचल प्रदेश के पास राज्य के विभिन्न न्यायालयों में कार्यान्वित किए जाने के लिए कोई अधिनियम नहीं बचेगा। इसके अलावा, न्यायालय शुल्क अधिनियम के अधिनियमित होने से राज्य सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। नगर नियोजन मंत्री कामलुंग मोसांग ने विधानसभा में एक अन्य महत्वपूर्ण विधेयक अरुणाचल प्रदेश हवाई अड्डा क्षेत्र, योजना एवं विकास प्राधिकरण विधेयक, 2023 पेश किया, जिसमें हवाई अड्डा क्षेत्रों में किए जाने वाले विकास कार्यों की निगरानी के लिए एपी एयरपोर्ट एरिया प्लानिंग एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के गठन की परिकल्पना की गई है। उपमुख्यमंत्री तथा कर, आबकारी और नारकोटिक्स के प्रभारी मंत्री चोवना मेन ने अरुणाचल प्रदेश वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया।

जनरल डायर की मानसिकता से काम कर रही महाराष्ट्र सरकार

मुंबई,4 सितम्बर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने मराठा आरक्षण हिंसा को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। राज्यसभा सदस्य ने

- मराठा आरक्षण हिंसा को लेकर सरकार पर साधा निशाना

आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और दोनों उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार जनरल डायर की मानसिकता से काम कर रहे हैं।

उन्होंने पूछा कि जालना जिले में शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे मराठा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का आदेश दिया था। राउत ने कहा कि पुलिस कभी भी आदेश बिना मिले लाठीचार्ज और गोली नहीं चलाएगी। ऐसे में सवाल उठता है कि शीर्ष अधिकारियों के आदेश के बिना मुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री के कार्यालय से किसने फोन किया था। हम जानना चाहते हैं कि फोन कॉल पर ये आदेश किसने दिए। गौरतलब है, अप्रैल 1919 में बैसाखी त्योहार के दौरान अमृतसर के जलियांवाला बाग में नरसंहार हुआ था, जब कर्नल रेजिनाल्ड डायर की कमान के तहत ब्रिटिश भारतीय सेना ने स्वतंत्रता-समर्थक प्रदर्शन कर रही भीड़ पर गोलियां चला दी थीं, जिसमें कई लोग मारे गए थे। गौरतलब है, मनोज जारांगे के नेतृत्व में आंदोलनकारी मंगलवार से गांव में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय के लिए राज्य सरकार की ओर से दिए गए आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट पहले ही रद्द कर चुका है।

प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया : संजय राउत

कांग्रेस ने की महाराष्ट्र विस के विशेष सत्र की मांग

महाराष्ट्र विधानसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने जालना में पिछले सात दिनों से चल रहे मराठा समुदाय के आंदोलन का हवाला देते हुए सोमवार को मराठा समुदाय के लिए आरक्षण पर चर्चा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की। वडेट्टीवार ने कहा कि राज्य सरकार को मराठा आरक्षण पर स्थायी रूप से विचार करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए। इस बीच मराठा समूहों ने जालना, औरंगाबाद, सोलापुर, पुणे, बीड और अन्य जिलों में बंद का आह्वान किया है और पुलिस ने सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं।

सार संक्षेप

कश्मीर में ड्रग तस्कर के दो बैंक खाते फ्रीज

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने सोमवार को बांदीपोरा जिले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक कुख्यात ड्रग तस्कर के दो बैंक खाते फ्रीज किए। पुलिस ने कहा कि अशाम हाजिन निवासी इराहाद अहमद नामक कुख्यात ड्रग तस्कर के तीन लाख से अधिक रुपए की बचत वाले दो बैंक खाते एनडीपीएस अधिनियम के तहत फ्रीज कर दिए गए हैं। आरोपी का एक ऑटो लोड कैरियर भी जब्त कर लिया गया, जिसकी कीमत करीब 32 हजार रुपए है। बांदीपोरा पुलिस ने कहा कि जब्त राशि नशीली दवाओं की बिक्री के माध्यम से अवैध रूप से अर्जित की गई थी।

दादाभाई नौरोजी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। महान स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दादाभाई नौरोजी की 198वीं जयंती पर उन्हें संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और कई संसद सदस्यों और पूर्व संसद सदस्यों ने दादाभाई नौरोजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी शामिल थे।

त्रिपुरा में पुलिस लॉकअप से भागा कैदी

अगरतला। त्रिपुरा के उनोकोटी जिले के कैलाशहर थाना के लॉकअप में तीन दिन से पुलिस रिमांड में सजा काट रहा एक विचाराधीन कैदी पुलिस को चकमा देकर भाग गया। कैलाशहर के लक्ष्मीपुर पंचायत क्षेत्र के आरोपी अचब अली की तलाश के लिए पुलिस ने पहले ही तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। शनिवार सुबह उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था। अदालत ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

मप्र के मंडला व श्योपुर में शाह का दौरा आज

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मप्र के मंडला और श्योपुर में भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करेंगे। वे दोनों स्थानों पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाह मंगलवार सुबह 11.4 बजे जबलपुर विमानतल पर पहुंचेंगे। वे वहां से रवाना होकर 12.2 बजे मंडला पहुंचेंगे। शाह दोपहर 12.25 बजे जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ कर जनसभा को संबोधित करेंगे। शाह 4.4 बजे श्योपुर पहुंचकर जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करेंगे एवं जनसभा को संबोधित करेंगे।

केसीआर ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को दी बधाई

हैदराबाद,4 सितम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस (पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती) के अवसर पर मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने शिक्षकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों में अनुशासन और ज्ञान विकसित करने, उन्हें लक्ष्य की स्पष्ट समझ देने और उन्हें योग्य बनाने में शिक्षकों की भूमिका अमूल्य है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि मातृदेवोभव: पितृदेवोभव: आचार्यदेवोभव: का भाव माता-पिता के बाद शिक्षक की प्राथमिकता को बताता है। केसीआर ने कहा कि तेलंगाना सरकार छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ शिक्षकों और छात्रों के कल्याण और विकास के लिए प्रभावी गतिविधियों को लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में देश के लिए एक मिसाल कायम की है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके भावी पीढ़ी को सक्षम बनाने में सबसे आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही योजनाओं के लगातार अच्छे परिणाम आ रहे हैं। तेलंगाना सरकार की नीतियों से आज सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र पढ़ाई और खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम दुनिया भर में फैला रहे हैं।

कमलनाथ ने शवराज पर साधा निशाना, कहा

सरकारी खर्चे पर कर रहे अपनी पार्टी का प्रचार

भोपाल,4 सितम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आरोप-प्रत्यारोप की सियासत जोरों पर है। अब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज पर फिर निशाना साधा है। उन्होंने सीएम को घोषणा मशीन बताया है और कहा है कि वे सरकारी खर्च पर अपनी पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। जनता सब देख रही है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सोमवार को छिंदवाड़ा दौरे पर पहुंचे थे। उनके इस दौर में सांसद नकुलनाथ भी साथ में हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीएम शिवराज सिंह चौहान घोषणा की मशीन बन गए हैं और ये मशीन दुगनी स्पीड पर चल रही है। ये कितना फायदा उठा रहे हैं, सरकारी कर्मचारी, सरकारी खर्च राजनीतिक उपयोग के लिए। ये आज हालात हैं। शासकीय पैसे से ये अपनी राजनीति कर रहे हैं। वन नेशन के मुद्दे पर कमलनाथ ने कहा कि वे लागू करें, लेकिन उन्हें संविधान का पालन करना पड़ेगा।

- चयनित पटवारियों पर दर्ज मुकदमे कांग्रेस सरकार में होंगे वापस

मप्र में पटवारी भर्ती परीक्षा में पास अभ्यर्थियों के साथ पुलिस के कथित दुर्व्यवहार के आरोपों के एक दिन बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि सरकार का ये व्यवहार चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण है और कांग्रेस की सरकार बनने पर चयनित पटवारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएंगे। कमलनाथ ने एक्स किया, भोपाल में गत दिनों जिस तरह चयनित पटवारियों को पुलिस से पिटवाया और फिर उनमें से बहुतों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर दिया, वह सरासर चोरी और सीनाजोरी है। पटवारी भर्ती परीक्षा में जिस कॉलेज में सबसे ज्यादा धांधली हुई वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े विधायक का है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घोटाले में सत्ता से जुड़े अन्य लोग भी संदिग्ध हैं, लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई करने की जगह योग्यता के बल पर परीक्षा पास करने वालों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। अगर मौजूदा सरकार पटवारियों के खिलाफ मुकदमे वापस नहीं लेती तो कांग्रेस सरकार में ये मुकदमे वापस लिए जाएंगे। राजधानी में कल प्रदेश भर से चयनित पटवारी भर्ती दिए जाने की मांग को लेकर जुटे थे। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थितियों से निपटने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

घोषणा की मशीन बन गए हैं शिवराज चौहान : कमलनाथ

आरोप है कि इसी बीच पुलिस ने चयनित पटवारियों के साथ बल प्रयोग किया। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने मध्य प्रदेश विस चुनाव 2023 के लिए स्क्रीनिंग कमेटी में सोमवार को प्रदेश के तीन नेताओं को शामिल किया है। इस कमेटी में पूर्व मंत्री अरुण यादव, सुरेश पचौरी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल का नाम जोड़ा गया है। बता दें रविवार को प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से प्रदेश चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष भंवर जितेंद्र सिंह ने अलग-अलग चर्चा की थी। इसमें स्क्रीनिंग कमेटी में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं को जगह नहीं मिलने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई थी। इसके बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद सोमवार को प्रदेश के तीनों नेताओं के नाम स्क्रीनिंग कमेटी जोड़ कर विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

भोपाल पहुंचा निर्वाचन आयोग का दल

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए निर्वाचन आयोग का दल आज राजधानी भोपाल पहुंचा। दल में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अरुण कुमार पांडे और अरुण गोयल शामिल हैं। आयोग का दल तीन दिवसीय प्रवास के दौरान भोपाल में तैयारियों की समीक्षा करेगा। इस दौरान दल के सदस्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडलों से भी मुलाकात करेंगे।

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में सरकार

रांची, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार एक बार फिर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहती है। वह तीन ऐसे विधेयकों को दोबारा पारित कराना चाहती है, जिन्हें राज्यपाल ने लौटा दिया था। ये विधेयक एंटी मॉब लिंचिंग, डोमिसाइल पॉलिसी और आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने से संबंधित हैं। ये तीनों मुद्दे राज्य के सत्ताधारी गठबंधन के चुनावी घोषणा पत्र से जुड़े हैं। सनद रहे कि डोमिसाइल पॉलिसी और आरक्षण संबंधित विधेयक पिछले साल विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र आहूत कर पारित कराए गए थे, लेकिन इन्हें राजभवन ने अनुमोदित किए बगैर वापस लौटा दिया। राजभवन के इस कदम से सरकार को झटका लगा। हेमंत सोरेन ने कई बार कहा है कि उनकी सरकार इन मुद्दों पर अडिग है। झारखंड के लोगों के अधिकारों की हिफाजत के लिए 1932 के खतियान के आधार पर राज्य की स्थानीयता नीति जरूरी है। सरकार चाहती है कि राज्यपाल की ओर से लौटाए गए इन विधेयकों को या तो हूबहू या फिर विधि विशेषज्ञों की राय के अनुसार आंशिक तब्दीली के साथ दोबारा पारित कराया जाए।

- सरकार दोबारा पारित कराना चाहती है चुनावी घोषणापत्र से जुड़े तीन बिल

राज्यपाल से विधेयकों को नोटिंग के साथ लौटाने का आग्रह

सरकार का कहना है कि राज्यपाल ने डोमिसाईल पॉलिसी और आरक्षण संबंधित विधेयक लौटाते हुए कोई संदेश (नोटिंग) नहीं दिया है। यह नोटिंग जरूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर दोबारा विधेयक पारित कराए जा सकेंगे। इस मुद्दे को लेकर रविवार को राज्य सरकार की ओर से बनाई गई समन्वय समिति के सदस्यों ने राजभवन पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। इसमें राज्यपाल से आग्रह किया गया है कि वे विधेयकों को नोटिंग के साथ लौटाएं।

सेना प्रमुख ने कश्मीर घाटी में एलओसी का लिया जायजा

श्रीनगर, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे ने कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए सोमवार को अग्रिम इलाकों का दौरा किया। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि जनरल पांडे ने कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा पर स्थित इलाकों में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए दौरा किया। जनरल पांडे को ऑन-ग्राउंड कमांडरों ने ऑपरेशनल तैयारियों और कश्मीर में एलओसी पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। सीओएएस ने कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा पर प्रभावी नियंत्रण और परिचालन तैयारियों की सराहना की।

बंगाल विधानसभा में राज्यपाल के खिलाफ प्रस्ताव ला सकती है तृणमूल

कोलकाता, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में गवर्नर हाउस और राज्य सचिवालय के बीच खींचतान और बढ़ने की आशंका है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के कामकाज के खिलाफ विस्तारित मानसून सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को विधानसभा में एक विशेष प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। यह संभावित निर्णय सोमवार सुबह राजभवन द्वारा उन 16 राज्य विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति के राज्यपाल के फैसले की घोषणा के बाद आया है, जो पिछले कुछ समय से बिना कार्यात्मक प्रमुख के चल रहे थे। इससे पहले गवर्नर हाउस ने रविवार को एक और अधिसूचना जारी की थी जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार या राज्य शिक्षा विभाग का कोई भी निर्देश किसी भी राज्य विवि के किसी भी संकाय या गैर-संकाय कर्मचारियों के लिए बाध्यकारी नहीं है। राज्यपाल की कार्यप्रणाली की निंदा करते हुए एक विशेष प्रस्ताव लाने का संकेत देते हुए शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लिया जाएगा।

- बोस ने 16 राज्य विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपति किए नियुक्त

बोस के पूर्ववर्ती और वर्तमान भारतीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल के दौरान भी, सत्तारूढ़ दल ने उनके खिलाफ इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया था। इस बीच, भाजपा के एक विधायक ने कहा कि जब जुलाई में विधानसभा का मानसून सत्र फिर से शुरू हुआ था, तब सत्ता पक्ष ने इसी तरह का संकेत दिया था कि राज्यपाल के खिलाफ प्रस्ताव लाया जा सकता है।

चिंता *आतंकवाद ही नहीं आग की घटनाओं से जूझ रहा है कश्मीर*

19 माह में 38 की मौत, करोड़ों की संपत्ति का हुआ नुक्सान

- सुरेश एस डुग्गर

जम्मू,4 सितम्बर (देशबन्धु)। यह कश्मीरियों की बदनसीबी ही कही जा सकती है आतंकवाद व जंगली जानवरों के हमलों के अतिरिक्त आग की घटनाएं भी उन्हें परेशान किए हुए हैं जो कश्मीरी में तबाही मचा रही हैं। यह इससे भी साबित होता था कि पिछले 19 माह में, घाटी में आग की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई।

जिसके परिणामस्वरूप 38 लोगों की जान चली गई और 26 लोग घायल हो गए। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के आधिकारिक आंकड़ों से संपत्ति के विनाश की एक चिंताजनक प्रवृत्ति का पता चलता है, जिसमें जनवरी 2022 से जुलाई 2023 तक आश्चर्यजनक रूप से 149,253.81 करोड़ की हानि हुई। जबकि 12,080.88 करोड़ की संपत्ति क्षतिग्रस्त हो गई। विभाग के साहसी प्रयासों से इस पर काबू पाया जा सका। इस अवधि के दौरान 137,172.93 करोड़ की संपत्ति को बचा लिया गया। इस चुनौतीपूर्ण समय सीमा के दौरान, कश्मीर में अग्निशमन और आपातकालीन विभाग ने कश्मीर में आने वाली कुल 3,780 आग काल और 24 बचाव काल का जवाब दिया। दुर्भाग्य से, उन्हें 35 झूठे अलार्मों से भी जूझना पड़ा। कुछ हद तक उत्साहजनक घटनाक्रम में, जनवरी 2023 से जुलाई 2023 तक का आंकड़ा हताहतों की संख्या में गिरावट का संकेत देता है, जिसमें आग की घटनाओं के कारण केवल एक मौत और 12 घायल होने की सूचना मिली है। इसके विपरीत, जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक, कश्मीर संभाग में आग की घटनाओं में 37 लोगों की जान चली गई और 14 लोग घायल हो गए। संपत्ति और बुनियादी ढांचे पर असर चिंताजनक है। जनवरी 2022 से जुलाई 2023 तक कश्मीर संभाग में बड़ी संख्या में वाहन (96) और बिजली ट्रांसफार्मर (221) क्षतिग्रस्त हुए। आंकड़ों से पता चलता है कि, जनवरी 2023 से जुलाई 2023 तक कुल 819 संरचनाएं, 134 दुकानें, 17 शापिंग काम्प्लेक्स और 21 शापिंग लाइनें आग की घटनाओं से प्रभावित हुईं। पिछले वर्ष (जनवरी से दिसंबर 2022) में, ये संख्या चिंताजनक रूप से अधिक थी, जब कश्मीर घाटी में 1699 संरचनाएं, 317 दुकानें और 38 शापिंग काम्प्लेक्स आग का शिकार हो गए थे। घाटी भी पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रही है, जनवरी 2022 से जुलाई 2023 तक 73 जंगल की आग और 6 नर्सरी में आग की घटनाएं दर्ज की गईं। इस चिंताजनक प्रवृत्ति के जवाब में, अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के एक अधिकारी ने आग की घटनाओं को कम करने के लिए अपने सक्रिय प्रयासों पर प्रकाश डाला। वे जम्मू-कश्मीर के स्कूलों, कॉलेजों, विवि और गांवों में व्यावहारिक प्रदर्शन और जागरूकता शिविर आयोजित कर रहे हैं। इन पहलों का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय निवासियों को आग को प्रभावी ढंग से रोकने और प्रबंधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाना है। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा निदेशक आलोक कुमार के मार्गदर्शन में 2 लाख से अधिक लोगों ने आग की रोकथाम और नियंत्रण पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

- संपत्ति व बुनियादी ढांचे पर असर चिंताजनक

बिलासपुर, मंगलवार 5 सितम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा घिरी

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे ने जिस तरह तूल पकड़ लिया है, उससे एक बार फिर भाजपा सरकार की अक्षमता साबित हुई है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में यानी 1 सितंबर को जालना के अंबाद तहसील के अंतरवाली सारथी गांव में मराठा आरक्षण की मांग पर हिंसा भड़क गई थी। आरोप है कि आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए और कथित तौर पर उन पर पथराव किया। पुलिस ने बाद में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसमें लगभग 20 प्रदर्शनकारी और 37 पुलिसकर्मी घायल हो गए। 15 से अधिक राज्य परिवहन बसों को आग लगा दी गई। पुलिस ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में 360 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। भाजपा सरकार ने शायद इस बात की उम्मीद की थी कि बल प्रयोग के बाद मामला शांत हो जाएगा, लेकिन हुआ इसका उल्टा। अब मामला इतना बढ़ गया है कि गठबंधन सरकार के घटक दलों यानी भाजपा, शिवसेना, और एनसीपी अलग-अलग राह पर चल रहे हैं। और इनके अलावा मनसे के राज ठाकरे जैसे कुछ और किरदार इस मामले में अहम भूमिका में आने की कोशिश में दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए तो यह चुनौती है ही, साथ ही यह भाजपा नेतृत्व के लिए भी गंभीर संकट है, क्योंकि भाजपा शासित राज्यों में एक के बाद एक हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। मणिपुर के हालात अब तक संभले नहीं हैं। हरियाणा में नूंह की हिंसा के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और सांप्रदायिक वैमनस्य की जो लकीर खींच दी गई है, वो न जाने कब मिटेगी। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, असम जैसे राज्यों से वंचित समुदायों पर अत्याचार की खबरें जब-तब आती रहती हैं। कहा जा सकता है कि जिस डबल इंजन सरकार का दंभ प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से भरते आए हैं, उसमें खोखलेपन के सिवा कुछ नहीं है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित सरकार की जवाबदेही जनता के प्रति हो, तो काम अच्छे से चलता है। लेकिन जब डबल इंजन कहकर उस पर पार्टी विशेष का ठप्पा लगाया जाता है, तो फिर हालात इसी तरह बेकाबू होते हैं, जैसे मणिपुर में हो चुके हैं और अब महाराष्ट्र में हो रहे हैं।

मराठा आरक्षण की मांग महाराष्ट्र मंडल आयोग के बाद से ही उठनी शुरु हुई है। महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा समुदाय का दबदबा रहा है, लेकिन मराठा शिक्षा और सरकारी नौकरी में भी अपने लिए आरक्षण की मांग करते रहे हैं। 2012 में मराठा आरक्षण की मांग ने तूल पकड़ा, तब राज्य में कांग्रेस-एनसीपी की सरकार थी और अगले चुनाव में उसे जीतना मुश्किल लग रहा था। पृथ्वीराज चव्हाण सरकार ने कांग्रेस नेता और मंत्री नारायण राणे की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई। कमेटी के सुझाव के आधार पर मराठा समाज को सरकारी नौकरियों में और शिक्षा संस्थाओं में 16 प्रतिशत आरक्षण मंजूर कर अध्यादेश भी जारी कर दिया। इसी कमेटी की सिफारिश पर मुसलमानों को भी 5 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस एनसीपी अपनी सरकार नहीं बचा पाई। 2014 में राज्य में भाजपा-शिवसेना की सरकार बनी और देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री बने। 2018 में फिर मराठा आरक्षण के लिए बड़ा आंदोलन हुआ था. इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में विधेयक पारित किया और राज्य की सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में मराठाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। इस के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरक्षण रद्द नहीं किया था। हालांकि, इसे घटाकर शिक्षण संस्थानों में 12 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों में 13 प्रतिशत कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा था कि अपवाद के तौर पर 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा पार की जा सकती है। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अब एक बार फिर मराठा समुदाय आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा। लेकिन इस बार घटनाओं ने अप्रिय मोड़ ले लिया है।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज गठबंधन वाली भाजपा सरकार पर भारी पड़ता दिख रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि सरकार को हड़बड़ी में एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर अपनी सफाई पेश करनी पड़ी। भाजपा खुद को आरक्षण की राजनीति के पीड़ित के तौर पर पेश करती दिख रही है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जालना में जो घटना हुई वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी। कोई भी इस तरह की हिंसात्मक कार्रवाई का समर्थन नहीं कर सकता। हमने पहले कभी बल प्रयोग नहीं किया था। न ही अब करने का इरादा है। श्री फड़णवीस हिंसात्मक कार्रवाई को गलत बता रहे हैं, लेकिन पहले उन्होंने ही कहा था कि गांववालों ने लाठी चार्ज किया तो पुलिस को बलप्रयोग करना पड़ा। राज्य के उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना का राजनीतिकरण किया गया। एक नैरेटिव सेट किया गया कि लाठीचार्ज का आदेश गृह मंत्री विभाग और मंत्रालय से दिया गया था। विरोधियों को भी पता है कि ऐसे आदेश एसपी और डिप्टी एसपी के स्तर से आते हैं। दरअसल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से सवाल उठाए गए थे कि किसके आदेश पर लाठीचार्ज हुआ। अब श्री फड़णवीस इसका जिम्मा एसपी और डीएसपी पर डाल रहे हैं। उनसे पूछा जा सकता है कि क्या राज्य की पुलिस सरकार के नियंत्रण से परे है, जो स्वतंत्र रूप से इतना बड़ा फैसला ले ले।

जिस तरह मणिपुर में भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ती रही है और कभी आंदोलनकारियों पर, कभी पुलिस पर हालात बिगाड़ने का इल्जाम लगता रहा है, वही टालमटोल का रवैया महाराष्ट्र में दिख रहा है। एक मुख्यमंत्री और दो-दो उपमुख्यमंत्रियों के रहते अगर लाठीचार्ज जैसे फैसलों की भनक सरकार को न लगे, तो क्या इसे सरकार की अक्षमता नहीं माना जाना चाहिए। बहरहाल इस मामले में कुछ अधिकारियों पर सरकार ने कार्रवाई की है और मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने प्रदर्शनकारियों से कहा है कि हम मराठा आरक्षण और अदालत को समझाने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि और दस्तावेजीकरण प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम आश्वासन देते हैं कि मराठा आरक्षण प्रदान करने के लिए जो भी करना होगा हम करेंगे। मैं मराठा समुदाय से हमारे साथ धैर्य रखने की अपील करता हूं।

मुख्यमंत्री की धैर्य की अपील कितनी कारगर होगी, ये देखना होगा। फिलहाल अगले चुनाव के पहले मराठा आरक्षण का मुद्दा फिर खड़ा होना भाजपा के लिए बड़ी चेतावनी बन चुका है।

संसद का विशेष सत्र या संसदीय व्यवस्था से सनकी खिलवाड़

अमेरिका पर आतंकवादी हमले के बदले के नाम पर, 2002 के आखिरी और 2003 के शुरू के महीनों में अमेरिका ने जब इराक के खिलाफ हमला किया था, उस समय उसकी 'शॉक एंड ऑ' यानी हैरतज़दा और खौफज़दा करने बल्कि हैरत से खौफज़दा कर देने की सामरिक रणनीति की बहुत चर्चा थी। इस रणनीति के पीछे मूल विचार यह था कि हमला इतना अप्रत्याशित रूप से भीषण हो कि उसका निशाना बनने वाला किसी तरह का मुकाबला कर ही नहीं पाए। अमेरिका की उक्त सैन्य रणनीति को इराक में या उसके बाद के भी उसके प्रयोगों में क्या और किस हद तक सफलता मिली, इस पर तो बहस हो सकती है। लेकिन, कम से कम इतना निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी को, हैरतज़दा और खौफज़दा करने की इस रणनीति का सहारा लेना काफी पसंद है। इसकी ताजातरीन मिसाल, 18 से 22 सितंबर तक, संसद का पांच दिन का विशेष सत्र बुलाने का मोदी सरकार का पूरी तरह से हैरान करने वाला फैसला है। इस फैसले की घोषणा भी संसदीय कार्यमंत्री द्वारा पहले ट्विटर रहे और अब एक्स बच चुके सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से की गई। हां! इसे संयोग मानना मुश्किल है कि यह घोषणा ठीक उसी दिन की गई, जिस दिन मुंबई में विपक्षी मोर्चे, इंडिया की दो दिनी बैठक शुरू होनी थी! हालांकि, यह मानना भी आसान नहीं है कि संसद के पांच दिन के विशेष अधिवेशन का फैसला, सिर्फ विपक्षी बैठक की खबरों की ओर से ध्यान हटाने के लिए किया जा सकता है।

बहरहाल, संसद के विशेष सत्र के इस फैसले में हैरान करने वाले तत्व का पूरा ख्याल रखा गया है। वास्तव में सहज ही इस फैसले ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इससे पहले लिए गए ऐसे ही एकदम अप्रत्याशित दो और फैसलों की याद दिला दी है-2016 का पांच सौ और हजार रुपए के नोटों की नोटबंदी का फैसला और 2020 के मार्च-अप्रैल का चालीस दिन के पूर्ण देशव्यापी लॉकडाउन का फैसला। इन दोनों फैसलों से देश भर में आम लोगों को जिस तरह की असह्य तकलीफें झेलनी पड़ी थीं, उन्हें लोग आसानी से भूल नहीं सकते हैं। बेशक, इन तकलीफों को साक्ष्य बनाकर, सत्ताधारी पार्टी द्वारा अपने सुप्रीमो की 'बड़े फैसले लेने वाले' नेता की छवि बनाने की कोशिशों को भी देश ने कुछ हैरत से और ज्यादा अविश्वास से देखा। लेकिन, अंधाधुंध इस तरह के फरमान जारी करना, नेता की निर्णायकता का कम और उसकी मनमानी का ही साक्ष्य ज्यादा था, जो जनतंत्र और पारदर्शिता के घोर अभाव की बीमारी का, सहज पहचाने वाला लक्षण है। आगे चलकर, तीनों विवादित कृषि कानूनों के रूप में इसी बीमारी का एक और लक्षण सामने आया, लेकिन किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन ने उस मामले में सत्ता में बैठे सुप्रीमो के फरमान को न सिर्फ नामंजूर कर दिया बल्कि उसे अपना फरमान वापस लेने पर भी मजबूर कर दिया। लेकिन, इसके बाद भी मोदी राज ने लोगों को हैरतज़दा और खौफज़दा करने वाले फैसलों का सहारा लेने की अपनी रणनीति को छोड़ा नहीं है, संसद का रहस्यमय तरीके से बुलाया जा रहा विशेष सत्र इसी का सबूत है।

इस पूरे मामले में इस हद तक रहस्य बनाए रखा गया है कि लगता नहीं है कि विशेष सत्र की घोषणा करते हुए, खुद संसदीय कार्यमंत्री तक को इसका पता था कि इस सत्र में होगा क्या? कहने की जरूरत नहीं है कि इससे पहले कभी संसद का विशेष सत्र इस तरह रहस्यमय अंदाज में नहीं बुलाया गया। इसके उलट, संसद के सभी सत्र सामान्यत:

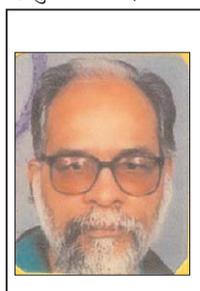

राजेंद्र शर्मा

संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र में क्या सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मामले में कोई कदम उठाएगी या इस विशेष सत्र में क्या होगा, यह अब भी अटकलों के ही दायरे में है। लेकिन, इस सत्र में चाहे इस मामले में कुछ हो न हो, पर इतना तय है कि 'एक देश, एक चुनाव' के अपने नारे को अमल में उतारने की ओर, मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों से चर्चा के रास्ते पर चलते हुए, आयोजित किए जाते हैं। आखिरकार, संसद की सार्थकता ही जनता के प्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के सामने, शासन के काम-काज की जवाबदेही सुनिश्चित करने में है। और इस जवाबदेही के लिए, संसद का सारा काम-काज ज्यादा से ज्यादा पारदर्शी तरीके से होना सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। यह पारदर्शिता सिर्फ संसद की कार्रवाई संसदीय टीवी पर दिखाने में नहीं है बल्कि जनता के प्रतिनिधियों के साथ अधिकतम-संभव जानकारियां साझाकर, उनके बीच ज्यादा से ज्यादा जानकारीपूर्ण चर्चा से, शासन के अनुशासित होने में है। यहां विशेष सत्र की तारीखों की घोषणा के कई दिनों बाद तक और जाहिर है कि बार-बार विपक्ष द्वारा ही नहीं बल्कि मीडिया द्वारा भी पूछे जाने के बावजूद, इसका कोई इशारा तक नहीं है कि विशेष सत्र में होगा क्या? संसदीय व्यवस्था के साथ सनकी खिलवाड़ का इमर्जेंसी के बाद इससे भद्दा दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा।

लेकिन, अमेरिकी सामराजियों से उधार ली गई रणनीति, सिर्फ हैरतज़दा करने की नहीं है। वह तो हैरतज़दा करने के जरिए, खौफज़दा करने की रणनीति है। संयोग ही नहीं है कि संसद के विशेष सत्र की तारीखों की घोषणा के साथ ही, इसकी खबरें तेज हो गईं कि मोदी सरकार, 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर कुछ करने जा रही है। यह जैसे इसकी अटकलों का बाजार गर्म करने के लिए इशारा था कि शायद विशेष सत्र, इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुलाया जा रहा है! मोदी सरकार ने जिस तरह सिर्फ अपने संख्याबल के सहारे, वास्तव में बहुमत की तानाशाही के बल पर, धारा-370 के खत्म किए जाने तथा जम्मू-कश्मीर के तोड़े जाने, संशोधित नागरिकता कानून से लेकर, तीन कृषि कानूनों समेत, अनेक विधेयकों को बिना बहस के ही या समुचित बहस के बिना ही संसद पर थोपा है, उसे देखते हुए प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर इस तरह की आशंकाएं पैदा होना अस्वाभाविक नहीं था। और सत्ताधारी दल तथा सरकार ने अपनी ओर से इन आशंकाओं को हवा देने का ही काम किया है।

भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था की परंपराओं से एक और गंभीर विचलन में, अचानक यह खबर आई कि सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर, सेवानिवृत्त राष्ट्रपति, कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने जा रही है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली ही बार है जब किसी पूर्व-राष्ट्रपति को, सरकार की ओर से इस तरह किसी काम की आधिकारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई हो। आखिरकार, राष्ट्रपति के रूप में पूरे शासन के ही प्रमुख रहे व्यक्ति से, उस शासन के किसी एक अंग के सामने रिपोर्ट करने या उसे रिपोर्ट देने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? लेकिन, बात इतने तक ही सीमित नहीं रही। पूर्व-राष्ट्रपति का नाम आने के बाद, कमेटी की विचार शर्तों और उसके दूसरे सदस्यों के नाम आने में भी करीब बहत्तर घंटे लग गए। लेकिन, इन बहत्तर घंटों में इसकी अटकलें अगर कुछ कम भी हुई थीं कि मोदी सरकार प्रस्तावित विशेष सत्र में 'एक चुनाव' की ओर कोई कदम बढ़ा सकती है, तो कमेटी के अन्य सदस्यों के नामों की घोषणा ने, दोबारा प्रस्तावित सत्र को लेकर आशंकाओं को तेज कर दिया। इस कमेटी में, खासतौर पर संविधान, कानून तथा संसदीय मामलों के विशेषज्ञों के तौर पर ऐसे लोगों के शामिल किए जाने से, जो पहले ही 'एक देश, एक चुनाव' के पक्ष में सार्वजनिक रूप से दलीलें रख चुके हैं, एक प्रकार से पहले ही यह सुनिश्चित किया जा चुका है कि कमेटी क्या रिपोर्ट देगी।

हैरानी की बात नहीं है कि कमेटी में रखे गए एकलौते विपक्षी नेता, लोकसभा में कांग्रेस के दल के नेता, अधीर रंजन चौधुरी ने खुद को यह कहते हुए इस कमेटी से अलग कर लिया कि कमेटी के गठन में ही, उसका निष्कर्ष पहले ही तय किया जा चुका है। उन्होंने राज्यसभा में विपक्ष के नेता को इस कमेटी में शामिल नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया। जाहिर है कि इस कमेटी के गठन में इसका कोई प्रयास ही नहीं था कि इसमें संसद में प्रतिनिधित्व-प्राप्त प्रमुख राजनीतिक दृष्टियों का प्रतिनिधित्व हो। वास्तव में संसदीय समिति में और विधि आयोग में इस मुद्दे पर लंबी चर्चा के बाद भी मोदी सरकार, उसी तरह से पूरी तरह से मनमाफिक सिफारिश हासिल नहीं कर पाई थी, जिस तरह समान नागरिक संहिता के मामले में नहीं कर पाई थी। इसीलिए, अब पूर्व-राष्ट्रपति की अध्यक्षता में एक ऐसी कमेटी गठित की गई है, जो इस मामले में मोदी सरकार के कदम आगे बढ़ाने का रास्ता बनाएगी।

बेशक, संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र में क्या सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मामले में कोई कदम उठाएगी या इस विशेष सत्र में क्या होगा, यह अब भी अटकलों के ही दायरे में है। लेकिन, इस सत्र में चाहे इस मामले में कुछ हो न हो, पर इतना तय है कि 'एक देश, एक चुनाव' के अपने नारे को अमल में उतारने की ओर, मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है। यह दूसरी बात है कि यह अपने सार में ही न सिर्फ सरासर अलोकतांत्रिक तथा संघीय व्यवस्थाविरोधी-संविधानविरोधी है, यह पूरी तरह से अव्यावहारिक भी है, जिसके लिए पांच संविधान संशोधनों की और देश के आधे से ज्यादा राज्यों के अनुमोदन की जरूरत होगी।

यह फिलहाल इसे लागू करना लगभग नामुमकिन बना देता है। इसके बावजूद, मोदी सरकार अगर इसके लिए इतनी उतावली हो रही है, तो यह मोदी राज की चौतरफा विफलताओं के बीच, विपक्ष की बढ़ती एकता और उसके एकजुट प्रहारों से, मौजूदा निजाम और उसके संचालक, संघ-परिवार की घबराहट को ही दिखाता है। बदहवासी में वे अपने जाने-पहचाने पुराने मुद्दों पर हाथ मार रहे हैं, शायद कोई मुद्दा काम कर जाए। डूबते को तिनका भी सहारा लगता है। यह दूसरी बात है कि डूबने से तिनकों के सहारे अब तक कोई बचा नहीं है।

(लेखक सामाहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

विपक्ष पर हावी होने की रणनीति अपना रहे प्रधानमंत्री मोदी

■ के रवीन्द्रन

इस महीने के अंत में बिना बारी के संसद का सत्र बुलाने और 'एक राष्ट्र,एक चुनाव' की नीति लागू करने की संभावना का अध्ययन करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के नरेंद्र मोदी सरकार के नाटकीय कदम विवादास्पद प्रस्ताव पर आगे बढ़ने का कोई वास्तविक इरादा रखने के मुकबले विपक्ष को मानसिक रूप से 'झटका देने और हतप्रभ करने' की नीति का हिस्सा हो सकते हैं।

इन दोहरे फैसलों को व्यापक रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों को आगे बढ़ाने के अग्रदूत के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि इस तरह के कठोर कदमों की व्यावहारिकता पर गंभीर सवाल उठते हैं। यह स्पष्ट है कि नाटक का समय विपक्षी दलों के भारतीय गुट के मुंबई सत्र के साथ-साथ चुना गया है, जिससे साफ होता है कि ये विपक्षी एकता के प्रयासों को विफल करने के लिए हैं, जो उस तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं जो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए सबसे असुविधाजनक है।

जहां तक सदमा और आघात की रणनीति का सवाल है मोदी के लिए बहुत अच्छा है, परन्तु देश की सभी परिस्थितियां और बाधाएं 'एक-राष्ट्र, एक-चुनाव' नीति को शीघ्र अपनाने के विरुद्ध हैं। उपलब्ध सीमित समय सीमा के साथ-साथ विचार-विमर्श और विधायी प्रक्रियाओं की सीमा इतने बड़े बदलाव के लिए आवश्यक जरूरतों को महज एक विशेष सत्र में हासिल कर लेने को लगभग असंभव बना देती है, सिवा इसके कि कुछ शोर-शराबा किया जा सकता है।

ध्यान रहे कि 'झटका देने और हतप्रभ करने' की वह सैन्य अभिव्यक्ति ही थी, जिसे पूर्व अमेरिकी रक्षा सचिव रोनाल्ड रम्सफेल्ड ने लोकप्रिय बनाया था, जिन्होंने अफगानिस्तान पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर संदर्भ के अंदर और बाहर इसका प्रचुर मात्रा में उपयोग किया था, जिससे घटनाक्रम की एक ऐसी श्रृंखला शुरू हुई जिसने विश्व के समसामयिक इतिहास को बदल दिया, जिसने इस विश्व को रहने के लिहाज से और अधिक खतरनाक जगह बना दिया, राष्ट्रों को नष्ट किया गया और विश्व के विभिन्न हिस्सों में आतंकवाद के पनपने के लिए परिस्थितियां बनीं। अमेरिका और पूरी दुनिया को इस गलत कदम की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

यह कोई भी अनुमान लगा सकता है कि मोदी सरकार की 'भय और आघात' नीति के समान परिणाम ही होंगे। उनका इरादा स्पष्ट है – भ्रम और अराजकता पैदा करें और विपक्षी एकता की प्रक्रिया को बाधित करें। वास्तव में, मुंबई सत्र से उभरते राजनीतिक परिदृश्य को संबोधित करने के लिए कार्यवाही को फिर से तैयार करना पड़ा। इसने सीट-बंटवारे को अन्य कम महत्वपूर्ण मुद्दों से पहले अंतिम रूप दे दिया है, जैसे कि मोर्चे के लिए एक राष्ट्रीय संयोजक का चयन और साथ ही एक साझे प्रधानमंत्री पद के चेहरे के साथ चुनाव लड़ने की आवश्यकता।

जहां तक सदमा और आघात की रणनीति का सवाल है मोदी के लिए बहुत अच्छा है, परन्तु देश की सभी परिस्थितियां और बाधाएं 'एक-राष्ट्र, एक-चुनाव' नीति को शीघ्र अपनाने के विरुद्ध हैं। उपलब्ध सीमित समय सीमा के साथ-साथ विचार-विमर्श और विधायी प्रक्रियाओं की सीमा इतने बड़े बदलाव के लिए आवश्यक जरूरतों को महज एक विशेष सत्र में हासिल कर लेने को लगभग असंभव बना देती है, सिवा इसके कि कुछ शोर-शराबा किया जा सकता है। बेशक, सत्तारूढ़ दल वर्तमान लोकसभा के कार्यकाल के अंत तक इंतजार न करने का निर्णय ले सकता है, लेकिन उचित संख्या में राज्यों में भी एक साथ चुनाव का मतलब होगा कि कुछ राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को बढ़ाना या कम करना। दोनों स्थितियों में राज्यों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत द्वारा अनुसमर्थित संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी।

यह व्यावहारिक प्रतीत नहीं होता है, लेकिन राज्यों के एक समूह में चुनावों को संसदीय चुनावों के साथ मेल कराने की एक अलग संभावना है। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना तो अभी बहुत दूर की बात है। इस साल पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए चुनाव होने हैं, जबकि सात राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के साथ अगले साल समाप्त हो जायेगा। अगले साल जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम शामिल हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और अरुणाचल में भाजपा सत्ता में है, जबकि ओडिशा और आंध्र में उन पार्टियों का शासन है जो भाजपा के करीब हैं और कार्यकाल जल्दी खत्म करने के सुझाव पर सहमत हो सकती हैं।

दरअसल, विधि आयोग ने एक ही वर्ष में चुनाव होने वाले सभी राज्यों को एक साथ जोड़ने का सुझाव दिया था। हालांकि यह सच है कि 1967 तक देश में एक साथ चुनाव होते थे, लेकिन इस समय देश में जो राजनीतिक माहौल बन रहा है, वह ऐसी किसी संभावना के लिए खुद को तैयार नहीं करेगा। 1967 तक एक साथ चुनावों की अवधि के दौरान, कांग्रेस पार्टी ज्यादातर राज्यों में सत्ता में थी और केंद्र और राज्यों दोनों में एक ही पार्टी के सत्ता में होने से स्थिरता का आनंद लेती थी। स्थिति में भारी बदलाव इस तथ्य के कारण हुआ है कि देश के विभिन्न हिस्सों में शक्तिशाली क्षेत्रीय दल उभरे हैं, जो अक्सर केंद्र में सत्तारूढ़ दल के साथ आमने-सामने नहीं मिलते हैं, जिससे एक साथ कार्यकाल चलाना मुश्किल हो जाता है।

केंद्र-राज्य संघर्ष अक्सर अवांछित अस्थिरता पैदा करता है, जिससे ऐसे मुद्दों पर कोई आम सहमति हासिल करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, देश में राजनीति की प्रकृति केन्द्रीय से अधिक क्षेत्रीय हो गई है। इस प्रक्रिया में राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल में कोई एकरूपता नहीं आ रही है। नये सुझावों के बारे में शायद एक अच्छी बात यह है कि पारंपरिक अविश्वास प्रस्ताव की अवधारणा को एक अन्य प्रस्ताव के साथ जोड़ा जाये जो नई सरकार में विश्वास व्यक्त करता है ताकि सदन के समय से पहले भंग होने की संभावना से बचा जा सके। जबकि विधि निर्माता आमतौर पर कार्यकाल को कम करने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि इससे उनके भविष्य के वित्तीय अधिकार प्रभावित होंगे, नयी सरकार के कार्यभार संभालने की संभावना के कारण मौजूदा व्यक्ति के पद छोड़ने से, विशेषकर राज्यों में, अधिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षक दिवस

जिम्मेदार नागरिक बनाने का शिल्पकार होता है शिक्षक

किसी भी राष्ट्र की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि उसके नागरिक सामाजिक, बौद्धिक व चारित्रिक स्तर पर कितने समृद्ध हैं। ज्ञान, विज्ञान, सामाजिक ज्ञान आदि के जरिए ही मानव ज्ञानी, विवेकी, सक्षम और चरित्रवान बनता है। मानव को अच्छा इंसान बनाने में औपचारिक व अनौपचारिक रूप से शिक्षा की बड़ी भूमिका होती है। बिना शिक्षा के मानव पशु के समान है।

आदिकाल से ज्ञान के बल पर ही विश्व ने अनेकश: अनुसंधान और नए-नए आविष्कार किए हैं। मानव केवल रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित नहीं रहा अपितु वह तमाम भौतिक और आध्यात्मिक चीजों की खोज करके मानव जीवन व समस्त धरती को सुख-सुविधाओं से संपन्न किया है। वैज्ञानिक से लेकर दार्शनिक तक ने गुरु की दीक्षा व मार्गदर्शन से ही वांछित लक्ष्य को प्राप्त किया है। हमारे देश में प्राचीन समय से गुरु के महत्व को स्वीकार किया गया है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि गुरु वह नहीं जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे, बल्कि वास्तविक गुरु तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए दुनियाभर में बाल मनोविज्ञान और शिक्षा पद्धति पर नित्य नए-नए अनुसंधान हो रहे हैं। आज की शिक्षा बाल केंद्रित है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भाषा कौशल, तकनीकी कौशल, जीवन कौशल, सामाजिक मूल्य, शैक्षिक भ्रमण, प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास, आईटी शिक्षा आदि शैक्षणिक विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस परिवर्तन से बच्चों का आईक्यू लेवल काफी बढ़ा है। बच्चों में इमेजिंग क्षमता और अभिव्यक्ति कौशलों का भी तेजी से ग्रोथ हुआ है। पहले पढ़ाई के प्रति रूचि का अभाव रहता था। आज वही बच्चे शिक्षा लेने के लिए स्कूल से लेकर ट्यूशन तक काफी सक्रिय रहते हैं लेकिन यह विडंबना ही है कि आज की शिक्षा व्यवस्था पूंजीपतियों के हाथ की कठपुतली बनती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के संपन्न परिवार के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पठन-पाठन कर रहे हैं। इससे इतर गरीब, मजदूर व मध्यम किसान वर्ग के नौनिहालों की शिक्षा पूर्णत: सरकारी विद्यालयों पर निर्भर है। आजादी के सात दशक उपरांत हमने जितनी तरक्की कर ली हो, लेकिन आज भी यह हकीकत है कि भारत में दो तरह की शिक्षा व्यवस्था लागू है। एक ही गांव से कुछ संपन्न बच्चे प्राइवेट स्कूल जाते हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के बच्चे सरकारी स्कूल जाते हैं।

एक समय में नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय आदि की पूरी दुनिया में धाक रही है। ऐसे में संकल्प लेने की जरूरत है कि शिक्षा की लौ जलाने में स्थानीय लोग भी शैक्षिक विकास की दिशा में सहभागिता व सक्रियता निभाएं। शिक्षक व शिक्षालय के जरिए ही राष्ट्र के नागरिक जागरूक, सशक्त, स्वावलंबी एवं जिम्मेदार बन सकते हैं। वास्तव में, एक शिक्षक ही देश के ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करने का असली शिल्पकार है।

अमृतांज इंदीवर

आपके पत्र

आरक्षण की मांग सड़कों पर उतरी, तोड़फोड़ और आगजनी से जनजीवन आहत

आरक्षण की मांग इस देश में नई नहीं है। हर समुदाय अपने परिवार के भावी जीवन को संवारने आरक्षण के लिए सड़कों पर उतरता देखा जा रहा है। मराठा आरक्षण आंदोलन सुलग उठा। मनोज जरांगे के नेतृत्व में आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठी भांजी। मराठा आरक्षण को 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की मांग को खारिज कर दिया था। 2018 में मराठा आरक्षण बिल पास किया गया था। शैक्षिणक संस्थाओं में 16 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया। इस बिल के खिलाफ मेडिकल छात्र मुम्बई हाईकोर्ट में चले गए। कोर्ट ने 2019 में इसे घटाकर तर्क दिया गया कि 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा पार होती है तो इसमें सुप्रीम कोर्ट की इंदिरा साहनी केस और मंडल कमीशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होता है। महाराष्ट्र में पहले से 52 फीसदी आरक्षण चला आ रहा है। जो देश में सबसे ज्यादा है। अनुसूचित जाति 15 फीसदी, अनुसूचित जनजाति 7.5 फीसदी, अन्य पिछड़ा वर्ग 27 फीसदी और अन्य 2.5 फीसदी लागू है। लेकिन मराठा समुदाय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने और आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। मराठा महाराष्ट्र में 30 प्रतिशत आबादी के धनी है। किसान जमींदार के इस वर्ग की सरकार से आरक्षण की मांग है। 2018 से मराठा आरक्षण को लेकर बहुत बड़ा आंदोलन हुआ था। प्रदेश में ज्यादातर मुख्यमंत्री मराठा रहे हैं और प्रदेश की राजनीति में मराठाओं का बहुत बड़ा प्रभाव है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मराठा आरक्षण के पक्ष में हैं। लेकिन ये नेता मजबूर हैं क्योंकि यह केस सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। राज्यसेवाओं में 2 फीसदी पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान किया गया है तो 19 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। मिजोरम, नगालैंड में ओबीसी कैटेगरी नहीं है। केरल में 40 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण राज्य सेवाओं में मिल रहा है। मेघालय में किसी भी समुदाय आरक्षण का प्रावधान नहीं है। बिहार में आरक्षण कोटा कुल 33 प्रतिशत है। महाराष्ट्र की लड़ाई राज्य सरकार से है लेकिन यह पेंच सुप्रीम कोर्ट में अटका हुआ है जिसके कारण सरकार भी मजबूर है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

बिलासपुर, मंगलवार 5 सितम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा घिरी

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे ने जिस तरह तूल पकड़ लिया है, उससे एक बार फिर भाजपा सरकार की अक्षमता साबित हुई है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में यानी 1 सितंबर को जालना के अंबाद तहसील के अंतरवाली सारथी गांव में मराठा आरक्षण की मांग पर हिंसा भड़क गई थी। आरोप है कि आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए और कथित तौर पर उन पर पथराव किया। पुलिस ने बाद में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसमें लगभग 20 प्रदर्शनकारी और 37 पुलिसकर्मी घायल हो गए। 15 से अधिक राज्य परिवहन बसों को आग लगा दी गई। पुलिस ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में 360 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। भाजपा सरकार ने शायद इस बात की उम्मीद की थी कि बल प्रयोग के बाद मामला शांत हो जाएगा, लेकिन हुआ इसका उल्टा। अब मामला इतना बढ़ गया है कि गठबंधन सरकार के घटक दलों यानी भाजपा, शिवसेना, और एनसीपी अलग-अलग राह पर चल रहे हैं। और इनके अलावा मनसे के राज ठाकरे जैसे कुछ और किरदार इस मामले में अहम भूमिका में आने की कोशिश में दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए तो यह चुनौती है ही, साथ ही यह भाजपा नेतृत्व के लिए भी गंभीर संकट है, क्योंकि भाजपा शासित राज्यों में एक के बाद एक हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। मणिपुर के हालात अब तक संभले नहीं हैं। हरियाणा में नूंह की हिंसा के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और सांप्रदायिक वैमनस्य की जो लकीर खींच दी गई है, वो न जाने कब मिटेगी। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, असम जैसे राज्यों से वंचित समुदायों पर अत्याचार की खबरें जब-तब आती रहती हैं। कहा जा सकता है कि जिस डबल इंजन सरकार का दंभ प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से भरते आए हैं, उसमें खोखलेपन के सिवा कुछ नहीं है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित सरकार की जवाबदेही जनता के प्रति हो, तो काम अच्छे से चलता है। लेकिन जब डबल इंजन कहकर उस पर पार्टी विशेष का ठप्पा लगाया जाता है, तो फिर हालात इसी तरह बेकाबू होते हैं, जैसे मणिपुर में हो चुके हैं और अब महाराष्ट्र में हो रहे हैं।

मराठा आरक्षण की मांग महाराष्ट्र मंडल आयोग के बाद से ही उठनी शुरु हुई है। महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा समुदाय का दबदबा रहा है, लेकिन मराठा शिक्षा और सरकारी नौकरी में भी अपने लिए आरक्षण की मांग करते रहे हैं। 2012 में मराठा आरक्षण की मांग ने तूल पकड़ा, तब राज्य में कांग्रेस-एनसीपी की सरकार थी और अगले चुनाव में उसे जीतना मुश्किल लग रहा था। पृथ्वीराज चव्हाण सरकार ने कांग्रेस नेता और मंत्री नारायण राणे की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई। कमेटी के सुझाव के आधार पर मराठा समाज को सरकारी नौकरियों में और शिक्षा संस्थाओं में 16 प्रतिशत आरक्षण मंजूर कर अध्यादेश भी जारी कर दिया। इसी कमेटी की सिफारिश पर मुसलमानों को भी 5 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस एनसीपी अपनी सरकार नहीं बचा पाई। 2014 में राज्य में भाजपा-शिवसेना की सरकार बनी और देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री बने। 2018 में फिर मराठा आरक्षण के लिए बड़ा आंदोलन हुआ था. इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में विधेयक पारित किया और राज्य की सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में मराठाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। इस के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरक्षण रद्द नहीं किया था। हालांकि, इसे घटाकर शिक्षण संस्थानों में 12 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों में 13 प्रतिशत कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा था कि अपवाद के तौर पर 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा पार की जा सकती है। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अब एक बार फिर मराठा समुदाय आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा। लेकिन इस बार घटनाओं ने अप्रिय मोड़ ले लिया है।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज गठबंधन वाली भाजपा सरकार पर भारी पड़ता दिख रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि सरकार को हड़बड़ी में एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर अपनी सफाई पेश करनी पड़ी। भाजपा खुद को आरक्षण की राजनीति के पीड़ित के तौर पर पेश करती दिख रही है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जालना में जो घटना हुई वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी। कोई भी इस तरह की हिंसात्मक कार्रवाई का समर्थन नहीं कर सकता। हमने पहले कभी बल प्रयोग नहीं किया था। न ही अब करने का इरादा है। श्री फड़णवीस हिंसात्मक कार्रवाई को गलत बता रहे हैं, लेकिन पहले उन्होंने ही कहा था कि गांववालों ने लाठी चार्ज किया तो पुलिस को बलप्रयोग करना पड़ा। राज्य के उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना का राजनीतिकरण किया गया। एक नैरेटिव सेट किया गया कि लाठीचार्ज का आदेश गृह मंत्री विभाग और मंत्रालय से दिया गया था। विरोधियों को भी पता है कि ऐसे आदेश एसपी और डिप्टी एसपी के स्तर से आते हैं। दरअसल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से सवाल उठाए गए थे कि किसके आदेश पर लाठीचार्ज हुआ। अब श्री फड़णवीस इसका जिम्मा एसपी और डीएसपी पर डाल रहे हैं। उनसे पूछा जा सकता है कि क्या राज्य की पुलिस सरकार के नियंत्रण से परे है, जो स्वतंत्र रूप से इतना बड़ा फैसला ले ले।

जिस तरह मणिपुर में भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ती रही है और कभी आंदोलनकारियों पर, कभी पुलिस पर हालात बिगाड़ने का इल्जाम लगता रहा है, वही टालमटोल का रवैया महाराष्ट्र में दिख रहा है। एक मुख्यमंत्री और दो-दो उपमुख्यमंत्रियों के रहते अगर लाठीचार्ज जैसे फैसलों की भनक सरकार को न लगे, तो क्या इसे सरकार की अक्षमता नहीं माना जाना चाहिए। बहरहाल इस मामले में कुछ अधिकारियों पर सरकार ने कार्रवाई की है और मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने प्रदर्शनकारियों से कहा है कि हम मराठा आरक्षण और अदालत को समझाने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि और दस्तावेजीकरण प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम आश्वासन देते हैं कि मराठा आरक्षण प्रदान करने के लिए जो भी करना होगा हम करेंगे। मैं मराठा समुदाय से हमारे साथ धैर्य रखने की अपील करता हूं।

मुख्यमंत्री की धैर्य की अपील कितनी कारगर होगी, ये देखना होगा। फिलहाल अगले चुनाव के पहले मराठा आरक्षण का मुद्दा फिर खड़ा होना भाजपा के लिए बड़ी चेतावनी बन चुका है।

संसद का विशेष सत्र या संसदीय व्यवस्था से सनकी खिलवाड़

अमेरिका पर आतंकवादी हमले के बदले के नाम पर, 2002 के आखिरी और 2003 के शुरू के महीनों में अमेरिका ने जब इराक के खिलाफ हमला किया था, उस समय उसकी 'शॉक एंड ऑ' यानी हैरतज़दा और खौफज़दा करने बल्कि हैरत से खौफज़दा कर देने की सामरिक रणनीति की बहुत चर्चा थी। इस रणनीति के पीछे मूल विचार यह था कि हमला इतना अप्रत्याशित रूप से भीषण हो कि उसका निशाना बनने वाला किसी तरह का मुकाबला कर ही नहीं पाए। अमेरिका की उक्त सैन्य रणनीति को इराक में या उसके बाद के भी उसके प्रयोगों में क्या और किस हद तक सफलता मिली, इस पर तो बहस हो सकती है। लेकिन, कम से कम इतना निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी को, हैरतज़दा और खौफज़दा करने की इस रणनीति का सहारा लेना काफी पसंद है। इसकी ताजातरीन मिसाल, 18 से 22 सितंबर तक, संसद का पांच दिन का विशेष सत्र बुलाने का मोदी सरकार का पूरी तरह से हैरान करने वाला फैसला है। इस फैसले की घोषणा भी संसदीय कार्यमंत्री द्वारा पहले ट्विटर रहे और अब एक्स बच चुके सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से की गई। हां! इसे संयोग मानना मुश्किल है कि यह घोषणा ठीक उसी दिन की गई, जिस दिन मुंबई में विपक्षी मोर्चे, इंडिया की दो दिनी बैठक शुरू होनी थी! हालांकि, यह मानना भी आसान नहीं है कि संसद के पांच दिन के विशेष अधिवेशन का फैसला, सिर्फ विपक्षी बैठक की खबरों की ओर से ध्यान हटाने के लिए किया जा सकता है।

बहरहाल, संसद के विशेष सत्र के इस फैसले में हैरान करने वाले तत्व का पूरा ख्याल रखा गया है। वास्तव में सहज ही इस फैसले ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इससे पहले लिए गए ऐसे ही एकदम अप्रत्याशित दो और फैसलों की याद दिला दी है-2016 का पांच सौ और हजार रुपए के नोटों की नोटबंदी का फैसला और 2020 के मार्च-अप्रैल का चालीस दिन के पूर्ण देशव्यापी लॉकडाउन का फैसला। इन दोनों फैसलों से देश भर में आम लोगों को जिस तरह की असह्य तकलीफें झेलनी पड़ी थीं, उन्हें लोग आसानी से भूल नहीं सकते हैं। बेशक, इन तकलीफों को साक्ष्य बनाकर, सत्ताधारी पार्टी द्वारा अपने सुप्रीमो की 'बड़े फैसले लेने वाले' नेता की छवि बनाने की कोशिशों को भी देश ने कुछ हैरत से और ज्यादा अविश्वास से देखा। लेकिन, अंधाधुंध इस तरह के फरमान जारी करना, नेता की निर्णायकता का कम और उसकी मनमानी का ही साक्ष्य ज्यादा था, जो जनतंत्र और पारदर्शिता के घोर अभाव की बीमारी का, सहज पहचाने वाला लक्षण है। आगे चलकर, तीनों विवादित कृषि कानूनों के रूप में इसी बीमारी का एक और लक्षण सामने आया, लेकिन किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन ने उस मामले में सत्ता में बैठे सुप्रीमो के फरमान को न सिर्फ नामंजूर कर दिया बल्कि उसे अपना फरमान वापस लेने पर भी मजबूर कर दिया। लेकिन, इसके बाद भी मोदी राज ने लोगों को हैरतज़दा और खौफज़दा करने वाले फैसलों का सहारा लेने की अपनी रणनीति को छोड़ा नहीं है, संसद का रहस्यमय तरीके से बुलाया जा रहा विशेष सत्र इसी का सबूत है।

इस पूरे मामले में इस हद तक रहस्य बनाए रखा गया है कि लगता नहीं है कि विशेष सत्र की घोषणा करते हुए, खुद संसदीय कार्यमंत्री तक को इसका पता था कि इस सत्र में होगा क्या? कहने की जरूरत नहीं है कि इससे पहले कभी संसद का विशेष सत्र इस तरह रहस्यमय अंदाज में नहीं बुलाया गया। इसके उलट,

राजेंद्र शर्मा

संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र में क्या सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मामले में कोई कदम उठाएगी या इस विशेष सत्र में क्या होगा, यह अब भी अटकलों के ही दायरे में है। लेकिन, इस सत्र में चाहे इस मामले में कुछ हो न हो, पर इतना तय है कि 'एक देश, एक चुनाव' के अपने नारे को अमल में उतारने की ओर, मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है।

संसद के सभी सत्र सामान्यत: सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों से चर्चा के रास्ते पर चलते हुए, आयोजित किए जाते हैं। आखिरकार, संसद की सार्थकता ही जनता के प्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के सामने, शासन के काम-काज की जवाबदेही सुनिश्चित करने में है। और इस जवाबदेही के लिए, संसद का सारा काम-काज ज्यादा से ज्यादा पारदर्शी तरीके से होना सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। यह पारदर्शिता सिर्फ संसद की कार्रवाई संसदीय टीवी पर दिखाने में नहीं है बल्कि जनता के प्रतिनिधियों के साथ अधिकतम-संभव जानकारियां साझाकर, उनके बीच ज्यादा से ज्यादा जानकारीपूर्ण चर्चा से, शासन के अनुशासित होने में है। यहां विशेष सत्र की तारीखों की घोषणा के कई दिनों बाद तक और जाहिर है कि बार-बार विपक्ष द्वारा ही नहीं बल्कि मीडिया द्वारा भी पूछे जाने के बावजूद, इसका कोई इशारा तक नहीं है कि विशेष सत्र में होगा क्या? संसदीय व्यवस्था के साथ सनकी खिलवाड़ का इमर्जेंसी के बाद इससे भद्दा दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा।

लेकिन, अमेरिकी सामराजियों से उधार ली गई रणनीति, सिर्फ हैरतज़दा करने की नहीं है। वह तो हैरतज़दा करने के जरिए, खौफज़दा करने की रणनीति है। संयोग ही नहीं है कि संसद के विशेष सत्र की तारीखों की घोषणा के साथ ही, इसकी खबरें तेज हो गईं कि मोदी सरकार, 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर कुछ करने जा रही है। यह जैसे इसकी अटकलों का बाजार गर्म करने के लिए इशारा था कि शायद विशेष सत्र, इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुलाया जा रहा है! मोदी सरकार ने जिस तरह सिर्फ अपने संख्याबल के सहारे, वास्तव में बहुमत की तानाशाही के बल पर, धारा-370 के खत्म किए जाने तथा जम्मू-कश्मीर के तोड़े जाने, संशोधित नागरिकता कानून से लेकर, तीन कृषि कानूनों समेत, अनेक विधेयकों को बिना बहस के ही या समुचित बहस के बिना ही संसद पर थोपा है, उसे देखते हुए प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर इस तरह की आशंकाएं पैदा होना अस्वाभाविक नहीं था। और सत्ताधारी दल तथा सरकार ने अपनी ओर से इन आशंकाओं को हवा देने का ही काम किया है।

भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था की परंपराओं से एक और गंभीर विचलन में, अचानक यह खबर आई कि सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर, सेवानिवृत्त राष्ट्रपति, कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने जा रही है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली ही बार है जब किसी पूर्व-राष्ट्रपति को, सरकार की ओर से इस तरह किसी काम की आधिकारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई हो। आखिरकार, राष्ट्रपति के रूप में पूरे शासन के ही प्रमुख रहे व्यक्ति से, उस शासन के किसी एक अंग के सामने रिपोर्ट करने या उसे रिपोर्ट देने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? लेकिन, बात इतने तक ही सीमित नहीं रही। पूर्व-राष्ट्रपति का नाम आने के बाद, कमेटी की विचार शर्तों और उसके दूसरे सदस्यों के नाम आने में भी करीब बहत्तर घंटे लग गए। लेकिन, इन बहत्तर घंटों में इसकी अटकलें अगर कुछ कम भी हुई थीं कि मोदी सरकार प्रस्तावित विशेष सत्र में 'एक चुनाव' की ओर कोई कदम बढ़ा सकती है, तो कमेटी के अन्य सदस्यों के नामों की घोषणा ने, दोबारा प्रस्तावित सत्र को लेकर आशंकाओं को तेज कर दिया। इस कमेटी में, खासतौर पर संविधान, कानून तथा संसदीय मामलों के विशेषज्ञों के तौर पर ऐसे लोगों के शामिल किए जाने से, जो पहले ही 'एक देश, एक चुनाव' के पक्ष में सार्वजनिक रूप से दलीलें रख चुके हैं, एक प्रकार से पहले ही यह सुनिश्चित किया जा चुका है कि कमेटी क्या रिपोर्ट देगी।

हैरानी की बात नहीं है कि कमेटी में रखे गए एकलौते विपक्षी नेता, लोकसभा में कांग्रेस के दल के नेता, अधीर रंजन चौधुरी ने खुद को यह कहते हुए इस कमेटी से अलग कर लिया कि कमेटी के गठन में ही, उसका निष्कर्ष पहले ही तय किया जा चुका है। उन्होंने राज्यसभा में विपक्ष के नेता को इस कमेटी में शामिल नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया। जाहिर है कि इस कमेटी के गठन में इसका कोई प्रयास ही नहीं था कि इसमें संसद में प्रतिनिधित्व-प्राप्त प्रमुख राजनीतिक दृष्टियों का प्रतिनिधित्व हो। वास्तव में संसदीय समिति में और विधि आयोग में इस मुद्दे पर लंबी चर्चा के बाद भी मोदी सरकार, उसी तरह से पूरी तरह से मनमाफिक सिफारिश हासिल नहीं कर पाई थी, जिस तरह समान नागरिक संहिता के मामले में नहीं कर पाई थी। इसीलिए, अब पूर्व-राष्ट्रपति की अध्यक्षता में एक ऐसी कमेटी गठित की गई है, जो इस मामले में मोदी सरकार के कदम आगे बढ़ाने का रास्ता बनाएगी।

बेशक, संसद के प्रस्तावित विशेष सत्र में क्या सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के मामले में कोई कदम उठाएगी या इस विशेष सत्र में क्या होगा, यह अब भी अटकलों के ही दायरे में है। लेकिन, इस सत्र में चाहे इस मामले में कुछ हो न हो, पर इतना तय है कि 'एक देश, एक चुनाव' के अपने नारे को अमल में उतारने की ओर, मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है। यह दूसरी बात है कि यह अपने सार में ही न सिर्फ सरासर अलोकतांत्रिक तथा संघीय व्यवस्थाविरोधी-संविधानविरोधी है, यह पूरी तरह से अव्यावहारिक भी है, जिसके लिए पांच संविधान संशोधनों की और देश के आधे से ज्यादा राज्यों के अनुमोदन की जरूरत होगी।

यह फिलहाल इसे लागू करना लगभग नामुमकिन बना देता है। इसके बावजूद, मोदी सरकार अगर इसके लिए इतनी उतावली हो रही है, तो यह मोदी राज की चौतरफा विफलताओं के बीच, विपक्ष की बढ़ती एकता और उसके एकजुट प्रहारों से, मौजूदा निजाम और उसके संचालक, संघ-परिवार की घबराहट को ही दिखाता है। बदहवासी में वे अपने जाने-पहचाने पुराने मुद्दों पर हाथ मार रहे हैं, शायद कोई मुद्दा काम कर जाए। डूबते को तिनका भी सहारा लगता है। यह दूसरी बात है कि डूबने से तिनकों के सहारे अब तक कोई बचा नहीं है।

(लेखक सामाहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

विपक्ष पर हावी होने की रणनीति अपना रहे प्रधानमंत्री मोदी

■ के रवीन्द्रन

इस महीने के अंत में बिना बारी के संसद का सत्र बुलाने और 'एक राष्ट्र,एक चुनाव' की नीति लागू करने की संभावना का अध्ययन करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के नरेंद्र मोदी सरकार के नाटकीय कदम विवादास्पद प्रस्ताव पर आगे बढ़ने का कोई वास्तविक इरादा रखने के मुकबले विपक्ष को मानसिक रूप से 'झटका देने और हतप्रभ करने' की नीति का हिस्सा हो सकते हैं।

इन दोहरे फैसलों को व्यापक रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों को आगे बढ़ाने के अग्रदूत के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि इस तरह के कठोर कदमों की व्यावहारिकता पर गंभीर सवाल उठते हैं। यह स्पष्ट है कि नाटक का समय विपक्षी दलों के भारतीय गुट के मुंबई सत्र के साथ-साथ चुना गया है, जिससे साफ होता है कि ये विपक्षी एकता के प्रयासों को विफल करने के लिए हैं, जो उस तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं जो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए सबसे असुविधाजनक है।

जहां तक सदमा और आघात की रणनीति का सवाल है मोदी के लिए बहुत अच्छा है, परन्तु देश की सभी परिस्थितियां और बाधाएं 'एक-राष्ट्र, एक-चुनाव' नीति को शीघ्र अपनाने के विरुद्ध हैं। उपलब्ध सीमित समय सीमा के साथ-साथ विचार-विमर्श और विधायी प्रक्रियाओं की सीमा इतने बड़े बदलाव के लिए आवश्यक जरूरतों को महज एक विशेष सत्र में हासिल कर लेने को लगभग असंभव बना देती है, सिवा इसके कि कुछ शोर-शराबा किया जा सकता है।

ध्यान रहे कि 'झटका देने और हतप्रभ करने' की वह सैन्य अभिव्यक्ति ही थी, जिसे पूर्व अमेरिकी रक्षा सचिव रोनाल्ड रम्सफेल्ड ने लोकप्रिय बनाया था, जिन्होंने अफगानिस्तान पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर संदर्भ के अंदर और बाहर इसका प्रचुर मात्रा में उपयोग किया था, जिससे घटनाक्रम की एक ऐसी श्रृंखला शुरू हुई जिसने विश्व के समसामयिक इतिहास को बदल दिया, जिसने इस विश्व को रहने के लिहाज से और अधिक खतरनाक जगह बना दिया, राष्ट्रों को नष्ट किया गया और विश्व के विभिन्न हिस्सों में आतंकवाद के पनपने के लिए परिस्थितियां बनीं। अमेरिका और पूरी दुनिया को इस गलत कदम की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

यह कोई भी अनुमान लगा सकता है कि मोदी सरकार की 'भय और आघात' नीति के समान परिणाम ही होंगे। उनका इरादा स्पष्ट है - भ्रम और अराजकता पैदा करें और विपक्षी एकता की प्रक्रिया को बाधित करें। वास्तव में, मुंबई सत्र से उभरते राजनीतिक परिदृश्य को संबोधित करने के लिए कार्यवाही को फिर से तैयार करना पड़ा। इसने सीट-बंटवारे को अन्य कम महत्वपूर्ण मुद्दों से पहले अंतिम रूप दे दिया है, जैसे कि मोर्चे के लिए एक राष्ट्रीय संयोजक का चयन और साथ ही एक साझे प्रधानमंत्री पद के चेहरे के साथ चुनाव लड़ने की आवश्यकता।

जहां तक सदमा और आघात की रणनीति का सवाल है मोदी के लिए बहुत अच्छा है, परन्तु देश की सभी परिस्थितियां और बाधाएं 'एक-राष्ट्र, एक-चुनाव' नीति को शीघ्र अपनाने के विरुद्ध हैं। उपलब्ध सीमित समय सीमा के साथ-साथ विचार-विमर्श और विधायी प्रक्रियाओं की सीमा इतने बड़े बदलाव के लिए आवश्यक जरूरतों को महज एक विशेष सत्र में हासिल कर लेने को लगभग असंभव बना देती है, सिवा इसके कि कुछ शोर-शराबा किया जा सकता है। बेशक, सत्तारूढ़ दल वर्तमान लोकसभा के कार्यकाल के अंत तक इंतजार न करने का निर्णय ले सकता है, लेकिन उचित संख्या में राज्यों में भी एक साथ चुनाव का मतलब होगा कि कुछ राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को बढ़ाना या कम करना। दोनों स्थितियों में राज्यों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत द्वारा अनुसमर्थित संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी।

यह व्यावहारिक प्रतीत नहीं होता है, लेकिन राज्यों के एक समूह में चुनावों को संसदीय चुनावों के साथ मेल कराने की एक अलग संभावना है। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना तो अभी बहुत दूर की बात है। इस साल पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए चुनाव होने हैं, जबकि सात राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के साथ अगले साल समाप्त हो जायेगा। अगले साल जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम शामिल हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और अरुणाचल में भाजपा सत्ता में है, जबकि ओडिशा और आंध्र में उन पार्टियों का शासन है जो भाजपा के करीब हैं और कार्यकाल जल्दी खत्म करने के सुझाव पर सहमत हो सकती हैं।

दरअसल, विधि आयोग ने एक ही वर्ष में चुनाव होने वाले सभी राज्यों को एक साथ जोड़ने का सुझाव दिया था। हालांकि यह सच है कि 1967 तक देश में एक साथ चुनाव होते थे, लेकिन इस समय देश में जो राजनीतिक माहौल बन रहा है, वह ऐसी किसी संभावना के लिए खुद को तैयार नहीं करेगा। 1967 तक एक साथ चुनावों की अवधि के दौरान, कांग्रेस पार्टी ज्यादातर राज्यों में सत्ता में थी और केंद्र और राज्यों दोनों में एक ही पार्टी के सत्ता में होने से स्थिरता का आनंद लेती थी। स्थिति में भारी बदलाव इस तथ्य के कारण हुआ है कि देश के विभिन्न हिस्सों में शक्तिशाली क्षेत्रीय दल उभरे हैं, जो अक्सर केंद्र में सत्तारूढ़ दल के साथ आमने-सामने नहीं मिलते हैं, जिससे एक साथ कार्यकाल चलाना मुश्किल हो जाता है।

केंद्र-राज्य संघर्ष अक्सर अवांछित अस्थिरता पैदा करता है, जिससे ऐसे मुद्दों पर कोई आम सहमति हासिल करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, देश में राजनीति की प्रकृति केन्द्रीय से अधिक क्षेत्रीय हो गई है। इस प्रक्रिया में राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल में कोई एकरूपता नहीं आ रही है। नये सुझावों के बारे में शायद एक अच्छी बात यह है कि पारंपरिक अविश्वास प्रस्ताव की अवधारणा को एक अन्य प्रस्ताव के साथ जोड़ा जाये जो नई सरकार में विश्वास व्यक्त करता है ताकि सदन के समय से पहले भंग होने की संभावना से बचा जा सके। जबकि विधि निर्माता आमतौर पर कार्यकाल को कम करने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि इससे उनके भविष्य के वित्तीय अधिकार प्रभावित होंगे, नयी सरकार के कार्यभार संभालने की संभावना के कारण मौजूदा व्यक्ति के पद छोड़ने से, विशेषकर राज्यों में, अधिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षक दिवस

जिम्मेदार नागरिक बनाने का शिल्पकार होता है शिक्षक

किसी भी राष्ट्र की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि उसके नागरिक सामाजिक, बौद्धिक व चारित्रिक स्तर पर कितने समृद्ध हैं। ज्ञान, विज्ञान, सामाजिक ज्ञान आदि के जरिए ही मानव ज्ञानी, विवेकी, सक्षम और चरित्रवान बनता है। मानव को अच्छा इंसान बनाने में औपचारिक व अनौपचारिक रूप से शिक्षा की बड़ी भूमिका होती है। बिना शिक्षा के मानव पशु के समान है।

आदिकाल से ज्ञान के बल पर ही विश्व ने अनेकश: अनुसंधान और नए-नए आविष्कार किए हैं। मानव केवल रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित नहीं रहा अपितु वह तमाम भौतिक और आध्यात्मिक चीजों की खोज करके मानव जीवन व समस्त धरती को सुख-सुविधाओं से संपन्न किया है। वैज्ञानिक से लेकर दार्शनिक तक ने गुरु की दीक्षा व मार्गदर्शन से ही वांछित लक्ष्य को प्राप्त किया है। हमारे देश में प्राचीन समय से गुरु के महत्व को स्वीकार किया गया है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि गुरु वह नहीं जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे, बल्कि वास्तविक गुरु तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए दुनियाभर में बाल मनोविज्ञान और शिक्षा पद्धति पर नित्य नए-नए अनुसंधान हो रहे हैं। आज की शिक्षा बाल केंद्रित है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भाषा कौशल, तकनीकी कौशल, जीवन कौशल, सामाजिक मूल्य, शैक्षिक भ्रमण, प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास, आईटी शिक्षा आदि शैक्षणिक विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस परिवर्तन से बच्चों का आईक्यू लेवल काफी बढ़ा है। बच्चों में इमेजिंग क्षमता और अभिव्यक्ति कौशलों का भी तेजी से ग्रोथ हुआ है। पहले पढ़ाई के प्रति रूचि का अभाव रहता था। आज वही बच्चे शिक्षा लेने के लिए स्कूल से लेकर ट्यूशन तक काफी सक्रिय रहते हैं लेकिन यह विडंबना ही है कि आज की शिक्षा व्यवस्था पूंजीपतियों के हाथ की कठपुतली बनती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के संपन्न परिवार के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पठन-पाठन कर रहे हैं। इससे इतर गरीब, मजदूर व मध्यम किसान वर्ग के नौनिहालों की शिक्षा पूर्णत: सरकारी विद्यालयों पर निर्भर है। आजादी के सात दशक उपरांत हमने जितनी तरक्की कर ली हो, लेकिन आज भी यह हकीकत है कि भारत में दो तरह की शिक्षा व्यवस्था लागू है। एक ही गांव से कुछ संपन्न बच्चे प्राइवेट स्कूल जाते हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के बच्चे सरकारी स्कूल जाते हैं।

एक समय में नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय आदि की पूरी दुनिया में धाक रही है। ऐसे में संकल्प लेने की जरूरत है कि शिक्षा की लौ जलाने में स्थानीय लोग भी शैक्षिक विकास की दिशा में सहभागिता व सक्रियता निभाएं। शिक्षक व शिक्षालय के जरिए ही राष्ट्र के नागरिक जागरूक, सशक्त, स्वावलंबी एवं जिम्मेदार बन सकते हैं। वास्तव में, एक शिक्षक ही देश के ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करने का असली शिल्पकार है।

अमृतांज इंदीवर

आपके पत्र

आरक्षण की मांग सड़कों पर उतरी, तोड़फोड़ और आगजनी से जनजीवन आहत

आरक्षण की मांग इस देश में नई नहीं है। हर समुदाय अपने परिवार के भावी जीवन को संवारने आरक्षण के लिए सड़कों पर उतरता देखा जा रहा है। मराठा आरक्षण आंदोलन सुलग उठा। मनोज जरांगे के नेतृत्व में आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठी भांजी। मराठा आरक्षण को 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की मांग को खारिज कर दिया था। 2018 में मराठा आरक्षण बिल पास किया गया था। शैक्षिणक संस्थाओं में 16 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया। इस बिल के खिलाफ मेडिकल छात्र मुम्बई हाईकोर्ट में चले गए। कोर्ट ने 2019 में इसे घटाकर तर्क दिया गया कि 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा पार होती है तो इसमें सुप्रीम कोर्ट की इंदिरा साहनी केस और मंडल कमीशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होता है। महाराष्ट्र में पहले से 52 फीसदी आरक्षण चला आ रहा है। जो देश में सबसे ज्यादा है। अनुसूचित जाति 15 फीसदी, अनुसूचित जनजाति 7.5 फीसदी, अन्य पिछड़ा वर्ग 27 फीसदी और अन्य 2.5 फीसदी लागू है। लेकिन मराठा समुदाय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने और आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। मराठा महाराष्ट्र में 30 प्रतिशत आबादी के धनी है। किसान जमींदार के इस वर्ग की सरकार से आरक्षण की मांग है। 2018 से मराठा आरक्षण को लेकर बहुत बड़ा आंदोलन हुआ था। प्रदेश में ज्यादातर मुख्यमंत्री मराठा रहे हैं और प्रदेश की राजनीति में मराठाओं का बहुत बड़ा प्रभाव है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मराठा आरक्षण के पक्ष में हैं। लेकिन ये नेता मजबूर हैं क्योंकि यह केस सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। राज्यसेवाओं में 2 फीसदी पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान किया गया है तो 19 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। मिजोरम, नगालैंड में ओबीसी कैटेगरी नहीं है। केरल में 40 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण राज्य सेवाओं में मिल रहा है। मेघालय में किसी भी समुदाय आरक्षण का प्रावधान नहीं है। बिहार में आरक्षण कोटा कुल 33 प्रतिशत है। महाराष्ट्र की लड़ाई राज्य सरकार से है लेकिन यह पेंच सुप्रीम कोर्ट में अटका हुआ है जिसके कारण सरकार भी मजबूर है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

रेलवे के खोदे गड्ढे में धंसा मालवाहक का पहिया, 5 घंटे लगता रहा जाम

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। शहर के मुख्य मार्ग उषा काम्पलेक्स के सामने आज सुबह एक मालवाहन का पहिया गड्ढे में धंस गया। करीब 5 घंटे इस पहिए को गड्ढे से बाहर निकालने में लग गए और इस दौरान आस-पास जाम की स्थिति बार-बार निर्मित होती रही। बताया गया कि मालवाहन आइसर क्रमांक सीजी-07सीएल-5241 में भुट्टा लेकर चालक कोरबा आया था। उषा काम्पलेक्स रेलवे क्रासिंग से पहले वाहन को वापस मोड़ने के दौरान बैक करते वक्त चालक साइड का पिछला पहिया सुबह करीब 7 बजे गड्ढे में धंस गया और वाहन फंसा रहा। इसे बाहर निकालने के लिए लगातार कोशिश की जाती रही लेकिन कामयाबी 5 घंटे बाद मिली। इस दौरान इस व्यस्त मार्ग में आवागमन करने वाले छोटे-बड़े वाहन बार-बार जाम में फंसते रहे। फाटक बंद होने के बाद जब-जब खुला, तब-तब जाम और लगता रहा क्योंकि मालवाहन के द्वारा आधे से ज्यादा सड़क पर अवरोध उत्पन्न कर दिया गया था।

बता दें कि रेलवे द्वारा क्रासिंग के दोनों तरफ हाईट गेज लगाने के लिए पिछले दिनों गड्ढा खोदा गया। महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी व नगरजनों के द्वारा व्यस्त और संकरे मार्ग में हाईटगेज लगाकर सड़क को और संकरा करने का विरोध किया गया। विरोध के बाद रेलवे ने यहां हाईटगेज लगाना कैंसल कर दिया और गिराए गए खंभों को उठवा लिया। खोदी गई सड़क पर मिट्टी डाल दी गई। उषा काम्पलेक्स के प्रवेश मार्ग में जहां पहिया धंसा, उस जगह मिट्टी की फिलिंग कमजोर होने के कारण वह धंस गया और समस्या उत्पन्न हुई।

क्रासिंग की मार झेल रही जनता को खाने पड़ रहे हिचकोले

शहर के मध्य से गुजरी रेलवे क्रासिंग और संजय नगर नहर मार्ग से गुजरे क्रासिंग की हालत खस्ता है। यहां पूर्व में कराए गए रेलवे लाइन के मरम्मत कार्य के बाद बिछाए गए पत्थरों के काफी उबड़-खाबड़ होने के कारण अक्सर दुपहिया और चार पहिया वाहनों के फंसने की घटनाएं हो रही हैं। वाहनों को यहां से निकालना काफी मुश्किल भरा होता है और हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। संजय नगर क्रासिंग पर हाईटगेज लगा दिया गया लेकिन खोदे गए गड्ढों को समतल नहीं भरने के कारण आवागमन में परेशानी होती है।

यही हालात उषा काम्पलेक्स रेलवे क्रासिंग के दोनों ओर बने हुए हैं। सड़क खोदने के बाद इसे समतल नहीं किया गया है।

बिखरी हुई मिट्टी और गिट्टियां परेशानी का कारण बनी है। शारदा विहार, टीपी नगर और सीएसईबी रेलवे क्रासिंग पर भी गाड़ियां हिचकोले खाते हुए फंसने-फंसाने के डर के बीच गुजरती है।

सार-संक्षेप

नेता प्रतिपक्ष ने जारी किया आरोप पत्र, लगाए आरोप

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष भाजपा नेता नारायण चंदेल सोमवार को कोरबा प्रवास पर रहे। उन्होंने पंचवटी विश्रामगृह में भाजपा का राज्य सरकार के विरूद्ध आरोप पत्र विमोचित किया। इस अवसर पर श्री चंदेल ने मुख्यमंत्री व सरकार को कई विषयों पर आड़े हाथों लिया।

श्री चंदेल ने कहा कि विगत 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ में कोई भी विकास के कार्य नहीं हुए हैं। बड़े-बड़े वादे किए गए लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। सरकार की नाकामियों को जनता के बीच लेकर भाजपा के कार्यकर्ता जा रहे हैं। इस अवसर पर कोरबा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन, रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर, जिला भाजपाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य द्वय जोगेश लाम्बा व अशोक चावलानी, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, केदारनाथ अग्रवाल, मनोज पराशर, जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा आदि उपस्थित थे।

निलंबित प्रधानपाठक प्रधान चाबी लेकर लापता

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद प्राथमिक स्कूल, एनसीडीसी के निलंबित प्रधानपाठक प्रधान कक्ष और कर्मचारी रूम की चाबी लेकर एक माह से लापता बताये जा रहे हैं। दरअसल एक माह पहले लापरवाह रवैए के आरोप में विभाग द्वारा प्रधान पाठक पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। बताया जा रहा है कि निलंबित होने के बाद प्रधानपाठक अपने साथ प्रधान कक्ष और कर्मचारी रूम में ताला जड़कर चाबी अपने साथ ले गए। स्कूल के तमाम जरूरी दस्तावेज इसी कमरे हैं। ऐसे में शिक्षकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास बैठने की व्यवस्था भी नहीं है। स्वामी आत्मानंद प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी से भी शिकायत की गई लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं की गई।

चोटिया ओपन कास्ट में भूविस्थापित कामगारों का हो रहा शोषण : कुलदीप

कोरबा-कोरबी-चोटिया, 04 सितंबर (देशबन्धु)। भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) वेदांता ग्रुप की चोटिया खुली कोयला खदान से प्रभावित भू-विस्थापित कामगारों का शोषण हो रहा है। कोयला खदानों में निर्धारित वेतन, भत्ते, मेडिकल सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं और मांग करने पर जबरदस्ती वीआरएस दिया जा रहा है।

ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने भू-विस्थापित कामगारों को न्याय दिलाने की मांग कलेक्टर से की है। उन्होंने बताया कि पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम चोटिया के किसानों की भूमि कोयला उत्खनन हेतु अधिग्रहित की गई है। पूर्व में यह प्रकाश इंडस्ट्रीज चाम्पा को आबंटित थी और उक्त कंपनी द्वारा कोयला उत्खनन की गई और 2015 से भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड वेदांता ग्रुप कोयला खनन का कार्य कर रही है। चोटिया स्थित इस खुली कोयला खदान में कार्यरत ऐसे भू-विस्थापित जिन्हें उनके जमीन अर्जन के एवज में रोजगार दी गयी थी उन्हें भयभीत कर जबरन वीआरएस लेने के लिए मजबूर किया गया था जिसके कारण अधिकांश लोगों ने वीआरएस लिया किन्तु वर्तमान समय में जो कामगार कार्य पर हैं उनको भी प्रताड़ित किया जा रहा है। जैसे कोल इंडिया द्वारा जारी नियम के अनुसार वेतन, भत्ता मेडिकल सहित अन्य सुविधा नहीं दी जा रही है। यहां के भू-विस्थापित कामगारों को खदान में काम पर रखने के बजाय उनके गांव से लगभग 60 किमी दूर बीसीपीपी कालोनी जमनीपाली में साफ सफाई के कामों में लगाया गया है। खदान में कार्य करने वाले दूसरे ठेका कामगारों को जहाँ 31 हजार वेतन दिया जाता है वहीं उक्त भूविस्थापित कामगारों को 18 -20 हजार रुपये वेतन के रूप में दिया जाता है। अपने वेतन भत्ते और अन्य सुविधाओं की विधि सम्मत तरीके से मांग करने पर मजदूरों को प्रताड़ित किया जाता है। यहां तक कि कई मजदूरों को निलंबित रखा गया है।

दो दोस्तों में विवाद पर जानलेवा हमला

कोरबा-बालकोनगर, 04 सितंबर (देशबन्धु)। दो दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर उठा विवाद जानलेवा हमले के अंजाम तक पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का प्रयास का जुर्म दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत डबरीपारा में टिकेश्वर यादव और संतोष साहू निवासरत है व आपस में अच्छे दोस्त थे। दोनों आपस में बैठकर नशा का सेवन कर रहे थे कि इसी बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी बीच आरोपी संतोष साहू ने आवेश में आकर धारदार हथियार से टिकेश्वर यादव पर वार कर दिया जिससे उसकी कलाई की नस कट गई। टिकेश्वर यादव ने बालको थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी निरीक्षक मंजूषा पांडेय द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल करा दिया गया है।

खेल से होता है शारीरिक एवं बौद्धिक विकास : केरकेट्टा

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का हुआ शुभारंभ

विधायक एवं महापौर ने गिल्ली डंडा खेलकर किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल गतिविधियों में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। ब्लॉक स्तरीय खेल पूर्ण होने के बाद तीन दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम में आज से प्रारंभ हो गया।

महापौर राजकिशोर प्रसाद ने जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का शुभारंभ किया। यह खेल 04 सितंबर से 07 सिंतबर 2023 तक चलेगा। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में जिले के सभी विकासखण्डों से बच्चों से लेकर 18 वर्ष, 18 से 40 एवं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला पुरुष प्रतिभागी बड़ी उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाली-तानाखार के विधायक मोहित राम केरकेट्टा ने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक से पारंपरिक खेलों और संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा इसके साथ ही बुद्धि व मानसिक विकास भी होता है। अब तक 5 विकासखण्डों में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता की है। विधायक ने खिलाड़ियों से आव्हान किया कि वे खेल को खेल भावना से खेलें। विधायक श्री केरकेट्टा एवं महापौर श्री प्रसाद ने गिल्ली डंडा खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। में 18 वर्ष आयुवर्ग के बालक बालिका, 18 से 40 और 40 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के महिला पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। गौरतलब है कि जिला स्तरीय खेल के आज पहले दिन गिल्ली-डंडा, बांटी, 100 मीटर लंबी दौड़ व लम्बी कूद (पुरूष), गेड़ी दौड़ (पुरूष), रस्सी कूद (महिला), कुश्ती (महिला), खो-खो (महिला), कबड्डी (महिला), रस्साकशी (महिला) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम अपर आयुक्त खजांची कुमार, उप संचालक पंचायत सुश्री जुली तिर्की, खेल अधिकारी दीनू पटेल, जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या खिलाड़ी एवं शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पहले दिन हुए ये आयोजन

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेल

उर्वरक के भौतिक सत्यापन में अनियमितता पाए जाने पर होगी कार्यवाही

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। उप संचालक कृषि अजय कुमार अनंत के निर्देश में खरीफ 2023-24 में जिले के क्षेत्रीय उर्वरक निरीक्षकों द्वारा जिले के सभी सेवा सहकारी समितियों एवं खाद के निजी विक्रय केन्द्रों में लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में निरीक्षकों द्वारा अब तक जिले के 127 उर्वरक विक्रय केंद्रों में निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के अंतर्गत 43 विक्रय केंद्रों में अनियमिता पाई गई। कार्यवाही की कड़ी में 37 विक्रय केन्द्रों पर कारण बताओ नोटिस एवं 6 विक्रय केंद्रों में अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए उर्वरक की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। उर्वरक विक्रेताओं द्वारा विक्रय किये गए उर्वरक की मात्रा पीओएस मशीन में अनिवार्यत: एन्ट्री किया जाना है। इस संबंध में निरीक्षकों द्वारा उर्वरक के भौतिक स्टॉक पीओएस में किए गए एन्ट्री की लगातार जांच करते हुए सत्यापन में भिन्नता पाये जाने पर कार्यवाही की जा रही है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में कोई उर्वरक विक्रेता वास्तविक किसान को उर्वरकों की बिक्री न कर केवल पीओएस मशीन में उर्वरकों का फर्जी विक्रय दिखाता है एवं जांच के दौरान उसके उर्वरक गोदामों में भौतिक रूप से उर्वरक पाए जाते है साथ ही उपलब्ध स्टॉक में भिन्नता पाई जाती है। ऐसी स्थिति में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

इसी प्रकार से उर्वरकों की कालाबाजारी करने एवं निर्धारित शासकीय दर से अधिक मूल्य पर किसानों को उर्वरक विक्रय करने पर भी संबंधित विक्रेताओं पर कार्यवाही की जाएगी। जिले के उर्वरक निरीक्षक द्वारा उक्त संदर्भ में पुन: भौतिक सत्यापन की कार्यवाही युद्धस्तर पर प्रारंभ की जा रही है। उप संचालक कृषि ने जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक के भौतिक एवं पीओएस एन्ट्री की सत्यता बनाये रखने हेतु आग्रह किया है, जिससे इस प्रकार की शिकायत जिले से सामने न आये।

रीता क्षेत्रपाल मार्गरेट गोल्डिंग अवार्ड से सम्मानित

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। इनरव्हील क्लब की सक्रिय सदस्य पूर्व अध्यक्ष रीता क्षेत्रपाल को चेन्नई में इनरव्हील क्लब साउथ एशिया समिट में मार्गरेट गोल्डिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। मार्गरेट गोल्डिंग अवार्ड एक अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील अवार्ड है, जो समुदाय के लिए अत्यधिक सराहनीय व्यक्तिगत सेवा के लिए इनर व्हील के संस्थापक मार्गरेट गोल्डिंग के नाम पर सत्र 2000 में बनाया गया था। यह पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाना है जिसने स्थानीय या व्यापक समुदाय को उत्कृष्ट व्यक्तिगत सेवा दी है। सफलता के मानदंड ऊंचे रखे गए हैं ताकि पुरस्कार किसी व्यक्ति की दूसरों के प्रति प्रतिबद्धता का वास्तव में महत्वपूर्ण संकेतक बना रहे। रीता क्षेत्रपाल पिछले 40 वर्षों से इनरव्हील क्लब ऑफ कोरबा की सदस्य हैं। पिछले 25 वर्षों से वह कोरबा में बधिरों और नेत्रहीनों के लिए दिव्य ज्योति स्कूल का प्रबंधन कर रही हैं। तब से वह सामुदायिक सेवा में बड़े पैमाने पर शामिल रही हैं। सामुदायिक सेवा के लिए उनके प्रयासों को देखते हुए उन्हें डिस्ट्रिक्ट 326 से मार्गरेट गोल्डिंग पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था। उन्हें यह पुरस्कार 2 सितंबर को चेन्नई में इंटरनेशनल इनरव्हील अध्यक्ष श्रीमती ट्रिश डगलस द्वारा प्राप्त हुआ। यह इनरव्हील क्लब ऑफ कोरबा और कोरबा शहर के सभी लोगों के लिए बहुत ही गौरव का क्षण है।

समाज में फूट डालने और गुमराह करने का काम कर रहे हैं केन्द्रीय अध्यक्ष

चंद्रनाहू समाज के पदाधिकारियों ने पत्रवार्ता कर दी जानकारी

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। चंद्रनाहू कुर्मी समाज के अध्यक्ष कमलेश चंद्रा ने कहा है कि चंद्रनाहू (चंद्रा) विकास महासमिति के केन्द्रीय अध्यक्ष रामरतन चंद्रा एवं अश्वनी चंद्रा एनटीपीसी के द्वारा समिति के कार्यों पर अनर्गल, निराधार और बेबुनियाद आरोप लगाकर समाज में फूट डालने और गुमराह करने का काम किया जा रहा है। इनके द्वारा सिविल लाइन थाना रामपुर में झूठा शिकायत किया गया और जब समाज के लोगों ने इस पर आपत्ति की तो बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करके वाद-विवाद किया गया।

प्रेस क्लब तिलक भवन में आहूत पत्रवार्ता में कमलेश चंद्रा ने बताया कि समाज के लोगों को एकजुट कर मजबूती प्रदान करने के लिए चंद्रनाहू (चंद्रा) विकास महासमिति का गठन किया गया है। इसके अधीनस्थ पूरे प्रदेश भर में इकाईयां काम कर रही हैं। कोरबा जिला ईकाई व क्षेत्रीय समिति भी इसके अंतर्गत है। कोरबा शहर के पोड़ीबहार में कोरबा भाग-1 का सामाजिक भवन शासन के सहयोग से निर्मित कराया गया है जहां पर चंद्रा समाज के लोगों की विभिन्न गतिविधियों के अलावा दूसरे समाज के लोगों को भी शुल्क लेकर आयोजन की सुविधा प्रदान की जाती है। भवन की गतिविधियों के संचालन हेतु भवन विकास समिति का गठन किया गया है। भवन का देखरेख और रख-रखाव के लिए कोरबा समिति भाग-1 की जिम्मेदारी है। भवन के ऊपरी तल पर 2 कमरे हैं और भूतल पर सामाजिक गतिविधियां होती है। भवन के ऊपरी तल को चंद्र स्वजन निधि लिमिटेड को किराए पर दिया गया है। यह संस्था चंद्रा समाज की ही महिलाओं द्वारा संचालित है जिसकी डायरेक्टर श्रीमती लेखिका चंद्रा है। इस संस्था के द्वारा चंद्रा समाज के ही लोगों को जोड़ा गया है ताकि वे बचत की आदत डालकर आर्थिक रूप से स्वयं को मजबूत कर सकें। 900 से अधिक खातेदार तथा 450 के लगभग ऋणधारक संस्था से लाभान्वित हो रहे हैं। 250 से भी अधिक युवाओं को विभिन्न रोजगार के लिए संस्था के द्वारा ऋण प्रदान किया गया है। संस्था के द्वारा ही समाज के किसी सदस्य के बीमार होने पर आपात स्थिति में बिना ब्याज का एक लाख रुपए वापसी योग्य आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाती है जिसका लाभ जरूरतमंदों को मिला है। जुलाई 2021 से कार्यरत इस संस्था से समाज के लोगों को काफी उम्मीदें भी है लेकिन संस्था की कार्यप्रणाली को बेवजह विवादित बनाया जा रहा है। उपरोक्त लोगों के द्वारा संस्था को लेकर लगाए जा रहे सभी तरह के आरोप बेबुनियाद है। कमलेश चंद्रा ने बताया कि जिन लोगों के द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है, उनका सामाजिक विकास के साथ-साथ भवन विकास में कोई सहयोग आज तक नहीं मिला है। रामरतन चंद्रा पूर्व में 10 हजार रुपए देने की घोषणा किए थे जो आज तक नहीं दिए हैं और अश्वनी चंद्रा ने उक्त सामाजिक भवन के निर्माण के लिए 5 हजार ईंटों का सहयोग देने की बात कही थी जिसे भी पूरा नहीं किया है। पत्रवार्ता में महासचिव एमएल चंद्रा, महिला अध्यक्ष श्रीमती लेखिका चंद्रा, मनमोहन चंद्रा आदि भी उपस्थित थे।

ट्रांसपोर्टर को एक साल की सजा, 32.70 लाख का जुर्माना

पेट्रोल पंप संचालक को दिया गया चेक बाउंस होने पर फैसला

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। जिले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने एक चेक डिस्ऑनर होने के मामले में सुनवाई करते हुए आरोप सिद्ध होने पर अपना निर्णय दिया। उक्तानुसार स्थानीय निवासी पर 32.7 लाख रुपए की पेनाल्टी करने के साथ एक वर्ष की सजा दी गई।

जानकारी के अनुसार बालाजी फ्यूल्स से ट्रांसपोर्टर ने वर्ष 217 से अपने ट्रकों के लिए डीजल लिया। वर्ष 218 से 219 के मध्य 35 लाख 28 हजार 763 रुपए बकाया हो गए जिसमें से कुछ राशि की अदायगी के बाद 3 लाख का चेक संचालक संजय पुंडलिक को दिया गया। परन्तु ट्रांसपोर्टर के खाते में अपर्याप्त राशि होने पर संबंधित चेक अनादरित हो गया। संचालक के द्वारा इस पर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कोरबा के न्यायालय में धारा 138 के अंतर्गत परिवाद प्रस्तुत किया गया। न्यायाधीश बृजेश राय के द्वारा ट्रांसपोर्टर को 12.4.222 को दोष सिद्ध किया गया था। इस मामले में श्री श्रीवास्तव ने एडीजे फास्ट ट्रैक कोर्ट में दांडिक अपील 27/222 लगाई थी। बताया जा रहा हैं की दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद न्यायाधीश श्रीमती ज्योति अग्रवाल के द्वारा आरोपी ट्रांसपोर्टर पर दोष सिद्ध होने पर 32 लाख 7 हजार के जुर्माने और एक वर्ष के कारावास से दंडित किया गया।

2 सितंबर 23 को यह आदेश दिया गया। इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से एस.वी. उपाध्याय और यासिन मेमन ने पैरवी की।

अधिवक्ताओं की कलमबंद हड़ताल से कामकाज ठप्प रहा

कोरबा, 04 सितंबर (देशबन्धु)। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, सामूहिक बीमा और मृत्यु दावा राशि में बढ़ोतरी की मांग को लेकर कोरबा जिले के हजारों अधिवक्ताओं ने सोमवार को कलमबंद हड़ताल का आह्वान किया था। जिला अधिवक्ता संघ के आह्वान पर सभी सिविल, क्रिमिनल, परिवार न्यायालय, राजस्व न्यायालयों में कामकाज पूरी तरह से बंद रहा। अधिवक्ताओं ने जिला न्यायालय परिसर से रैली निकालकर तानसेन चौक में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने बताया कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ में आज तीन सूत्रीय मांगों को लेकर कलमबंद हड़ताल का असर देखने को मिला। कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में अधिवक्ताओं की मांग को पूरा करने का वादा किया था लेकिन आज तक पूरा नहीं किया गया। विरोध प्रदर्शन में अध्यक्ष संजय जायसवाल, सचिव नूतनसिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष उत्तरा राठौर, कोषाध्यक्ष अमरनाथ कौशिक, सहसचिव किरणभान शांडिल्य, रवि भगत, कमलेश श्रीवास, क्रांति श्रीवास, पूर्व अध्यक्ष गोपी कौशिक , सीके शर्मा, गणेश कुलदीप, बीके शुक्ल, अशोक तिवारी, सुरेन्द्र पुरोहित, पीएन एस यादव, अब्दुल रहमान, आरएन राठौर, रमन साहू, रजनीश निषाद, सुधीर निगम, शिवनारायण सोनी,रामायण जांगड़े, श्यामल मलिक, रवि शर्मा, मोहन सोनी, राजेन्द्र साहू, रघुनंदन सिंह, निर्मल किरण, सुमन तिवारी, अनिता चाको, अरुण सिंह, सुरेश सिंह, मनोज अग्रवाल, हेमलाल साहू, महेंद्र चंदेल, राम किशोर शर्मा, दीपक दुबे, अनिल सक्सेना, दुष्यंत शर्मा, सुरेश पटेल, छतराम साहू, श्रीराम श्रीवास सहित सैंकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

नपा अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की एमएमयू

सूरजपुर, 04 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत नगर पालिका को तीसरी मोबाइल मेडिकल यूनिट मिली है। जिसका लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल एवं सहयोगी सदस्यों ने किया और विधिवत पूजा अर्चना के उपरांत हरी झंडी दिखाकर मोबाइल मेडिकल यूनिट को गतव्य के लिए रवाना किया ।

गौरतलब है कि सूरजपुर जिले की 6 नगरीय निकायों के लिए अभी तक दो मोबाइल मेडिकल यूनिट थी, लेकिन शासन द्वारा एक और मोबाइल मेडिकल यूनिट स्वीकृत करते हुए आज सूरजपुर नगर पालिका को प्रदान की नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल ने इस संबंध में बताया कि सूरजपुर और प्रेमनगर निकाय के लिए एक मोबाइल मेडिकल यूनिट होगी। इसी प्रकार दूसरी यूनिट बिश्रामपुर और भटगांव के लिए तथा तीसरी यूनिट जरही व प्रतापपुर निकाय क्षेत्र में अपनी सेवा देगी। उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्र के स्लम बस्ती में ज्यादातर लोग उपचार करने के नाम पर लापरवाही बरतते थे। छत्तीसगढ़ सरकार के नगरी निकाय और श्रम विभाग के सहित तत्वाधान में इस योजना का क्रियान्वयन किया गया है जो सार्थक साबित हो रही है। एमबीबीएस चिकित्सक, पैथोलैब, मेडिकल स्टोर और जांच की सारी सुविधाएं इस यूनिट में निःशुल्क उपलब्ध है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष के अलावा विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवेश गोयल, पार्षद वीरेंद्र बंसल, तनवीर राधा मुनी सिंह, पुष्पलता गिरधारी साहू, देवदत्त साहू,मोहर लाल गहरवरिया, प्रदीप तिग्गा, प्रवीण घोष, रेणुका बंजारा, गौरी शंकर, पंकज गभेल समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, नपा स्टाफ और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलास्तरीय ओलंपिक प्रतियोगिता सम्पन्न

चिरमिरी 04 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा व जिला खेल अधिकारी गोपाल सिंह के मार्गदर्शन में जिलास्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 31 अगस्त से 2 सितंबर तक स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम

मनेंद्रगढ़ के खेल परिसर में किया गया। कार्यक्रम में 0 से 18 वर्ष, 18 से 40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक महिला-पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में विभिन्न छत्तीसगढ़िया पारंपरिक खेलों जैसे खो-खो, कबड्डी, पिट्ठुल, रस्साकशी, बाटी, गिल्ली डंडा आदि में खिलाड़ियों ने अपने जौहर दिखाए। कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा ने विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस अवसर पर अनिल सिदार, नोडल अधिकारी पीके हरित, एसडीएम अभिलाषा पैकरा, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, जनपद सीईओ रघुनाथ राम सहित आम नागरिक उपस्थित थे।

नारी शिक्षित है, तो पूरा परिवार शिक्षित है

कोरिया, 04 सितंबर (देशबन्धु)। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिले में 1 से 7 सितंबर तक आंतरराष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह मनाया जा रहा है। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सिंह जगत ने कहा कि शिक्षा के विकास व विस्तार हेतु महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, साक्षरता के माध्यम से सभी नागरिक अपने अधिकारों को कुशलता से प्राप्त कर सकते है। बैकुण्ठपुर के तहसीलदारअमृता सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही है। अपनी कुशलता व सहभागिता से विकास के नए-नए इतिहास रच रहे हैं। श्रीमती सिंह ने कहा कि यदि किसी परिवार में नारी शिक्षित है तो पूरा परिवार शिक्षित हो सकता है। समूह कि महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि साक्षरता के माध्यम से ही अज्ञानता को दूर किया जा सकता है ।

चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने चलाया विशेष जांच अभियान

रायगढ़ 04 सितंबर (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के निर्देश पर जिले के सभी थानाक्षेत्र अंतर्गत रविवार वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। बीते रात कलेक्टर रायगढ़ एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ द्वारा स्वयं जिले के विभिन्न चेक पोस्ट का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के निर्देशन पर जिले में राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चलाया गया। सभी चेक पोस्ट एवं प्रमुख मार्गों पर अधिकारियों के साथ जवानों द्वारा वाहनों की जांच की गई। इस दौरान वाहन के डिक्की के साथ-साथ कागजातों को भी चेक किया गया तथा बिना कागजात और नियम विरूद्ध वाहन चलाते पाये गये वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई किया गया है। एडिशनल एसपी संजय महादेव एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के नेतृत्व में तमनार पुलिस द्वारा हमीरपुर चेक पोस्ट पर वाहनों की चेकिंग के दौरान तमनार थाना क्षेत्र से आज सुबह घर से बिना बताए लापता हुआ युवक (25 साल) मिला। युवक कुछ परेशान लग रहा था पूछताछ में जानकारी मिली कि युवक घर पर बिना बताए कहीं जा रहा था, परिजन थाना तमनार में आज उसके गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया था, दस्तयाब गुम इंसान को थाना लाकर परिजनों की उपस्थिति में दस्तयाबी पंचनामा तैयार कर परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

सिसरिंगा में धरमजयगढ़ पुलिस ने युवाओं को नशे से दूर रहने किया प्रेरित

रायगढ़ 04 सितंबर (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के निर्देशन पर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में आज प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक अमन लखीसरानी द्वारा धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिसरिंगा में नशा उन्मूलन को लेकर रहवासियों से विशेष कर युवाओं से संवाद किया गया।

प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक लखीसरानी द्वारा युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर नशे को अपराधों बढ़ावा देने वाला और नशे से ग्रसित व्यक्ति का समाज में मान सम्मान नहीं होना बताया गया, उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने और अपने करियर पर ध्यान देने प्रेरित किया गया और उन्हें रहवासियों को वर्तमान में हो रहे साइबर फ्रॉड के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। प्रशिक्षु डीएसपी ने ग्राम सिसरिंगा के प्रमुखों व्यक्तियों व कोटवारों से चर्चा कर मतदान केन्द्रों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उन्हें बाहर से आए लोगों की जानकारी नियमित रूप से थाना का दिये जाने कहा गया है। इस दौरान प्रशिक्षु डीएसपी अमन लखीसरानी के साथ थाना धरमजयगढ़ का स्टाफ मौजूद रहे।

कुंए में गिरकर हुई बच्चियों की मौत के बाद कलेक्टर ने किया दौरा

अम्बिकापुर04 सितंबर (देशबन्धु)। तहसील लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम बकनाकला में तीन बच्चियों की मृत्यु की दुखद घटना पर कलेक्टर कुन्दन कुमार ने त्वरित संज्ञान लिया और सोमवार को पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के साथ स्वयं घटना स्थल पर अवलोकन के लिए पहुंचे। बकनाकला ग्राम अंतर्गत खेत में बने कुआं में बच्चियों के गिरकर डूबने की इस घटना का मुआयना करने पहुंचे कलेक्टर ने सीईओ जनपद लुण्ड्रा को कुआं में तुरंत जगत निर्माण कराने और पुल्ली लगाकर पानी खींचने की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में इसे अपनाया जाना चाहिए जिससे इस तरह की घटना दोबारा ना हो। उन्होंने कहा कि परिजनों को खोने के दुख

को कम नहीं किया जा सकता किंतु उनकी मदद करने का प्रयास किया जा सकता है।

कलेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि इस तरह के गहरे कुंए में लाल निशान लगाकर चेतावनी भी प्रदर्शित की जाए और ग्रामीणों सहित स्कूलों में बच्चों को समझाइश भी दी जाए। इस तरह की घटनाओं की रोकथाम हेतु ग्रामीणों की सहभागिता और जागरूकता भी बेहद जरूरी है। कलेक्टर एवं एसपी ने स्वयं परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल आर्थिक सहायता हेतु 4-4 लाख रुपए राशि का चेक प्रदान किया। इस दौरान एसडीएम एवं सीईओ जनपद पंचायत लुण्ड्रा सहित खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय खेलों का हुआ रंगारंग शुभारंभ

अम्बिकापुर 04 सितंबर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में सोमवार को दो दिवसीय छत्तीसगढ़ीया ओलम्पिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं विधायक लुण्ड्रा डॉ प्रीतम राम की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है, इसलिए खेल बहुत आवश्यक है, छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ीया ओलम्पिक की शुरुआत की गई है और आज जिला स्तर पर आयोजन हो रहा है, इसके बाद यहां से विजेता खिलाड़ी सम्भाग स्तर पर और फिर राज्य स्तर पर खेलेंगे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ीया ओलम्पिक में नियमो का पालन करते हुए राज्य के सम्मान के लिए उचित भाईचारे की भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलायी। इस

विधायक डॉ प्रीतम राम ने खिलाड़ियों को दिलायी शपथ

दौरान छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं वनौषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वन समिति के उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, महापौर डॉ अजय तिर्की, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के सदस्य श्री लक्ष्मी गुप्ता, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, एसपी श्री सुनील शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार सहित जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

रस्साकशी के रोचक मुकाबले के साथ शुरू हुआ ओलंपिक, पहले दिन दस प्रकार के खेलों में सभी आयुवर्ग के 593 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा- खेल की शुरुआत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर, एसपी सहित अधिकारियों के बीच रस्साकशी का रोचक मुकाबला भी हुआ। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक प्रतियोगिता के पहले दिन रस्साकशी, लंगड़ी दौड़, 100 मी दौड़, लंबी कूद, रस्सी कूद, पिट्ठूल, फुगड़ी, बिल्लस, गिल्ली डंडा, गेड़ी दौड़ का आयोजन हुआ। जिसमें नगरीय एवं क्लस्टर स्तर में सभी आयुवर्ग के विजेता 593 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सरगुजा जिले में क्लब स्तर से विकासखण्ड स्तर तक लगभग 50 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिला स्तर पर दोनों दिन 611 महिला खिलाड़ी तथा 786 पुरुष खिलाड़ी कुल 1397 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।वहीं दूसरे दिन मंगलवार को खो खो, कबड्डी, संखली, बांटी कंचा, कुश्ती, भौरा की प्रतियोगिता होगी। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम स्तर के प्रतिभागी संभाग स्तर पर होने वाले खेलों में हिस्सा लेंगे।

रायगढ़ की बेटियों ने रचा इतिहास

रायगढ़ 04 सितंबर (देशबन्धु)। बीसीसीआई के निर्देश पर सीएससीएस द्वारा महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंडर 19 टीम का चयन कर लगातार अभ्यास करवाया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ स्तर पर अंडर 19 की 2 टीमों का चयन किया गया। जिसमें रायगढ़ जिले की मनसा साव एवं भूमि मैत्री का चयन किया गया है।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि विगत माह से सभी जिलों के खिलाडियों का ट्रायल लेकर अंडर 19 महिला क्रिकेट टीम का कैंप राजधानी में लगाया जा रहा था। अभ्यास सत्र के बाद दो टीमों का चयन अभ्यास मैचों के लिए किया गया है।

मनसा व भूमि का चयन अंडर 19 छत्तीसगढ़ अभ्यास टीम में

इसमें प्रथम अभ्यास टीम आंध्रप्रदेश के विजयानगरम् के लिए रवाना हुई है। जिसमें रायगढ़ की बेटी मनसा साव को कप्तान नियुक्त कर अहम जिम्मेदारी दी गई है। जबकि जिले की ही भूमि मैत्री को दूसरी टीम में चयन कर उड़ीसा के साथ होने वाले अभ्यास मैच के लिए टीम में स्थान दिया गया है। मनसा और भूमि के इस चयन पर अध्यक्ष संतोष पाण्डेय सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, पंकज बोहिदार, संतोष मिश्रा, महेश्वर मिश्रा, जफर उल्लाह सिद्धीकी, वरिष्ठ अम्पायर विशाल सिंघानिया, महेश वर्मा, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, महेन्द्र साव, राजा गोरख, अभिषेक गुप्ता, शानू भयानी, महेश दधिची, चंद्रेश यादव, आदित्य शर्मा, हिमांशु चावड़ा आदि ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए आने वाले मैचों हेतु शुभकामनाएं दी है।

कलेक्टर बने शिक्षक, ब्लेक बोर्ड में समझाया गणित

कोरिया 04 सितंबर (देशबन्धु)। गुड मॉर्निंग सर...गुड मॉर्निंग बच्चों। आप कैसे हैं सर? मैं बहुत अच्छा हूं और आप लोग कैसे हैं हम सब अच्छे हैं सर। आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के चरचा कॉलरी स्थित प्राथमिक शाला निरीक्षण करने पहुंचे। कलेक्टर ने बच्चो से कहा किसको 2 का पहाड़ा याद है तो कक्षा के लगभग सभी बच्चों ने हाथ उठाकर पहाड़ा सुनाया। कुमारी अर्पिता ने ए से लेकर जेड तक अल्फाबेट आंख बंद करके सुनाया। कलेक्टर ने ब्लेक बोर्ड में जोड़ का सवाल लिखा तो कुमारी आरूषि चॉक लेकर सही उत्तर लिख दी। कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन सेवन प्रधानपाठक को निर्देशित किया कि खाद्य सामग्री का पंजी संधारण हो। पेयजल, शौचालय को स्वच्छ बनाये रखने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

आकाशीय गाज की चपेट में आने से महिला की मौत, दो गंभीर

रायगढ़ 04 सितंबर (देशबन्धु)। खेत में काम करते समय गाज की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई वहीं दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए है जिन्हें उपचार हेतु मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल रविवार की दोपहर तकरीबन 3 बजे हुई झमाझम बारिश के बाद तेज गर्जना से खेत में काम कर करके खेत से काम करके निकलने के दौरान सविता यादव पति सुरेश यादव 38 साल की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसके साथ काम करने वाली दो अन्य महिला रमुला खडिया और वीणा खड़ियां भी गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिन्हें परिजनों के द्वारा आनन-फानन में मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि कल सुबह से ही ये तीनों महिलाएं मनबोध खड़िया के खेत में काम करने गए हुए थे जहां काम करने के बाद खेत से निकलने समय यह घटना घटित हो गई। बहरहाल जूटमिल पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराने के उपरांत अंतिम संस्कार के लिये शव परिजनों को सौंपते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शिक्षक सम्मान समारोह आज

अंबिकापुर 04 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस के अवसर पर आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विगत एक वर्ष के सेवानिवृत शिक्षक एवं सेवा में कार्यरत रहते हुए दिवंगत हुए शिक्षकों का मरणोपरांत उनके परिजनों का सम्मान किया। इस दौरान निजी विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

प्रेमनगर विधानसभा में 55 लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

सूरजपुर, 04 सितंबर (देशबन्धु)। भाजपा की नीति रीति से प्रभावित होकर प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में गोगपा व कांग्रेस के 55 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल व भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी की उपस्थिति में नव प्रवेशी कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण कर भाजपा का दुपट्टा भेंट किया गया और उन्हें विधिवत भाजपा की सदस्यता दिलाई गई।प्रेमनगर के ग्राम सलका में पंचायत के सरपंच रामदयाल उईके के अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इन्हीं के नेतृत्व में लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की जिनका स्वागत भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल,भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी ने किया।नए प्रवेशी कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा की नीति रीति व प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी के कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा प्रवेश का निर्णय लिया है सभी लोगों ने एकजुटता के साथ भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीत दिलाने का संकल्प लिया है। प्रवेश करने वालों में 15 लोग कांग्रेस के हैं जबकि 40 लोग को गोगपा पार्टी के से जुड़े रहे। प्रेमनगर विधानसभा में भाजपा का प्रत्याशी घोषित हो चुका है और वह डोर टू डोर जनसंपर्क कर भाजपा की रीति नीति से लोगों को अवगत करा रहे हैं और अपने समर्थन में वोट डालने की अपील कर रहे हैं। प्रवेश करने वालों में प्रमुख रूप से सरपंच साल का रामदयाल उइके,महेश्वर सिंह, शिवमंगल दास,पन्नालाल पृथ्वी नाथ बालसय राय सिंह धनेश्वर

रामदयाल सिंह जीतराम सीयमबर सिंह रामविलास चंगाई श्रीपाल कृष्णापुरी खिलानंद शिवराम रामविलास मैनसाय भननु दास देव चरण आदि शामिल रहे।इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती मंडल अध्यक्ष जगमोहन सिंह जयप्रकाश उपाध्यक्ष सरपंच रामदयाल सिंह उईके संत कुमार साहू शिवनंदन सिंह मरावी जयराम साहू सुमित साहू प्रदीप साहू मिथिला बंजारा कंचन श्याम इंद्रजीत सिंह बिहारी लाल साहू परमानंद राजवाड़े चंद्रशेखर गुप्ता धनपत सिंह रामप्रताप उइके अनिल जायसवाल दिलोचन सिंह गोरेलाल सिंह सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मतदान के लिए जागरूक करने स्वीप बूथ प्रभारी पहुंच रहे गांव गांव

अम्बिकापुर, 4 सितंबर 2023/ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर के मार्गदर्शन में जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। स्वीप बूथ प्रभारी बनाए गए जिला स्तरीय अधिकारी गांव गांव पहुंचकर लोकतंत्र के महापर्व चुनाव में शामिल होकर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ीया ओलम्पिक के जिला स्तरीय आयोजन के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों को मतदान के महत्व से अवगत कराकर स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण मतदान हेतु प्रेरित किया गया। इसी तरह सोमवार को एकलव्य आदर्श विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव में भी प्रतिभागियों को मतदान के प्रति प्रोत्साहित किया गया तथा मतदान शपथ दिलाई गई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सकौली में स्वच्छता अभियान एवं शासकीय हाईस्कूल सेदम में साक्षरता दिवस के अंतर्गत चित्रकला एवं गीत, स्वच्छ्ता पखवाड़ा के साथ मतदाता जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला एवं रैली निकाली गई।

वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गेरसा में मतदाता जागरूकता अभियान हेतु दीवार लेखन कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

रायगढ़ 4 सितंबर (देशबन्धु)। सारंगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत में रहने वाले ग्राम मालदा निवासी दयाराम सिदार 64 साल अपने ही घर के बाहर टहल रहा था। इसी दौरान एक पिकअप चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बुजुर्ग को जोरदार ठोकर मार दी। परिजनों के द्वारा बुजुर्ग को आनन-फानन में अपेक्स अस्पताल ले जाया जा रहा था रहा था जहां रास्ते में ही बुजुर्ग की मौत हो गई।

पिकअप की ठोकर से बुजुर्ग की मौत

बहरहाल सारंगढ़ पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार के लिये परिजनों के सुपुर्द करते हुए आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

आब्जर्वर ने ली ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की मीटिंग

एकजूटता के साथ कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने की कही बात

सूरजपुर, 04 सितंबर (देशबन्धु)। सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के ऑब्जर्वर बिहार सीतामढ़ी के पूर्व विधायक अमित कुमार टुना ने सूरजपुर जिले के दौरे पर पहुंच सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की मीटिंग ली। इस दौरान उन्होंने पार्टी के पदाधिकारी से मुलाकात करते हुए बूथ लेवल कमेटी और बूथों की जानकारी लेते हुए गंभीरता से सभी ब्लॉक अध्यक्षों से आपसी विचार विमर्श

किया और कहा कि कांग्रेस पार्टी जिस भी प्रत्याशी को टिकट देगी हम सभी मिलकर उसको जीताने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस संगठन के रीड की हड्डी है। ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से जोन से सेक्टर और सेक्टर से बूथ लेवल तक की कार्यवाही में वह आब्जर्वर के रूप में अब चुनाव तक सरगुजा लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा क्षेत्र में पहुंचेंगे। स्थानीय सर्किट हाउस में पहुंचे ऑब्जर्वर श्री टूना ने इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी के साथ भी बैठकर बातचीत की और प्रेमनगर,भटगांव,प्रतापपुर विधानसभा के संबंध में आवश्यक जानकारियां तथा जातिगत समीकरणों व मतदाताओं की संख्या के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य पर भी चर्चा करते हुए ब्लॉक अध्यक्षों से पार्टी गाइडलाइन के तहत जारी निर्देशों से अवगत कराया। वही सूरजपुर प्रवास पर आए अमित कुमार का स्वागत जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा, विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल, जिला सचिव पुनीत गुप्ता के साथ जिले के समस्त ब्लॉक अध्यक्षों ने किया। सूरजपुर प्रवास पर पहुंचे ऑब्जर्वर ने समस्त ब्लॉक अध्यक्षों से भी वन टू वन चर्चा की। इस दौरान जिले से आये अन्य पदाधिकारी व अनुषांगिक संगठनों से भी बातचीत की। बैठक के दौरान उन्होंने ब्लॉक अध्यक्षों से उनकी भौगोलिक स्थिति, बूथ, सेक्टर, ज़ोन, बूथ कमेटी सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई व अन्य अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रतापपुर ब्लॉक अध्यक्ष कुमार सिंह देव, सूरजपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय डोसी, सलका के ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, ओड़गी ब्लॉक अध्यक्ष गौतम कुशवाहा, लटोरी ब्लॉक अध्यक्ष गोवर्धन सिंह, प्रेमनगर की ब्लॉक अध्यक्ष सरिता सिंह, रामानुजनगर के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप साहू,अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सै. आमिल, युवक कांग्रेस अध्यक्ष परमेश्वर राजवाड़े, रूपदेव कुशवाहा, अर्जुन कुमार के साथ जिले व ब्लॉकों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। ऑब्जर्वर श्री टुना के साथ भारत यात्री तथा शक्ति सी की प्रदेश समन्वयक आशिक कुजूर, कांग्रेस नेता उपेंद्र गुप्ता, अमित कुमार सिंह व अन्य भी बैठक के दौरान उनके साथ उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

आपसी सामंजस्य स्थापित करे कार्यकर्ता -सुरेश

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक हिमाचल प्रदेश के विधायक सुरेश कुमार ने जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक ली जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव के साथ-साथ लोकसभा चुनाव को कैसे जीते इस पर सबसे सुझाव लिया एवं राय शुमारी की जिस पर कार्यकर्ताओं ने अपनी बात रखी सब की बातों को सुनने के बाद में पर्यवेक्षक सुरेश कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएं सभी वर्गों को फायदा पहुंचा रही है। सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया है इन सब बातों को लेकर मतदाताओं के पास जाएं जो भी कांग्रेस प्रत्याशी बने उसे जिताए बड़े उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए छोटी-मोटी बातों को छोड़कर आपस में सामंज्य बनाते हुए कार्यकर्ता जुट जाएं और भाजपा के नफरत भरी नीतियों को लोगों को अवगत कराएं यही हम सबकी जिम्मेदारी है उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को हिमाचल में आए हुए आपदा से निपटने के लिए आर्थिक सहयोग के लिए धन्यवाद किया बैठक का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने किया एवं आभार महामंत्री कन्हैया राठौर ने किया बैठक में रवि भारद्वाज , प्रदेश सचिव मतीन खान, गिरधारी यादव,रमेश पवार, देवेश सिंह, गोरेलाल बर्मन, महारथी बघेल, श्रीमती गीता देवांगन,राजेश अग्रवाल ,खेदु कंवर, देव कुमार पांडे, प्रिंस शर्मा राइस किंग जिला उपाध्यक्ष रफीक सिद्दीकी, रामलाल यादव,विवेक सिसोदिया, हृदय प्रकाश अनंत महामंत्री मनोज तिवारी, आभास बोस, शिशिर द्विवेदी, घासीराम चौहान ब्लॉक अध्यक्ष संतोष शर्मा, सुनील साधवानी, रामशंकर सिंगसर्वा, श्रीमती संगीता सोनी,महेश्वर टंडन,हरदेव टंडन,कल्याण सिंह बर्मन सभी ने बूथ में कार्य करने की बात कही बैठक में रामविलास राठौर, डुग्गू प्रधान, किशन सोनी, दुर्गा कुर्रे, अविनाश साहू, अनिल राठौर, सुशांत सिंह, अनिल मोदी, भीषम राठौर ,राज कपूर साहू, प्रमोद साहू,अजय निर्मलकर, शशि जगत, राजेश भारद्वाज, प्रदीप बनर्जी,सरोज कुमार सारथी,प्रमोद पांडे, संतोषी रात्र, कुसुम लता साव,पवन कश्यप,सत्य प्रकाश निर्मलकर, संतोष यादव, सहित सेक्टर प्रभारी, जोन प्रभारी, कांग्रेस के अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे

वकीलों ने सीएम के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

खरसिया 04 सितंबर (देशबन्धु)। अपनी मांगों को लेकर खरसिया अधिवक्ता संघ अध्यक्ष देवनारायण राठौर ने बताया कि अपनी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खरसिया को ज्ञापन दिया गया है । बहु प्रतीक्षित मांग अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम तत्काल लागू किए जाने के साथ ही अधिवक्ता के देहांत पर उसके परिवार को मिलने वाली राशि 10 लाख रुपए एवं सामुदायिक बीमा किया जावे इस संबंध में पूर्व में भी छत्तीसगढ़ के संपूर्ण अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं के द्वारा रायपुर में विशाल महारैली भी की गई थी। दिल्ली जंतर मंतर में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया था। किंतु शासन द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

जिले में शत प्रतिशत मतदान के लिए ''हसदेव के हीरो'' लोगों को करेंगे जागरूक

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में मतदाता जागरूकता के लिए हसदेव के हीरो को उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमति निशा नेताम मंडावी व नोडल अधिकारी स्वीप डॉ आराध्या राहुल कुमार द्वारा ज़िले में शत प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हसदेव के हीरो के साथ ऑनलाइन वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया। हसदेव के हीरो को अपने क्षेत्र के गली, मोहल्ला, कॉलेज में बैनर पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, खेल गतिविधियों, मैराथन के माध्यम से लोगो को जागरूक करने हेतु जानकारी दिया गया। उल्लेखनीय है कि हसदेव के हीरो जिला प्रशासन व यूनिसेफ का संयुक्त पहल है। जिसके माध्यम से हसदेव के हीरो अपने क्षेत्र में, अपने समुदाय में मेंटल हेल्थ, किशोर, किशोरी में अवेयरनेस कार्यक्रम, शिक्षा के प्रति सजगता व अन्य वॉलंटियर्स कार्य नि:स्वार्थ भावना से अपने क्षेत्र व समाज के लिए कर रहे हैं। इस दौरान ईडीएम ई गवर्नेंस व हसदेव के हीरो के नोडल अधिकारी सुनील कुमार साहू, खेल अधिकारी प्रमोद बैस, यूनिसेफ़ जिला अधिकारी सुश्री दिव्या राजपूत व शिक्षा विभाग से प्रेमलाल पाण्डे उपस्थित थे।

जिला स्थापना दिवस के अवसर पर होगा भव्य कार्यक्रम

सक्ती 04 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुवे स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी

चुनाव के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला स्थापना का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 सितंबर को जिला मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन कराए जाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने जिले में गिरदावरी के कार्यों को पूरी शुद्धता और त्रुटिरहित ढंग से किए जाने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, विभागीय स्टॉल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कृषि विभाग अंतर्गत चावल, दाल के प्रकार का एग्जिबिशन सहित विभिन्न विभागों को अन्य विविध आयोजन कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएमओ और सीईओ सक्ती को सड़को पर आवारा पशुओं के पाए जाने पर कॉउकैचर का उपयोग कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिले में दिव्यांग, ट्रांसजेंडर, बुजुर्ग, महिला मतदाताओं सहित 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष व 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित और जागरूक करने कहा। शांतिपूर्वक चुनाव, निष्पक्ष मतदान के लिए कानून व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं।

एम आर अहीरे को मिली पदोन्नति

सक्ति 04 सितंबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक एम आर आहिरे पदोन्नति होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संगीतमय कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक एम आर आहिरे छत्तीसगढ़ी गाना एवं कभी-कभी फिल्म का एक गीत भी सुनाया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, ईश्वर लोधी एवं प्रेस क्लब शक्ति के अध्यक्ष एवं पत्रकार शम्स तबरेज खान के द्वारा स्वागत किया गया। वही इस आयोजन का नेतृत्व नगर निरीक्षक विवेक शर्मा के द्वारा किया गया? काफी संख्या में विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

परसाही में शराब पीने के बाद दो सगे भाई समेत तीन की मौत

साढ़े 3 माह में तीसरी घटना, दो मामले में शराब में जहर मिलाया गया था

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। अकलतरा के परसाहीबाना गांव में शराब पीने से 2 सगे भाई समेत 3 लोगों की मौत हो गई है। जिले में साढ़े 3 माह में यह तीसरी घटना है, जिसमें अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि पहले के दो मामले में शराब में जहर मिलाया गया था।

जानकारी के अनुसार परसाहीबाना गांव में संजय सांडे, संतकुमार सांडे और जितेंद्र सांडे ने शराब पी थी, जिसके बाद तीनों की तबियत बिगड़ गई और अकलतरा अस्पताल ले जाने पर 2 सगे भाई संजय सांडे और जितेंद्र सांडे को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, वहीं तीसरे व्यक्ति जितेंद्र सांडे को बिलासपुर रेफर किया गया था, जहां उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद तमाम सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि जिले में लगातार ऐसी घटना हो रही है। 15 मई को रोगदा में सेना के जवान समेत 3 की मौत हुई थी, इसके बाद 31 अगस्त को अमोदा गांव में 2 की मौत हुई थी। अब परसाहीबाना गांव में 2 सगे भाई समेत 3 लोगों की मौत शराब पीने से हुई है। अकलतरा पुलिस मौक़े पर पहुंच गई है और मामले में जांच कर रही है। हालांकि पहले के दो मामले में शराब में जहर मिलाया गया था। पुलिस पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के स्पष्ट कारणों का पता चलने की बात कह रही है।

बीजेपी ने किया प्रदर्शन

तीन लोगों की मौत के बाद इस पर राजनीति भी तेज हो गई है। इस मामले में परिजन के साथ बीजेपी नेता भी मौके पर पहुंचे। नेताओं ने नारेबाजी करते हुए मृतकों के परिजन को उचित मुआवजा देने की मांग की। बीजेपी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ने कहा कि, मुआवजा राशि मिलने के बाद ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रजनी साहू ने बताया कि आज सुबह संजय सांडे, संत कुमार सांडे और जितेंद्र सोनकर एक साथ मछली मारने तालाब गए थे। इस दौरान उन्होंने देसी शराब पी। जिससे उनकी मौत हो गई।

शराब जहरीली थी या उसमें कुछ मिलाया गया था!

वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी ने शराब पीने की पुष्टि की है। लेकिन शराब जहरीली थी या उसमें कुछ मिलाया गया था इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम के बाद ही हो पाएगा।

आपसी रंजिश में की हत्या,24 घंटे के अंदर आरोपी गिरफ्तार

बेटा घर पहुंचा तो खाट पर पड़ी मिली थी पिता की लहूलुहान लाश

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले के ढाबाढीह गांव में शुक्रवार रात हुई व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी राजकुमार खूंटे को गिरफ्तार किया है। आपसी रंजिश में हत्या करने की बात आरोपी ने कबूल की है।

जानकारी के मुताबिक, पामगढ़ पुलिस को शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि ढाबाडीह गांव के रहने वाले श्रवण कुमार कुर्रे (50) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। मृतक श्रवण कुमार के बड़े बेटे आकाश कुर्रे ने थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और परिजनों के बयान दर्ज किए। बेटे आकाश ने बताया कि वो अपने दोस्त की बर्थ डे पार्टी में गया हुआ था। मां और छोटा भाई मामा के घर विद्याडीह गए हुए थे। उसने बताया कि वो जब शनिवार तड़के 3 बजे के बाद घर लौटा, तो पिता को खाट पर खून से लथपथ पड़ा हुआ पाया। पिता के सिर से भारी मात्रा में खून निकलकर बिखरा हुआ था। पुलिस ने छोटे बेटे प्रकाश से बात की, तो उसने गांव में रहने वाले राजकुमार खूंटे पर हत्या का शक जताया।

5 साल पहले हुई मारपीट के कारण रखता था रंजिश

प्रकाश ने कहा कि उसके पिता ने उससे राजकुमार के साथ पार्टी करने की बात कही थी, इसलिए हो सकता है कि उसी ने हत्या की हो। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि 5 साल पहले हुई मारपीट के कारण वो श्रवण से रंजिश रखता था। इसलिए सिर पर कुल्हाड़ी मारकर उसने उसकी हत्या कर दी।

5 साल पहले साथ काम करने गुजरात गये थे-एएसपी

एएसपी अनिल सोनी ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि आरोपी राजकुमार खूंटे 5 साल पहले श्रवण कुमार कुर्रे के साथ काम करने गुजरात गया हुआ था। वहां दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और श्रवण ने आरोपी राजकुमार के साथ जमकर मारपीट की थी। इससे उसके सिर पर चोट आई थी और 5 टांके लगे थे। जिसके बाद श्रवण ने उसके इलाज का पैसा देने की बात कही थी। 5 साल बाद भी पैसा नहीं मिलने पर राजकुमार उससे रंजिश रखता था। आरोपी ने कुल्हाड़ी से श्रवण की हत्या कर दी और फरार हो गया। उसने कुल्हाड़ी को लीलागर नदी किनारे फेंका था। रविवार को आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर कुल्हाड़ी बरामद कर ली गई है। आरोपी के खिलाफ धारा 302, 201, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लोहा काटते वक्त करंट लगने से दो की मौत

घटना के वक्त अन्य लोगों के भी मौजूद होने की आशंका

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। नवागढ़ थाना क्षेत्र के कोकड़ी नाला में 2 युवकों की लाश मिली । कोकड़ी नाला पुल की रॉड को काटने के दौरान करंट से दोनों युवक की मौत होने की बात सामने आ रही है। मौके पर लोहे की रॉड के टुकड़े भी मिले हैं। यहां पास के खम्भे से बिजली सप्लाई लेकर पुल की रॉड को काटने की बात कही जा रही है। साथ ही घटना के वक्त अन्य लोगों के भी मौजूद होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची है और परिजनो का बयान लेकर जांच कर रही है। मामले में अभी पुलिस ने जांच की बात कही और पीएम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

दरअसल, कटौद गांव में उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब कोकड़ी नाला में 2 युवकों देव यादव और रवि केंवट की लाश मिली। देखते ही देखते यह खबर गांव में फैल गई और घटनास्थल पर सैकड़ों लोग पहुंच गए। घटना की सूचना के बाद नवागढ़ टीआई तुलसिंह पट्टावी, स्टाफ के साथ पहुंचे हैं और पंचनामा कार्रवाई की जा रही है। मौके पर जांच करने पर खंभे से तार खींचा हुआ मिला है। लाश पर चोट के कोई निशान नहीं पाए गए हैं। दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवा दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच से लग रहा है कि दोनों युवकों की मौत करंट लगने से हुई होगी। उन्होंने कहा कि पास के खंभे से बिजली सप्लाई लेकर पुल की रॉड को काटा गया है। उन्होंने कहा कि इसी दौरान करंट की चपेट में आने से दोनों युवकों की मौत होने की आशंका है। टीआई तुल सिंह पट्टावी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असल वजहों का खुलासा हो सकेगा।

मंत्री उमेश पटेल करेंगे सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

खरसिया 04 सितंबर (देशबन्धु)। शिक्षक दिवस पर खरसिया विधानसभा क्षेत्र में विकासखण्ड के समस्त सेवानिवृत शिक्षकों का विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री उमेश पटेल द्वारा कांग्रेस कार्यालय मदनपुर में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा।

विदित हो कि शहीद नंदकुमार पटेल द्वारा अपने विधानसभा के समस्त सेवानिवृत शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित करने की परम्परा की शुरूआत की गई थी, जिसे उन्होंने जीवन पर्यंत निर्वहन किया। उनकी शहादत के पश्चात उनके सुपुत्र मंत्री उमेश पटेल की अगुवाई में सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान समारोह का आयोजन लगातार किया जा रहा है। सेवानिवृत शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन 05 सितम्बर मंगलवार को मदनपुर कांग्रेस कार्यालय के पास शाम 04 बजे होगा। सेवानिवृत शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से भी आमंत्रण भेजा गया है फिर भी जिन्हें किन्ही कारणों से आमंत्रण न मिल पाया हो वे शिक्षक अपने विकासखण्ड के निर्धारित स्थलों में उपस्थित होने का कष्ट करेंगे।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मतदान के लिए किया गया जागरूक

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले में स्वीप कार्यक्रम के तहत शत प्रतिशत मतदान के लिए युवा, नवविवाहित वधु, दिव्यांगजन, थर्डजेंडर, बुजुर्ग, पुरुष, महिला सहित सभी वर्ग के मताधिकार के उपयोग के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिले में स्वीप कार्यक्रम के तहत लोगो को जागरूक करने के लिए विविध आयोजन किये जा रहें हैं। इसके तहत शासकीय नवीन महाविद्यालय सारागांव मे मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान के अधिकार हेतु जागरूकता दिखाई, आओ हम सब मिलकर मतदान करें मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करें, का नारा लगाकर महाविद्यालय से टोली बाहर की तरफ प्रस्थान किये। रास्ते में गांव के नागरिकों को मतदान के अधिकार के बारे में जागरुक करते हुए खेत खलिहान में पहुंच गए जहां पहुंचकर किसानों को मतदान के बारे में जानकारी दी गई और बिना लालच के निर्भीक होकर मतदान करने को कहा गया। छात्र-छात्राओं द्वारा गांव नगर हो या खेत खलिहान जन-जन तक पहुंचेगी स्वीप अभियान, का नारा लगते हुए सभी को संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के स्वीप प्रभारी श्री वाई के साह तथा छात्रों का नेतृत्व कैंपस एंबेसडर शालिनी राठौर एवं सीमांत कर्ष के द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने जन समस्या दूर करने अधिकारियों को दिए निर्देश

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न दुरस्थ स्थलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी मांग एवं समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने जनदर्शन में जनसामान्य से प्राप्त मांगो एवं समस्याओं के आवेदन पत्रों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 127 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में आज जनदर्शन में विकासखंड पामगढ़ के ग्राम पंचायत ससहा निवासी कु. गीता केंवट द्वारा बैटरी चलित ट्रायसायकल दिलाने, विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम सरवानी निवासी श्रीमती नानबाई द्वारा विधवा पेंशन योजना का लाभ दिलाने एवं सहायता राशि दिलाने, विकासखंड अकलतरा के ग्राम खपरीडीह निवासी आनंदराम द्वारा पेंशन दिलाने, जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम पंचायत बनाहिल के सरपंच द्वारा पेयजल से संबंधित आवेदन, तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी श्रीमती सहोद्रा बाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम गोधना निवासी श्रीमती छठबाई साहू राशनकार्ड के संबंध, विकासखंड नवागढ़ के ग्राम चोरभट्ठी निवासी गोविंद कश्यप मुआवजा राशि दिलाने संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करते हुए निराकरण करने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जनदर्शन में अन्य विभिन्न आवेदकों द्वारा रोजगार प्रदाय, नामांतरण, राशनकार्ड, भूमि सीमांकन, आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित कुल 127 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर संबंधित विभाग के अधिकारियों को मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि शासन के मंशानुरूप नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ तथा शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओपलंपिक का हुआ शुभारंभ

जांजगीर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने और सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शुरू की गई छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में प्रतिभागी उत्साह से भाग ले रहे हैं। 17 जुलाई हरेली तिहार से ग्राम स्तर से शुरू किए गए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगीता की आज शानदार शुरुआत हुई। प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के महिला पुरुष प्रतिभागी पारंपरिक खेलों में उत्साह से भाग ले रहे हैं।

इसी कड़ी में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का शुभारंभ जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत सभापति श्रीमती कुसुम कमल साहू, रवि शेखर भारद्वाज, अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ ज्योति पटेल, की उपस्थिति में जिला मुख्यालय जांजगीर के स्कूल मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलित कर राजगीत के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रथम दिवस पांच खेलों बिल्लस, भौरा, संखली, रस्साकसी और पिट्ठुल का आयोजन किया गया। जिसमे हर वर्ग के विभिन्न प्रतिभागियों ने खेल में अपना उत्साह दिखाया। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन 6 सितंबर तक किया जायेगा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरुआत की है। जिसमे सभी वर्ग के प्रतिभागी अपनी खेल कला का प्रदर्शन कर रहें हैं। हमारी सरकार ने पारंपरिक खेलों को जीवंत करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आप सभी यहां तक पहुचे उसके लिए शुभकामना देता हूँ। आगे खेल के विभिन्न स्तरों में अपना बेहतर प्रदर्शन कर अपने गांव जिले का नाम रोशन करें। अपर कलेक्टर एस पी वैद्य ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के प्रतिभागियों को खेल के बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है और छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से हम खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर ज्योति पटेल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल प्रतियोगिता दलीय व एकल दो श्रेणी में आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में दलीय श्रेणी में गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसी खेल विधाएं शामिल की गई हैं। वहीं एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, रस्सी कूद एवं कुश्ती शामिल हैं। इस अवसर पर खेल अधिकारी श्री प्रमोद बैस, उप संचालक पंचायत अभिमन्यु साहू एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

देश विदेश

रोमानिया के गैस स्टेशन में विस्फोट से चार की मौत

चिसीनाउ। रोमानियाई शहर क्रेवेडिया के एक गैस स्टेशन में विस्फोट होने से घायल हुए एक अन्य व्यक्ति की सोमवार सुबह मौत हो गई, जिससे इस घटना में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। बुखारेस्ट के फ्लोरेस्का आपातकालीन अस्पताल ने यह जानकारी दी। रोमानियाई के शहर क्रेवेडिया में 19 अगस्त को गैस स्टेशन पर सिलसिलेवार विस्फोट हुए। रोमानियाई स्वास्थ्य मंत्रालय ने 31 अगस्त को कहा कि इस घटना में तीन लोग मारे गए और 58 लोग घायल हुए हैं।

चीनी राष्ट्रपति के जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने पर बाइडेन निराश

वाशिंगटन, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सप्ताह नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन

■ दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन को हो रहा है आयोजन

में अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग की संभावित अनुपस्थिति पर 'निराशा' व्यक्त की है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, समाचार रिपोर्टों के अनुसार, चीनी प्रधान मंत्री ली कियांग के 8 से 10 सितंबर तक भारतीय राजधानी में होने वाले शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद है। बाइडेन ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, मैं निराश हूं, लेकिन मैं उनसे मिलने जा रहा हूं। आखिरी बार दोनों राष्ट्रपतियों की मुलाकात 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में हुई थी। शी ने पहले कहा था कि वह शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे, लेकिन चीन के विदेश मंत्रालय ने 31 अगस्त को प्रेस वार्ता में उनकी उपस्थिति की पुष्टि नहीं की। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में सैन फ्रांसिस्को में एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग के नेताओं के बीच एक बैठक में शी और बाइडेन की मुलाकात हो सकती है।

चीन के प्रधानमंत्री सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

बीजिंग। भारत में आयोजित जी2 शिखर सम्मेलन में चीन की स्टेट काउंसिल के प्रधानमंत्री ली कियांग हिस्सा लेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्री माओ ने संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री ली कियांग नौ-1 सितंबर को नयी दिल्ली में 18वें जी2 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

चीन उच्च स्तरीय खुलापन बढ़ाएगा : शी चिनफिंग

बीजिंग। वर्ष 2023 का चीन अंतर्राष्ट्रीय सेवा व्यापार मेला 2 सितंबर को पेइचिंग में उद्घाटित हुआ। इसके लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने वीडियो संदेश भेजा। उन्होंने उच्च स्तरीय खुलापन बढ़ाने का वचन दिया। शी चिनफिंग ने कहा कि चीन अपने विशाल बाजार के अवसर से विश्व आर्थिक विकास में नई उम्मीद जगाएगा और विश्व अर्थव्यवस्था को निरंतर सुधार के पथ पर आगे बढ़ाएगा। बताया जाता है कि पहले अंतर्राष्ट्रीय सेवा व्यापार मेले का आयोजन वर्ष 2012 में हुआ था। पिछले दस से अधिक सालों में यह मेला विश्व सेवा व्यापार के क्षेत्र में सबसे बड़ी प्रदर्शनी और व्यापार का मंच बन गया है। मेले में 51 देश, 24 अंतर्राष्ट्रीय संगठन, 2,200 से अधिक उद्यम और 500 से अधिक कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

नासा का स्पेसएक्स क्रू-6 पृथ्वी पर लौटा

लॉस एंजिल्स, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने कहा कि स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार उसके स्पेसएक्स क्रू-6 अंतरिक्ष यात्री सोमवार तड़के दक्षिणपूर्वी अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के तट पर सुरक्षित उतर गये। चार सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय दल, में नासा के अंतरिक्ष यात्री स्टीफन बोवेन और वुडी होबर्ग, संयुक्त अरब अमीरात के अंतरिक्ष यात्री सुल्तान अल नेयादी और रोस्कोस्मोस (रूस के राज्य अंतरिक्ष निगम) के अंतरिक्ष यात्री एंड्री फेडयेव शामिल थे। अंतरिक्ष यान अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 7:05 बजे अलग हुआ। यह मिशन दो मार्च को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था और अगले दिन आईएसएस पर पहुंच गया। दल के सदस्य छह माह से आईएसएस पर रहकर वहां काम कर रहे थे। नासा

के अनुसार, दल के सदस्यों ने पृथ्वी की निचली कक्षा से परे अन्वेषण की तैयारी करने और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने के लिए छात्र रोबोटिक चुनौतियों, पौधों के आनुवंशिकी और माइक्रोग्रैविटी में मानव स्वास्थ्य सहित सैकड़ों प्रयोगों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में योगदान दिया। मिशन, कोडनेम क्रू-6, नासा के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ड्रैगन अंतरिक्ष यान की छठी क्रू रोटेशन उड़ान है।

सुडोकू 6307

			1	7	3			
					2	3	5	
3							7	
		2	8				1	
6	4						2	9
	8				4	7		
	7							6
	5	8	6					
			4	1	8			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6307

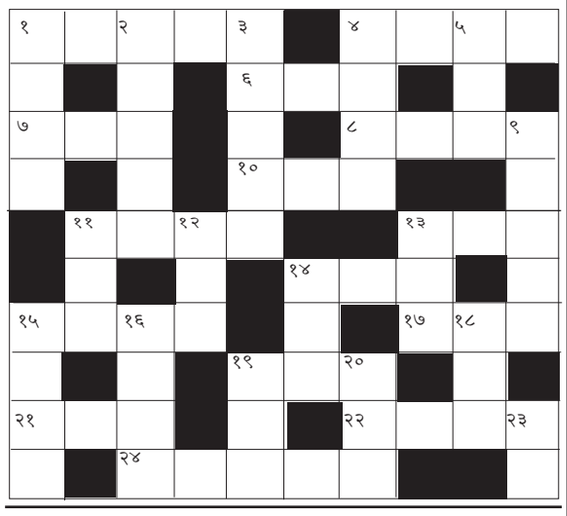

बायें से दायें:-

१. सुध-बुध खोया हुआ, जिसके होश हवास ठिकाने न हो (उर्दू)
४. आल्हाद कारक, आनंदकारक, पारस्परिक सद्भाव
६. सीमा, प्रतिष्ठा
७. उत्तराधिकारी (उर्दू)
८. परिमाण, माप-तौल (उर्दू)
१०. बिजली, गाज
११. आवश्यक, जरूरी (उर्दू)
१३. हारा हुआ, जिस पर किसी ने विजय पा ली हो
१४. गड़बड़, गोलमाल
१५. सज्जन, भलामानुस
१७. काल, अवसर
१९. यतीम
२१. एक तरह की चपाती जिसे तेल आदि में तलकर या आग में भूनकर खाया जाता है
२२. कन्नी काटना, बचकर निकल जाना
२४. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. शक्तिशाली
२. सहयात्री
३. बुद्धिमान
४. गाज, बिजली
५. मध्यभारत की एक नदी
९. चांदी का बना हुआ
११. निर्धन, कंगाल
१२. जंगल, वन
१३. चमकना, रूबरू होना, प्रणय क्रीड़ा, आनंद
१४. कम होना, वृत्तांत, वाकिया
१५. भर पाने या चुकता हो जाने का भाव
१६. कसकर बांधना
१८. शराब
१९. ज्यादा, बहुत
२०. अत्यधिक, श्रम से शरीर शिथिल होना
२३. स्त्री, महिला

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 5 सितम्बर , 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 5

राशिफल

मेष - दिन के आरंभ में नए काम की शुरुआत को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। शरीर और मन की स्वस्थता भी आपके उत्साह को दोगुना कर देगी। स्नेही मित्रों के साथ समारोह में जाना हो सकता है।

वृषभ - घर के सदस्यों के साथ आप आवश्यक चर्चा करेंगे। घर की सुंदरता बढ़ाने में व्यस्त रहने वाले हैं। मां का विशेष आशीर्वाद मिलेगा। कार्यालय में अधिकारियों के साथ मधुर संबंध बनेंगे।

मिथुन - पारिवारिक और व्यवसायिक क्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। दोनों जगहों पर आवश्यक चर्चाओं में व्यस्त रहने वाले हैं। काम का भार बढ़ने से स्वास्थ्य में कुछ ढीलापन आएगा।

कर्क - आज आपका व्यवहार लोगों के साथ अच्छा रहेगा। नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी। शुरुआत में आपको ऐसा लगेगा, जैसे आपके प्रयास गलत दिशा में आगे बढ़ रहे हो। स्वास्थ्य भी कमजोर रहेगा।

सिंह - आज दिन की शुरुआत में आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ और चिंता में रहेंगे। किसी बात को लेकर गुस्से में रह सकते हैं। दोपहर बाद स्थिति में सुधार होगा। परिवार में भी आनंद का वातावरण होगा।

कन्या - आज नए काम और प्रवास ना ही करें। आध्यात्मिक क्षेत्र में आज सिद्धि प्राप्त होने का योग है। स्वास्थ्य में शिथिलता का अनुभव होगा। क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी। इससे आपका काम बिगड़े नहीं इसका ध्यान रखें।

तुला - आज दिन की शुरुआत आनंद के साथ होगी। मन में किसी बात को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए किसी मीटिंग में शामिल हो सकते हैं। यात्रा की संभावना है। दोपहर के बाद आप वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक - किसी खास बौद्धिक काम में आज आप व्यस्त रहेंगे। लोगों के साथ आज आपका व्यवहार अच्छा बना रहेगा। छोटे प्रवास की संभावना है। धन-सम्बंधित आयोजन के लिए समय शुभ है।

धनु - शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य का आज विशेष ध्यान रखें। अधिक मेहनत के बाद भी काम में सफलता कम मिलेगी। इससे निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। आज यात्रा को टालना आपके लिए हितकर रहेगा।

मकर - आज आप कुछ अधिक संवेदनशील रहेंगे। आपकी भावना को भी ठेस पहुंच सकती है। वाहन चलाते समय ध्यान रखें। किसी निराशाजनक विचार और काम से दूर रहें। किसी भी काम में शीघ्र निर्णय ना लें।

कुंभ - आवश्यक काम का निर्णय आज ना लें, इसका ध्यान रखें। नए काम की शुरुआत के लिए समय अभी इंतजार करने का है। दोपहर के बाद किसी बात को लेकर चिंता बढ़ेगी।

मीन - आज धन का खर्च अधिक हो जाने से आप चिंता में रह सकती है। किसी से मनमुटाव और तनाव हो सकता है। आज आपको वाणी पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। आर्थिक विषय में संभलकर चलें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

चीन में साओला तूफान ने मचाई तबाही

बीजिंग, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत गुआंग्डोंग में शक्तिशाली तूफान साओला के कारण हुई भारी वर्षा से अचानक बाढ़ गयी, जिसमें फंसे लोगों में से लगभग करीब आठ हजार लोगों को निकाल कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया है। युनफू शहर के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आपातकालीन स्थितियों पर स्थानीय प्राधिकारी ने बताया कि तूफान के कारण लंबे समय तक हुई भारी वर्षा के कारण लुओडिंग नदी में जल स्तर सामान्य स्तर से ऊपर बढ़ने से यह क्षेत्र जलमग्न हो गया। उन्होंने कहा, तीन सितंबर को स्थानीय समयानुसार अपराह्न करीब 02:25 बजे तक 7,960 से अधिक लोगों को युनान काउंटी के जलमग्न इलाकों से बाहर निकाला गया। चीन मौसम विज्ञान प्रशासन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि चीन के दक्षिणी क्षेत्र में तूफान के कारण उच्चतम स्तर की आपातकालीन प्रतिक्रियाएं दी जाएंगी।

आठ हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया

यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव बर्खास्त

कीव, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेज़निकोव को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने इसकी घोषणा की है। ओलेक्सी रेजनिकोव की जगह यूक्रेन के राज्य संपत्ति कोष चलाने वाले रुस्तम उमेरोव यूक्रेन के रक्षा मंत्री का स्थान ग्रहण करेंगे। फरवरी 2022 में रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत से पहले से ही श्री रेज़निकोव ने रक्षा मंत्रालय का नेतृत्व किया था लेकिन अपने रात्रिकालीन संबोधन में,इस फैसले की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि यह रक्षा मंत्रालय में 'नए दृष्टिकोण ' का समय है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने राजधानी कीव से अपने संबोधन में कहा, मेरा मानना है कि मंत्रालय को सेना और समाज दोनों के साथ नए दृष्टिकोण और बातचीत के अन्य प्रारूपों की आवश्यकता है। यूक्रेनी मीडिया ने अनुमान लगाया है कि श्री रेज़निकोव लंदन में कीव के नए राजदूत बनेंगे, जहां उन्होंने वरिष्ठ राजनेताओं के साथ अच्छे संबंध विकसित किए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पूर्व रक्षा मंत्री ने संवाददाताओं से कहा था कि यदि श्री ज़ेलेंस्की उन्हें किसी अन्य परियोजना पर काम करने का अवसर प्रदान करते हैं तो वह संभवत: सहमत होंगे।

रूसी सेना ने कालासागर में नष्ट कर दीं चार अमेरिकी नौकाएं

मॉस्को। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के लैंडिंग सैनिकों के साथ विलार्ड सी फोर्स की चार अमेरिकी निर्मित तेज हमला नौकाओं को रातोंरात काला सागर में नष्ट कर दिया गया,रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी । मंत्रालय ने कहा, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के समूह विमान केप तारखानकुट क्रीमिया तट की ओर बढ़ रहे थे तभी रूस काला सागर बेड़े के नौसैनिक विमानन के विमानों ने काला सागर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में उनके साथ चार अमेरिकी निर्मित तेज सैन्य नौकाओं को नष्ट कर दिया।''

सूडान की राजधानी खार्तूम में आरएसएफ के हमले 16 नागरिकों की मौत

खार्तूम, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। सूडान की राजधानी खार्तूम में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में 16 नागरिक मारे गए हैं। यह जानकारी सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) ने रविवार को दी। सेना ने कहा कि आरएसएफ ने खार्तूम के पश्चिमोत्तर में उत्तरी ओमडुरमन में करारी और वाड अल-बखित इलाकों में 'अंधाधुंध गोलाबारी' की, जिसमें 13 नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सेना ने कहा, आरएसएफ ने अल-मसीद क्षेत्र (खार्तूम के दक्षिण) में भी हमला किया और नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें

तीन नागरिकों की मौत हो गई। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि खार्तूम के दक्षिण में अल-शजारा क्षेत्र में भी दोनों सेनाओं के बीच झड़पें हुईं, जिसमें आरएसएफ के पांच सदस्य मारे गए और छह अन्य घायल हो गए।

अल्जीरिया में बाढ़ के कारण आठ लोगों की मौत

अल्जीयर्स। पश्चिमी अल्जीरिया में विनाशकारी बाढ़ से आठ लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी अल्जीरिया की नागरिक सुरक्षा सेवा ने रविवार को दी। नागरिक सुरक्षा सेवा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शनिवार शाम को आई बाढ़ में त्लेमसेन प्रांत में एक वाहन बह गया, जिसके काण दो पुरुषों और दो महिलाओं की जान चली गई। वहीं, अल बयाद प्रांत में एक वाहन के बाढ़ में बह जाने की वजह से दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। बाद में प्रांत में एक और व्यक्ति मृत पाया गया।

जकार्ता में आसियान के विदेश मंत्रियों की बैठक शुरू

जकार्ता, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सोमवार से दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों की बैठक शुरू हो गई और यह बैठक सात सितंबर तक चलेगी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के मंगलवार और बुधवार को आसियान-इंडो-पैसिफिक फोरम (एआईपीएफ) में भाग लेने की उम्मीद है। एआईपीएफ आसियान-संबंधित बैठकों के मौके पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें उच्च स्तरीय वार्ता, पैनल चर्चा और उद्योग तथा व्यापार से संबंधित बैठकें होंगी। सुश्री हैरिस पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगी, जिसमें अर्थव्यवस्था, हरित बुनियादी ढांचे, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल परिवर्तन, टिकाऊ और अभिनव वित्तपोषण पर चर्चा होगी। आसियान 10 दक्षिण पूर्व एशियाई देशों अर्थात् ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम का संघ है, जिसका उद्देश्य अपने सदस्यों के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इंडोनेशिया इस वर्ष आसियान की अध्यक्षता कर रहा है।

वर्ग पहेली-6306

दु	ष्प	रा	ज	य		वि	भा	ज	न
ख		ज		म	स्त	क		न	
दा	ड़ि	म		या		ल	प	क	ना
यी		ह		त	र्ज	न			मु
	ब	ल	आ	ना			घ	प	ला
	हु		तं			पिं	ज	रा		य
वै	धा	नि	क		ज		ना	का	म
त		रू		दू	र	स्थ		हि	
नि	ष्पा	प		भ		ल	ह	रा	ना
क		म	नो	र	थ				ना

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6307 का हल

5	2	9	1	7	3	6	4	8
8	6	7	9	4	2	3	5	1
3	1	4	5	8	6	9	7	2
7	9	2	8	6	5	4	1	3
6	4	5	7	3	1	8	2	9
1	8	3	2	9	4	7	6	5
4	7	1	3	5	9	2	8	6
9	5	8	6	2	7	1	3	4
2	3	6	4	1	8	5	9	7

आज का इतिहास

1666-इंग्लैंड के लंदन में भीषण आग में 13,200 घर क्षतिग्रस्त हो गये।
1836-मशहूर अमेरिकी राजनीतिज्ञ सैम ह्यूस्टन टेक्सास गणराज्य के नए राष्ट्रपति नियुक्त किए गए।
1839-चीन और ब्रिटेन के बीच प्रथम अफीम युद्ध की शुरुआत हुई।
1882-अमेरिका में पहला श्रम दिवस परेड न्यूयॉर्क शहर में आयोजित किया गया।
1885-अमेरिका के इंडियाना स्थित फोर्ट वेयन में पहली बार गैसोलीन पंप की स्थापना की गई।
1887-इंग्लैंड के थिएटर रॉयल एक्सेटर में आग लगने से 186 लोगों की मौत।
1888-भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के छोटे से गांव तिरुमनी में ब्राह्मण परिवार में हुआ।
1914-विश्व के पांच देशों ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम और रूस ने लंदन संधि पर हस्ताक्षर किये थे।
1920-मेक्सिको में राष्ट्रपति चुनाव आरम्भ हुआ।
1948-रॉबर्ट सुमन फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।
1960-मुहम्मद अली के नाम से मशहूर अमेरिकी बॉक्सर कैसियस क्ले ने ओलंपिक में लाइट हेवीवेट का स्वर्ण पदक जीता।
1969-पहली स्वचालित टेलर मशीन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के रॉकविल केंद्र में स्थापित की गई।
1991-दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत भूतपूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।

स्वास्थ्य पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन 2023' का घोषणापत्र जारी

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के कठोर वैज्ञानिक परीक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि सभी के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए इनका समग्रता और बेहतर समझदारी के साथ आकलन किया जाना चाहिए।

आयुष मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि डब्ल्यूएचओ ने 'प्रथम डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन 223' का 'गुजरात घोषणापत्र' जारी कर दिया है।

मंत्रालय के अनुसार डब्ल्यूएचओ का गुजरात घोषणापत्र वैश्विक प्रतिबद्धता और सभी के लिए स्वास्थ्य एवं कल्याण का लक्ष्य पाने के लिए पारंपरिक चिकित्सा क्षमता के उपयोग की पुष्टि करता है।

घोषणापत्र ने स्वदेशी ज्ञान, जैव विविधता और पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धताओं की पुष्टि की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के लिए समग्रता, संदर्भ-विशिष्ट, बेहतर समझ, आकलन और कठोर वैज्ञानिक तरीकों के प्रयोग की आवश्यकता है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि गुजरात घोषणापत्र पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के हमारे प्राचीन ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अघानाम घेब्रेयेस ने कहा कि गुजरात घोषणापत्र विज्ञान के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का दोहन करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में पारंपरिक औषधियों के एकीकरण पर फोकस करेगा और पारंपरिक चिकित्सा की शक्ति प्रकट करने में मदद करेगा।

वैक्सीन पर मिथकों को दूर करने में मदद कर सकता है चैटजीपीटी

लंदन। ओपनएआई का चैटजीपीटी जैब (वैक्सीनेशन) सेफ्टी के बारे में सोशल मीडिया पर मिथकों को दूर करके वैक्सीन की खपत बढ़ाने में मद कर सकता है। इसका पता एक स्टडी से चला है। स्पेन में सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला के इंस्टीट्यूटो डी इन्वेस्टिगेशन सैनिटेरिया (आईडीआईएस)- हॉस्पिटल क्लिनिको यूनिवर्सिटारियो के शोधकर्ताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट से टॉप 50 सबसे ज्यादा बार पूछे जाने वाले कोविड-19 वैक्सीन से संबंधित सवाल पूछे।

दुनिया को जानें

फिनलैंड में किया जा रहा डिजिटल यात्रा दस्तावेज परीक्षण

हेलसिंकी, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। दुनिया में पहली बार फिनलैंड में डिजिटल यात्रा दस्तावेज का परीक्षण किया जा रहा है। बॉर्डर गार्ड की प्रतिनिधि मीरा एलोपियस ने सोमवार को आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी।

सुश्री एलोपियस ने कहा, फिनिश बॉर्डर गार्ड हेलसिंकी हवाई अड्डे पर सीमा नियंत्रण पर डिजिटल यात्रा दस्तावेज़ का परीक्षण करने के लिए ब्रिटेन से फिनएयर उड़ानों के यात्रियों को आमंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि केवल फिनिश नागरिकों के लिए डिजिटल यात्रा दस्तावेज़ों को जारी किया गया है, जो लंदन, मैनचेस्टर और एडिनबर्ग मार्गों पर फिनएयर ध्वज वाहक के साथ यात्रा कर रहे हैं। फरवरी 2024 के अंत तक अधिक संख्या में नागरिक सीमा नियंत्रण से गुजरने में सक्षम हो सकेंगे। फिनलैंड के नागरिक स्वैच्छिक डिजिटल ट्रैवल क्रेडेंशियल्स (डीटीसी) उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकरण करके डिजिटल पासपोर्ट का परीक्षण कर सकते हैं और फ़िनलैंड छोड़ने या यहां पहुंचने के लिए सीमा नियंत्रण पर डिजिटल पासपोर्ट का उपयोग कर सकते हैं।

खेल जगत

एरिक सिमंस बने दक्षिण अफ्रीका के नए बॉलिंग कोच

डरबन, 4 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व तेज गेंदबाज एरिक सिमंस को दक्षिण अफ्रीका टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज और भारत में होने वाले विश्व कप से पहले अपना बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। एरिक सिमंस की नियुक्ति की पुष्टि दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर ने की थी। जब मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया से तीसरे टी20 में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सीरीज 3-0 से हार गई। दक्षिण अफ्रीका ने पहले रोरी क्लेनवेल्ट को अंतरिम पद पर नियुक्त किया था और डरबन में टी20 सीरीज के लिए क्विंटन फ्रेंड को उसी पद पर नियुक्त किया था। वाल्टर ने कहा, एरिक पूरे सर्दियों में हमारे साथ जुड़ता रहा है और वनडे सीरीज और विश्व कप के लिए हमारे साथ रहेगा। 61 वर्षीय सिमंस ने 23 वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया और 2002 से 2004 तक टीम के मुख्य कोच रहे।

नेपाल ने भारत को दिया 231 रन का लक्ष्य

पाल्लेकेले, 4 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल ने आसिफ शेख (58) के अर्द्धशतक और सोमपाल कामी की 48 रन की पारी की बदौलत एशिया कप के ग्रुप-ए मुकाबले में सोमवार को भारत के सामने 231 रन का सराहनीय लक्ष्य रखा।

क्वालीफिकेशन के आधार पर टूर्नामेंट में पहुंचे नेपाल ने भारत के खिलाफ ऑलआउट होने से पहले 48.2 ओवर खेले। सलामी बल्लेबाज आसिफ ने 97 गेंद पर आठ चौकों के साथ 58 रन बनाये, जबकि आठवें नंबर के बल्लेबाज सोमपाल ने 56 गेंद पर एक चौका और दो छक्के लगाकर 48 रन की पारी खेली।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन 25 गेंद के अंदर तीन कैच छोड़ना उसके लिये भारी पड़ा। कुशल भुर्तेल (दो) और आसिफ को जीवनदान मिलने के बाद दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 65 रन की साझेदारी कर डाली। एक समय पर नेपाल की रनगति छह से ऊपर की थी लेकिन शार्दुल ठाकुर ने आतिशी बल्लेबाजी कर रहे भुर्तेल (25 गेंद, 38 रन) को आउट कर पारी पर लगाम कसी।

रवींद्र जडेजा ने भीम शर्की, रोहित पौडेल और कुशाल मल्ला को छोटे स्कोरों पर आउट कर भारत को राहत पहुंचाई, जबकि सिराज ने अर्द्धशतक पूरा होने के बाद आसिफ को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उन्होंने अपने अगले ओवर में गुलशन झा (35 गेंद, 23 रन) को भी आउट किया।

नेपाल के छह विकेट 144 रन पर गिरने के बाद निचले क्रम ने साहसी प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का काम किया। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने सोमपाल के साथ 50 रन की साझेदारी की। ऐरी ने हार्दिक पांड्या की गेंद पर पगबाधा होने से पहले 25 गेंद पर तीन चौकों की मदद से 29 रन बनाये। सोमपाल इसके बाद भी नहीं रुके और उन्होंने 47वें ओवर में सिराज को छक्का लगाकर अर्द्धशतक की ओर कदम बढ़ाया।

नेपाल 250 रन तक पहुंचने का अंदेशा दे रही थी लेकिन शमी की गेंद पर सोमपाल के विकेट के साथ इसकी संभावनाएं खत्म हो गयीं। अनुभवी ऑलराउंडर संदीप लमिछाने (नौ) रन भी इसी ओवर में रनआउट हुए, जबकि सिराज ने 49वें ओवर की दूसरी गेंद पर ललित राजबंशी को आउट कर नेपाल की पारी का अंत किया।

जडेजा 10 ओवर में 40 रन के बदले तीन विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। सिराज ने भी तीन विकेट लिये लेकिन उनके 9.2 ओवर में 61 रन भी गये। शमी, पांड्या और ठाकुर को एक-एक सफलता हासिल हुई। कुलदीप यादव ने 10 ओवर में दो मेडेन सहित 34 रन दिये लेकिन उन्हें कोई विकेट न मिल सका।

अफगानिस्तान और सुपर-चार के बीच श्रीलंका बना दीवार

लाहौर, 4 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान को अगर एशिया कप 2023 के सुपर-चार में पहुंचना है तो उसे अपने दूसरे और आखिरी ग्रुप-बी मुकाबले में मंगलवार को श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। श्रीलंका अपने पहले मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हराने के बाद ग्रुप-बी की तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बंगलादेश ने भी अफगानिस्तान पर 89 रन की जीत के साथ दो अंक अर्जित कर लिये हैं। टूर्नामेंट के इस प्रारूप में एक जीत या हार किसी भी टीम का भविष्य तय करने के लिये काफी होती है इसलिये अफगान टीम कल श्रीलंका के विरुद्ध अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सुपर-चार में पहुंचने का भरपूर प्रयास करेगी।

अफगानिस्तान के लिये ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि श्रीलंका भी मज़बूत टीम है और फॉर्म में है। अपने अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ों की अनुपस्थिति के बावजूद श्रीलंका ने पाल्लेकेले स्टेडियम में बंगलादेश को मात्र 164 रन पर ऑलआउट कर दिया था। अफगानिस्तान अगर श्रीलंका के विरुद्ध बड़ा स्कोर बनाना चाहती है तो उसे युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना और ऑफ-स्पिनर महीश तीक्षणा की घातक गेंदबाजी का तोड़ निकालना होगा।

हाल ही में जून में इन दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था। उस समय भले ही अफगानिस्तान ने शुरुआती एकदिवसीय मैच जीता था, लेकिन श्रीलंका ने मजबूत वापसी करते हुए अगले दो मुकाबलों में अपने विरोधियों को हराकर शृंखला 2-1 से जीत ली थी। तीसरे वनडे में खासकर श्रीलंका ने अपने गेंदबाजों के दम पर नौ विकेट से जीत दर्ज की थी और अफगान टीम मंगलवार को मैदान पर उतरते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखेगी।

एशिया कप के सह-मेज़बान श्रीलंका में भले ही भारी बारिश हो रही है, लेकिन लाहौर का मौसम बिल्कुल शुष्क है और मैच के दिन भी इसी की उम्मीद है। गद्दाफी स्टेडियम पर तेज़ गेंदबाज़ों को मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन अगर अफगानिस्तान अपनी थोड़ी भी उम्मीदें बरकरार रखना चाहता है तो गुलबदीन नाइब और फजलहक फारूकी को अपनी गेंदबाजी में अनुशासन लाना होगा।

अफगानिस्तान संभावित एकादश : रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, करीम जन्नत, राशिद खान, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान।

श्रीलंका संभावित एकादश : पथुम निसांका, डिमुथ करुणारत्ने, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चरित असलंका, धनंजय डी सिल्वा, दसुन शनाका (कप्तान), डुनिथ वेलालगे, महीश तीक्षणा, कसुन रजिता, मथीशा पथिराना।

भारतीय ओलंपिक संघ का एशियाई खेलों के लिए सैमसोनाइट से करार

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सोमवार को हांगझाऊ जाने वाले एशियाई खेलों के दल के लिए भागीदार के रूप में ट्रैवल सामान कंपनी सैमसोनाइट के साथ अनुबंध करने की घोषणा की। भारतीय दल के सदस्य चीन के हांगझाऊ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने वाले कॉन्टिनेंटल मेगा इवेंट में प्रीमियम सूटकेस के साथ यात्रा करेंगे। आईओओ अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा है कि यह सहयोग एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा, भारतीय टीम के प्रत्येक सदस्य को एशियाई खेलों 2022 के लिए आधिकारिक किट के लिए डिज़ाइन किए गए प्रीमियम सूटकेस का प्रावधान समर्थन का प्रतीक है और विश्वास है कि पूरा देश हमारे खिलाड़ियों को सपोर्ट करेगा। भारत के अनुभवी टेबल टेनिस स्टार ए. शरथ कमल, जिन्होंने जकार्ता में पिछले एशियाई खेलों में दो कांस्य पदक जीते थे। उन्होंने इस साझेदारी का स्वागत किया और कहा, मैं हमारी खेल किट और औपचारिक समारोह के साथ ऐसे प्रीमियम सूटकेस के साथ यात्रा करने वाली पूरी टीम के महत्व पर ज्याद कुछ नहीं दे सकता। हमारे एथलीटों के बीच गर्व और आत्मविश्वास की भावना केवल इस तरह के एक्शन से ही बढ़ सकती है। सैमसोनाइट इंडिया के सीईओ जय कृष्णन ने कहा कि भारतीय एथलीट की यात्रा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, हमारे एथलीट जिस यात्रा पर निकल रहे हैं, शायद उससे अधिक खास कुछ और नहीं हो सकता है। हम उनकी यात्रा का एक छोटा, लेकिन, महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पक्का किया

प्योंगचांग (दक्षिण कोरिया), 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने एशियाई चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में सोमवार को सिंगापुर को 3-0 से मात देकर अपने लिये कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। शरत कमल, सत्यन ज्ञानशेखरन और हरमीत देसाई ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

अनुभवी शरत और इजाक क्यूक के बीच शुरुआती एकल मैच में कड़ी टक्कर हुई, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने अंततः 11-1, 10-12, 11-8, 11-13, 14-12 से जीत हासिल की। सत्यन ने यू एन कोएन पांग पर 11-6, 11-8, 12-10 की आसान जीत के साथ भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई।

भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले 61वें खिलाड़ी हरमीत देसाई ने झे यू क्लेरेंस च्यू को 11-9, 11-4, 11-6 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत का सामना बुधवार को चीनी ताइपे से होगा।

इस बीच, महिलाओं के क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम को जापान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी मीमा इतो ने शुरुआती एकल में अयहिका मुखर्जी को 11-7, 15-13, 11-8 से हराया। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा ने सातवीं रैंकिंग वाली हिना हयाता के खिलाफ एक गेम जीता लेकिन वह भी 7-11, 9-11, 11-9, 3-11 से हार गयीं।

पहले गेम में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सुतीर्था मुखर्जी को मियू हिरानो के खिलाफ 7-11, 11-4, 11-6, 11-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम अब मंगलवार को 5-8 स्थान के लिये क्लासिफिकेशन मैच खेलेगी। एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 10 सितंबर के बीच हो रहा है। इसके बाद खिलाड़ी हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों का रुख करेंगे।

सार संक्षेप

बुमराह के घर गूंजी 'अंगद' की किलकारी

मुंबई। भारत के अग्रणी तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी संजना गणेशन ने अपने परिवार में बेटे 'अंगद' का स्वागत किया है। बुमराह ने सोमवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, हमारा छोटा परिवार बड़ा हो गया है। हमारे दिल इतने भर आये हैं जितना कभी सोचा भी नहीं था। आज सुबह हमने अपने नन्हे से बेटे अंगद जसप्रीत बुमराह का इस दुनिया में स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि बुमराह भारत के साथ एशिया कप खेलने श्रीलंका गये थे लेकिन बेटे के जन्म के लिये वह रविवार को स्वदेश लौट आये। इस कारण वह भारत और नेपाल के बीच सोमवार को होने वाले मुकाबले में हिस्सा भी नहीं ले सके। बुमराह ने कहा, हम चांद के ऊपर हैं। हमारे जीवन का यह नया अध्याय जो कुछ अपने साथ लाया है, उसका इंतज़ार नहीं कर सकते। बुमराह अब सुपर-चार चरण में हिस्सा लेने के लिये श्रीलंका लौटेंगे, जहां भारत का पहला मुकाबला 1 सितंबर को पाकिस्तान से होगा।

एशियाई खेलों से पहले 17 दिवसीय शिविर में हिस्सा लेंगे भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली। चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये भारतीय मुक्केबाजी दल 17 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशिक्षण शिविर के लिये चीन के वुइशान शहर के लिये रवाना हुआ है। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने सोमवार को बताया कि इस दल में 13 मुक्केबाज और 11 सहयोगी स्टाफ सदस्य शामिल हैं। आरईसी लिमिटेड द्वारा समर्थित प्रशिक्षण शिविर तीन सितंबर से 2 सितंबर तक निर्धारित है। इसके बाद भारतीय मुक्केबाज एशियाई खेलों में भाग लेने के लिये हांग्झोउ रवाना होंगे।

ओस्तापेन्को ने गत चैंपियन स्वियातेक को बाहर किया

न्यूयॉर्क। लातविया की हेलेना ओस्तापेन्को ने अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में 3-6, 6-3, 6-1 की जीत के साथ गत चैंपियन इगा स्वियातेक का अभियान खत्म कर दिया है। स्वियातेक रविवार रात की हार के बाद विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर नहीं रहेंगी और उनकी जगह रूस की एरिना सबालेंका पहली बार शीर्ष पायदान हासिल करेंगी। यह पोलैंड की स्वियातेक के खिलाफ ओस्तापेन्को की चार मुकाबलों में चौथी जीत है। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक विश्व रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचने के बाद ओस्तापेन्को से पहली बार भिड़ रही थीं लेकिन इस बार भी वह उनकी मज़बूत हिटिंग की बराबरी नहीं कर सकीं। ओस्तापेन्को ने जीत के बाद कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है।

ग्लेन मैक्सवेल हो सकते हैं भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मेलबर्न, 4 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने स्वीकार किया है कि इस साल के विश्व कप से पहले अपनी तैयारी को मजबूत करने के लिए वह भारत के खिलाफ वनडे सीरीज को मिस कर सकते हैं। इस स्टार ऑलराउंडर को दक्षिण अफ्रीका में हाल ही में टी20 सीरीज से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि वह अभी भी पैर की चोट के कारण टखने की तकलीफ से जूझ रहे हैं और इस समय ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी का कहना है कि विश्व कप के लिए फिट रहना उनका प्राथमिक ध्यान है। मैक्सवेल ने कहा, मैं अब भी भारत सीरीज का कुछ हिस्सा खेलना चाहता हूं। लेकिन मुझे इस पर कोई दबाव महसूस नहीं हो रहा है। चयनकर्ताओं और कर्मचारियों ने

भी मेरे साथ शानदार व्यवहार किया है। वे उस तारीख को निर्धारित करने के लिए मुझ पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना चाहते क्योंकि वे जानते हैं कि विश्व कप से पहले उनके पास थोड़ा अतिरिक्त समय है। ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले 22 सितंबर को मोहाली में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सरीजी के लिए भारत का दौरा करना है। उन्होंने कहा, इसलिए जल्दबाजी करने और शायद खुद को एक या दो सप्ताह पीछे रखने के बजाय, मैं खुद को अतिरिक्त समय दे पाऊंगा और सुनिश्चित करूंगा कि हम पूरे टूर्नामेंट में सफल हो जाएं। उन्होंने कहा, इसलिए जल्दबाजी करने और शायद खुद को एक या दो सप्ताह पीछे रखने के बजाय, मैं खुद को अतिरिक्त समय दे पाऊंगा और सुनिश्चित करूंगा कि हम पूरे टूर्नामेंट में सफल हो जाएं। मैक्सवेल ने मार्च में वानखेड़े में भारत के खिलाफ वनडे मैच में भाग लेने के बाद से अपने देश के लिए नहीं खेला है और जुलाई की शुरुआत में वार्विकशायर के लिए इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप मैच में एकमात्र मैच खेलने के बाद से किसी भी स्तर पर मैदान में नहीं उतरे हैं। मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गए थे, लेकिन 4 दिन में ही वापस लौट आए थे।

अमेरिकी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बोपन्ना-एब्डेन

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के रोहन बोपन्ना यहां अमेरिकी ओपन 2023 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हालांकि मिश्रित युगल प्रतियोगिता से उन्हें हार के साथ बाहर होना पड़ा। पुरुष युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में, छठी वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने जूलियन कैश और हेनरी पैटन की ब्रिटिश जोड़ी को दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में 6-4, 6(5)-7, 7-6(10-6) से हराने के लिये कड़ी मेहनत की। अगले दौर में बोपन्ना-एबडेन का सामना शीर्ष वरीय वेस्ले कूलहोफ-नील स्कूपस्की और

नाथनियल लैमन्स-जैक्सन विथ्रो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। हार्ड कोर्ट पर खेला जाने वाला अमेरिकी ओपन साल का चौथा और अंतिम टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है। इस सीज़न की शुरुआत में बोपन्ना और एबडेन ने दोहा और इंडियन वेल्स में हार्ड कोर्ट पर खिताब जीते थे। यह जोड़ी जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। इस बीच, मिश्रित युगल प्रतियोगिता में रोहन बोपन्ना और इंडोनेशिया की अल्डिला सुत्जियादी अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और बेन शेल्टन से एक घंटे से भी कम समय में 6-2, 7-5 से हार गये। बोपन्ना इस आयोजन में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थे।

गौरतलब है कि 43 वर्षीय बोपन्ना अमेरिकी ओपन 2023 में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। इससे पहले, साकेत माइनेनी और युकी भांबरी पुरुष युगल के दूसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अंकिता रैना और सुमित नागल सहित कोई भी भारतीय एकल खिलाड़ी क्वालीफायर से आगे नहीं बढ़ पाया।

भारत की पुरुष टीम हॉकी 5 विश्व कप 2024 में पूल बी में, महिला टीम पूल सी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 4 सितंबर (देशबन्धु)। भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने सलाला (ओमान) में पहले हॉकी 5 एशिया कप में स्वर्ण पदक जीत कर एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप 2024 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया। मनदीप मोर की अगुआई में भारत की पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी 5 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हरा तथा नवजोत कौर की अगुआई में महिला हॉकी टीम ने अजेय रह कर थाईलैंड पर फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण जीते। पुरुष वर्ग में चैंपियन भारत, उपविजेता पाकिस्तान और तीसरे स्थान पर रहने वाली मलयेशिया की टीम ने तथा महिला वर्ग में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम, उपविजेता थाईलैंड और मलयेशिया की टीमों ने शीर्ष तीन में रहकर हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाई किया। पहला एफआईएच हॉकी 5 महिला और पुरुष हॉकी विश्व कप 2024 मस्कट(ओमान) में 24 से 31 जनवरी, 2024 तक होगा। महिला और पुरुष वर्ग में दोनों में 16-16 टीमें ने क्वॉलिफाई किया है। एफआईएच ने लुसाने में हॉकी 5 विश्व कप महिला और पुरुष हॉकी विश्व 2024 मस्कट(ओमान) का ड्रॉ रविवार रात निकाला। ड्रॉ के मुताबिक पुरुष वर्ग में भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान की टीम अलग-अलग पूल में हैं। पुरुष वर्ग में नीदरलैंड, पाकिस्तान, पोलैंड और नाइजीरिया को पूल ए में, भारत, मिस्र, स्विटजरलैंड व जमैका को पूल बी, ऑस्ट्रशलिया, अमेरिका , न्यूजीलैंड, त्रिनिदाद एंड टोबैगो व केन्या पूल सी में जबकि मेजबान ओमान, मलयेशिया, अमेरिका, व फिजी की टीमें पूल में रखा गया है।

महिला वर्ग में मेजबान ओमान, मलयेशिया, फिजी व नीदरलैंड पूल ए में, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन व जाम्बिया पूल बी में, भारत, अमेरिका, पोलैंड व नामिबिया पूल सी में जबकि न्यूजीलैंड, उरुग्वे, थाईलैंड व पराग्वे पूल डी में हैं।

पुरुष हॉकी 5 विश्व कप 2024 के लिए क्वॉलिफाई करने वाली 16 टीमें हैं = मेजबान ओमान, एशिया से भारत, पाकिस्तान, मलयेशिया, यूरोप से नीदरलैंड, पोलैंड व स्विटजरलैंड, अफ्रीका से मिस्र, केन्या, नाइजीरिया, पैन अमेरिका से अमेरिका, त्रिनिदाद एड टोबैगो व जमैका तथा ओशनिया से ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और फिजी।

■ भारत और पाक की पुरुष हॉकी टीमें अलग-अलग पूल में

महिला हॉकी 5 विश्व कप 2024 के लिए क्वॉलिफाई करने वाली 16 टीमें हैं =मेजबान ओमान, एशिया से भारत, थाईलैंड और मलयेशिया, यूरोप से नीदरलैंड, पोलैंड व यूक्रेन, अफ्रीका से मिस्र, केन्या, व नाइजीरिया, पैन अमेरिका से अमेरिक, उरुग्वे व पराग्वे, ओशनिया से ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड फिजी।

हम सुनिश्चित करेंगे कि हॉकी 5 विश्व कप में ट्रॉफी के साथ लौटे : नवजोत

महिला हॉकी 5 विश्व कप का ड्रॉ घोषित किए जाने के बाद भारत की कप्तान नवजोत कौर ने अपनी टीम के पूल सी की बाबत कहा, हमारा पूल खासा रोचक है और मैं इसमें कई मजबूत टीमों से मुकाबले की बेताबी से प्रतीक्षा कर रही हूं। पहला महिला हॉकी 5 एशिया कप 2023 जीतने से हमारी खिलाड़ी विश्वास से भरी हैं और वे हॉकी 5विश्व कप 2024 में बढ़िया प्रदर्शन कर भारत को गौरव दिलाने को तैयार हैं। इस फॉर्मेट में देश की अगुआई करना गौरव की बात है हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हॉकी 5 विश्व कप में हम ट्रॉफी के साथ लौटे।' वहीं भारत की महिला हॉकी टीम की उपकप्तान ज्योति ने कहा, हॉकी 5 एशिया कप खासा प्रतिस्पर्द्धी टूर्नामेंट रहा और इसमें हमें कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिला। हमने हॉकी 5 एशिया कप में कुछ बढ़िया हॉकी खेली और हम इसे एफआईएच हॉकी 5 महिला विश्व कप में जारी रखना चाहेंगे।

अर्थ जगत

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारत में नियामक अनिश्चितता पैदा करने के लिए चुनिंदा ओटीटी ऐप्स पर लगाया जा रहा प्रतिबंध : उपभोक्ता समूह

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा कानून और व्यवस्था की स्थिति की स्थिति में चुनिंदा रूप से ओटीटी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्तावित विनियमन पर अपनी चिंता जताते हुए कम से कम 11 उपभोक्ता समूहों ने सोमवार को इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और कहा

■ ओटीटी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्तावित विनियमन पर अपनी चिंता जताते हुए कम से कम 11 उपभोक्ता समूहों ने सोमवार को इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और कहा कि इससे अतिविनियमन को बढ़ावा मिलेगा और घरेलू बाजार में नियामक अनिश्चितता पैदा होगी

कि इससे अतिविनियमन को बढ़ावा मिलेगा और घरेलू बाजार में नियामक अनिश्चितता पैदा होगी। कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी (सीयूटीएस), कंज्यूमर गाइडेंस सोसाइटी और कंज्यूमर गिल्ड सहित संगठनों द्वारा उद्धृत चिंताओं में से एक यह है कि ओटीटी सेवा प्रदाता पहले से ही आईटी अधिनियम 2000 के तहत विनियमित हैं, जिसे डिजिटल इंडिया एक्ट (डीआईए) द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसलिए, इस तरह के परामर्श को डिजिटल इंडिया अधिनियम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए और ट्राई जैसे नियामकों द्वारा किसी

भी अन्य अतिरिक्त परामर्श से भी नियामक संरचना का ओवरलैप हो जाएगा।

ट्राई ने जुलाई में ओटीटी संचार ऐप्स को विनियमित करने के मुद्दे की जांच करने की प्रक्रिया शुरू की। सीयूटीएस के अमोल कुलकर्णी और शिक्षा श्रीवास्तव ने कहा, 'ओटीटी अनुप्रयोगों और सेवाओं पर चयनात्मक प्रतिबंध लगाने का प्रस्तावित ढांचा अत्यधिक विनियमन का मामला होगा और नवाचार को दबाने के अनपेक्षित परिणाम होंगे।' सीयूटीएस ने कहा, 'चयनात्मक प्रतिबंध पर इस तरह का परामर्श डीआईए पर परामर्श का एक हिस्सा होना चाहिए। इसके अलावा, इसे कैसे किया जा सकता है, यह भी अस्पष्ट है।' ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने सोमवार को कहा कि ओटीटी को मौजूदा आईटी अधिनियम, 2000 और अन्य संबंधित अधिनियमों और नियमों के तहत पर्याप्त रूप से विनियमित किया गया है। बीआईएफ ने तर्क दिया कि आईटी अधिनियम और 2019 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम सहित मौजूदा कानून, ओटीटी सेवाओं के नियामक, आर्थिक, सुरक्षा, गोपनीयता, सुरक्षा और उपभोक्ता शिकायत पहलुओं को पर्याप्त रूप से संबोधित करते हैं। इसके अलावा, सरकारी एजेंसियों के पास कानूनी अवरोधन के लिए आईटी अधिनियम की धारा 69, 69ए और 69बी के तहत आवश्यक शक्तियां हैं, जिससे अतिरिक्त नियामक बोझ की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। बीआईएफ भी ओटीटी सेवाओं पर किसी भी चयनात्मक प्रतिबंध का दृढ़ता से विरोध करता है, उसे विश?वास है कि ऐसे उपाय मौलिक अधिकारों की जांच में सफल नहीं होंगे, जबकि ओटीटी एप्लिकेशन स्तर पर काम करते हैं, टीएसपी नेटवर्क बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं। बीआईएफ ने कहा, 'इसके अलावा, उन्हें समान अधिकार प्राप्त नहीं हैं; टीएसपी के पास अद्वितीय और विशिष्ट अधिकार हैं, जिसमें हस्तक्षेप-मुक्त स्पेक्ट्रम का अधिकार, रास्ते का अधिकार, एक अद्वितीय नंबरिंग योजना और इंटरकनेक्शन अधिकार शामिल हैं, जो ओटीटी के पास नहीं हैं।' इन मूलभूत अंतरों से यह निष्कर्ष निकलता है कि ओटीटी सेवाएं और टीएसपी सेवाएं एक ही प्रासंगिक बाजार से संबंधित नहीं हैं।

बीआईएफ के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, 'ओटीटी ने डिजिटल उपकरणों और सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, उत्पादकता और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देकर जीवन को समृद्ध बनाया है और व्यक्तियों को सशक्त बनाया है।

भारतीय एडटेक फंडिंग में 48 प्रतिशत की गिरावट, इस साल कोई नया यूनिकॉर्न नहीं

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय एडटेक क्षेत्र में कुल फंडिंग में 2022 की समान अवधि की तुलना में इस साल 48 प्रतिशत और 2021 में इसी अवधि की तुलना में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस वर्ष (7 अगस्त तक) 10 करोड़ डॉलर से अधिक का केवल एक फंडिंग राउंड हुआ। एक प्रमुख मार्केट इंटेलिजेंस कंपनी ट्रैक्सन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, घरेलू एडटेक स्टार्टअप्स में अब तक की अधिकांश फंडिंग दूसरी तिमाही में 71.3 करोड़ डॉलर की हुई है, जो इस साल जुटाई गई कुल फंडिंग का 73.4 प्रतिशत है।

एडटेक बाजार को ऑनलाइन शिक्षा की घटती मांग, चल रही फंडिंग की कमी, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से बढ़ती ब्याज दरों और आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। फंडिंग राउंड की संख्या में 2022 और 2021 की इसी अवधि की तुलना में 2023 में क्रमश: 77 प्रतिशत और 82 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

इस साल अब तक 87.9 करोड़ डॉलर का लेट-स्टेज निवेश दर्ज किया गया, जो कुल फंडिंग में 90 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। यह 2022 की इसी अवधि में जुटाए गए 1.14 अरब डॉलर की तुलना में 23 प्रतिशत की गिरावट है। रिपोर्ट से पता चलता है कि 2023 में अब तक 7.57 करोड़ के प्रारंभिक चरण का निवेश दर्ज किया गया

था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में जुटाए गए 61.8 करोड़ डॉलर से 88 प्रतिशत कम है। इस वर्ष इस क्षेत्र में कोई नया यूनिकॉर्न नहीं उभरा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में दो नये यूनिकॉर्न बने थे। शहरों में, बेंगलुरु अब तक जुटाई गई कुल धनराशि के मामले में सबसे आगे है, उसके बाद क्रमश: मुंबई और गुरुग्राम हैं। पिछले दो वर्षों में, वी फाउंडर सर्कल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और एमएमपीएल ट्रस्ट इस क्षेत्र में सबसे सक्रिय निवेशक थे।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिदुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दडा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

निस्बड, एआईसीटीई, सीबीएसई ने मेटा के साथ किए सहयोग के समझौते

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उद्यमियों की मदद और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और मेटा (पूर्व में फेसबुक) के बीच तीन साल की साझेदारी - 'एजुकेशन टू एंटरप्रेन्योरशिप (शिक्षा से उद्यमशीलता) के शुभारंभ की सोमवार को यहां घोषणा की।

श्री प्रधान ने कहा कि यह साझेदारी छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों की एक पीढ़ी को सशक्त बनाएगी। मेटा, निस्बड (राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु उद्यम विकास संस्थान), एआईसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) और सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद) के बीच तीन लेटर आशय-पत्रो (एलओआई) का आदान-प्रदान किया गया। शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री प्रधान ने कहा कि आज शुरू की गई पहल भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने और हमारी अमृत पीढी को सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को पूरा करने के काम को आगे बढ़ाने के लिए है।

ईएमएस लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए २-211 रुपए का प्राइस बैंड तय किया

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। जल और सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ईएमएस लिमिटेड ने सोमवार को अपने आगामी आईपीओ के लिए 200-211 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के मूल्य बैंड की घोषणा की। प्रमोटर, रामवीर सिंह द्वारा ऑफर फॉर सेल के तहत 82,94,118 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। इसके अलावा नये इक्विटी शेयर जारी कर 146.24 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ शुक्रवार को खुलने वाला है। कंपनी का इश्यू एंकर हिस्से के लिए गुरुवार, 7 सितंबर 2023 को खुलेगा और मंगलवार, 12 सितंबर 2023 को जनता के लिए बंद हो जाएगा। ऊपरी मूल्य बैंड पर, कंपनी का आईपीओ आकार 320-321 करोड़ रुपए होगा। ताजा निर्गम से प्राप्त आय दैनंदिन गतिविधियों के लिए पूंजी

आवश्यकताओं और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करेगी। खंबाटा सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू का एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। कंपनी ने पहले ही 211 रुपए के निर्गम मूल्य पर 33.76 करोड़ रुपए के 16,00,000 इक्विटी शेयरों का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पूरा कर लिया है। तदनुसार, ताजा इश्यू का आकार घटाकर 146.24 करोड़ रुपए कर दिया गया और प्रमोटर रामवीर सिंह द्वारा 82.94 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश की गई है। फिलहाल सिंह के पास कंपनी की 97.81 फीसदी हिस्सेदारी है। ईएमएस की स्थापना 21 दिसम्बर 2010 को की गई थी। यह सरकारी अधिकारियों और स्थानीय निकायों के लिए सीवरेज समाधान, जल आपूर्ति प्रणालियों और अपशिष्ट जल योजनाओं में ईपीसी और ओएंडएम से लेकर विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी का मुख्यालय गाजियाबाद में है। यह पानी और सीवरेज इन्फ्रा समाधान प्रदान करती है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान राज्यों में सीवरेज नेटवर्क बिछाने से लेकर सीवरेज और जल उपचार संयंत्र बनाने तक शामिल है।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

मुंबई, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने की उम्मीद से विश्व बाजार में आई तेजी और स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन भी तेजी जारी रही।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 240.98 अंक की छलांग लगाकर 65628.14 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.50 अंक उछलकर 19528.80 अंक पर पहुंच गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.96 प्रतिशत की तेजी लेकर 31,736.06 अंक और स्मॉलकैप 0.84 प्रतिशत चढ़कर 37,734.14 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3941 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2303 में तेजी जबकि 1441 में गिरावट रही वहीं 197 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियां हरे जबकि शेष 19 लाल निशान पर रही।

बीएसई में एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की 0.31 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 18 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.94, सीडी 0.09, ऊर्जा 0.69, वित्तीय सेवाएं 0.36, हेल्थकेयर 0.28, इंडस्ट्रियल्स 0.60, आईटी 1.74, दूरसंचार 0.38, यूटिलिटीज 1.91, ऑटो 0.13, बैंकिंग 0.05, कैपिटल गुड्स 0.46, धातु 2.72, तेल एवं गैस 0.35, पावर 1.55, रियल्टी 1.16, टेक 1.51 और

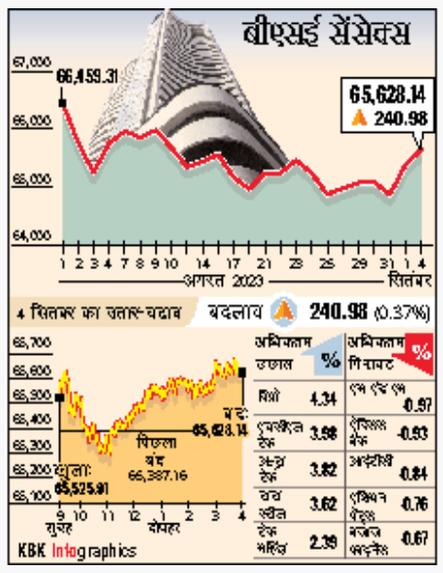

सर्विसेज समूह के शेयर 0.59 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी रही। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.59, जर्मनी का डैक्स 0.59, जापान का निक्केई 0.70, हांगकांग का हैंगसेंग 2.51 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 1.40 का उछाल रहा। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 139 अंक की तेजी लेकर 65,525.91 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 65,285.56 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 65,683.91 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 65,387.16 अंक की तुलना में 0.37 प्रतिशत बढ़कर 65,628.14 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 90 अंक चढ़कर 19,525.05 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,432.85 अंक के निचले जबकि 19,545.15 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,435.30 अंक की तुलना में 0.48 प्रतिशत की तेजी लेकर 19,528.80 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में विप्रो 4.34, एचसीएल टेक 3.98, अल्ट्रासिमको 3.82, टाटा स्टील 3.62, टेक महिंद्रा 2.39, एनटीपीसी 2.28, इंफोसिस 1.50, पावरग्रिड 1.25, टीसीएस 1.14, एसबीआई 1.03, एचडीएफसी बैंक 0.59, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 0.47, एलटी 0.35, मारुति 0.29 और इंडसइंड बैंक 0.28 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.97, एक्सिस बैंक 0.93, आईटीसी 0.84, एशियन पेंट 0.76, बजाज फाइनेंस 0.67, नेस्ले इंडिया 0.66, कोटक बैंक 0.50, टाइटन 0.49, टाटा मोटर्स 0.39, बजाज फिनसर्व 0.24, आईसीआईसीआई बैंक 0.22, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.15, रिलायंस 0.12 और भारती एयरटेल ने 0.10 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

महेन्द्र सिंह धोनी बने स्वराज ट्रेक्टर के ब्रांड एंबेसडर, नये ट्रेक्टर लाँच

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। महिंद्रा समूह के स्वराज ट्रैक्टर्स ने पूर्व क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा के साथ आज 40 से 50 एचपी श्रेणी में ट्रैक्टरों की नई रेंज पेश की। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने नये ट्रेक्टर लाँच करने के मौके पर कहा कि हरित क्रांति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और भारत के पहले स्वदेशी ट्रैक्टर के लिए प्रसिद्ध नई स्वराज रेंज भारत के कृषि मशीनीकरण को आगे बढ़ाने और भारतीय किसानों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वराज ट्रैक्टर्स के समर्पण का प्रतीक है। नई रेंज भारत के तेजी से बढ़ते और प्रमुख 40-50 एचपी ट्रैक्टर सेगमेंट में स्वराज के उत्पाद पोर्टफोलियो की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि किसानों को सशक्त बनाने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के प्रति समर्पण के साथ, यह रेंज इस सेगमेंट में प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करती है। ये ट्रैक्टर नवीनतम सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर विजय पाने के लिए बेजोड़ शक्ति, विश्वसनीयता और स्टाइल की पेशकश करते हैं। उन्होंने कहा कि भारी और नवीनतम उपकरणों को आसानी से संभालने के लिए डिज़ाइन की गई, नई रेंज कृषि कार्यों को नए सिरे से परिभाषित करती है, जिससे सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य भी आसान हो जाते हैं। ये ट्रैक्टर आधुनिक कृषि की मांगों को पूरा करते हुए मौजूदा और उभरते अनुप्रयोगों में असाधारण क्षमता और बेहतर उत्पादकता का दावा करते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्वराज डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश चव्हाण ने नए ट्रैक्टरों के लॉन्च पर कहा, 'इस नई ट्रैक्टर रेंज के साथ, हम मौलिक क्षमता, विश्वसनीयता को बढ़ाकर और भविष्य की कृषि यंत्रीकरण आवश्यकताओं के लिए इसे तैयार करके ब्रांड को भविष्य में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदर्शन से परे, यह नई रेंज उभरते अनुप्रयोगों के लिए आराम, बहुपयोगिता पर जोर देती है और इसकी आधुनिक लेकिन प्रामाणिक स्टाइल ग्राहकों को आकर्षित करने वाली है।'

खाद्य तेलों में टिकाव, दालें महंगी

नई दिल्ली, 4 सितंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मांग निकलने से दालें 550 रुपए प्रति क्विंटल तक महंगी हो गई।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में सितंबर का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट फिसलकर 3875 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.10 सेंट की तेजी लेकर 63.57 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में जबरदस्त तेजी रही। इस दौरान चना 550 रुपए, दाल चना 550 रुपए, मसूर दाल 75 रुपए, मूंग दाल 300 रुपए और उड़द दाल 400 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई जबकि अरहर दाल के दाम टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

पेटीएम साउंडबॉक्स पर अब कार्ड से भी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली, 4 सितम्बर (एजेंसियां)। देश की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी और क्यूआर तथा मोबाइल भुगतान के अग्रणी पेटीएम ने सोमवार को अपना नवीनतम नवाचार-कार्ड साउंडबॉक्स लॉन्च किया। इसके साथ कंपनी अपने प्रतिष्ठित साउंडबॉक्स 'टैप एंड पे' के माध्यम से व्यापारियों को सभी वीज़ा, मास्टरकार्ड, अमेरिकन एक्सप्रेस और रुपे नेटवर्क पर मोबाइल और कार्ड दोनों से भुगतान स्वीकार करने के लिए सशक्त बनाएगी, जिससे व्यापारियों को अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा, 'आज पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स के साथ हम इसे अगले स्तर पर ले गए हैं। हमने पाया है कि व्यापारियों और उपभोक्ताओं को पेटीएम क्यूआर कोड के साथ मोबाइल भुगतान की तरह ही कार्ड स्वीकृति की भी आवश्यकता है। कार्ड साउंडबॉक्स के लॉन्च से व्यापारियों की दोनों आवश्यकताओं - मोबाइल भुगतान और कार्ड भुगतान - के एक साथ विलय करने में काफी मदद मिलेगी।'

पेटीएम देश में इन-स्टोर भुगतान में बदलाव लाते हुए, पेटीएम साउंडबॉक्स के साथ ऑडियो-

आधारित पुष्टिकरण लॉन्च करने वाली पहली कंपनी थी। प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी पेटीएम साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन जैसे उपकरणों के साथ इन-स्टोर भुगतान में बाजार में अग्रणी बनी हुई है। मास्टरकार्ड के दक्षिण एशिया डिवीजन अध्यक्ष गौतम अग्रवाल ने कहा, 'पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स एक और नवाचार है जो छोटे व्यापारियों को आसानी से कॉन्टेक्ट लेस कार्ड भुगतान स्वीकार करके अपने ग्राहकों को एक सहज डिजिटल भुगतान अनुभव प्रदान करने में सक्षम करेगा।' हाल ही में पेटीएम पॉकेट साउंडबॉक्स और पेटीएम म्यूजिक साउंडबॉक्स के सफल लॉन्च के बाद पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स के साथ कंपनी व्यापारियों के लिए और अधिक सुविधा प्रदान कर रही है। पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स की लॉन्चिंग के साथ कंपनी ने व्यापारियों की दो समस्याओं का समाधान किया है - कार्ड से भुगतान स्वीकार करने के साथ-साथ सभी भुगतानों के लिए तत्काल ऑडियो अलर्ट प्राप्त करना। पेटीएम के अनूठे उपकरण के लॉन्च से एनएफसी (नीयर फिल्ड कम्युनिकेशन) से लैस साउंडबॉक्स या मोबाइल भुगतान के साथ संपर्क रहित डेबिट और क्रेडिट कार्ड भुगतान के संयोजन से व्यापारियों के लिए भुगतान स्वीकृति का विस्तार करके इन-स्टोर भुगतान में बदलाव आएगा। एनपीसीआई ने कहा, 'ऑडियो भुगतान अलर्ट ने भारत में डिजिटल भुगतान को बदल दिया है और कई व्यापारियों को अपने व्यवसाय को निर्बाध रूप से डिजिटल बनाने में सक्षम बनाया है। पेटीएम कार्ड साउंडबॉक्स भारत का पहला साउंडबॉक्स है जो संपर्क रहित कार्ड भुगतान भी स्वीकार करेगा और देश में कैशलेस लेनदेन को और तेज करेगा।' नया साउंडबॉक्स व्यापारी और ग्राहक को ऑडियो और एलसीडी डिस्प्ले के माध्यम से विज़ुअल भुगतान पुष्टिकरण प्रदान करेगा।

सार संक्षेप

शिव नादर विश्वविद्यालय के ेके चैलेंज के विजेताओं की घोषणा

नई दिल्ली। शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित े के चैलेंज के विजेताओं की घोषणा कर दी गयी है जिसमें पुरुषों वर्ग के विजेता प्रशांत चौधरी बने हैं वहीं महिला वर्ग की विजेजता सोनम रही हैं। संस्थान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस चैलेंज में पुरूष वर्ग में सोनू कुशवाह पहले उप विजेता और यूनुस शाह दूसरे उप विजेता रहे हैं। इसी तरह से महिला वर्ग में निशा कुमारी और अर्पिता सैनी ने प्रथम और द्वितीय उप विजेता रही हैं। इस चैलेंज में पुरुषों के 5के चैलेंज के कड़े मुकाबले में अबधेश चौधरी विजयी रहे। वहीं चेतन कुमार और अभिषेक श्रीवास्तव प्रथम और द्वितीय विजेता बने। महिलाओं की 5के चैलेंज में तनीषा विजेता बनकर उभरीं, वहीं प्रियंका ने प्रथम तो प्रियंका भाटी दूसरी उप विजेता रहीं। इस कार्यक्रम को तीन श्रेणियों, 5के वॉक, 5के रन और े के रन में बांटा गया था।

मास्टरकार्ड का गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन की सुरक्षा बढ़ाने का समाधान

नई दिल्ली। मास्टरकार्ड ने आज गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन के लिए एएलटी आईडी समाधान लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एएलटी आईडी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन के दौरान कार्डधारकों द्वारा प्रदान किए गए वास्तविक कार्ड नंबरों के लिए एक वैकल्पिक पहचानकर्ता बनाने के लिए मास्टरकार्ड द्वारा विकसित एक कस्टम-मेड क्षमता है। यह समाधान व्यापारियों और उपभोक्ताओं, दोनों के लिए ऑनलाइन भुगतान संबंधी सुरक्षा को बढ़ाएगा। मास्टरकार्ड एएलटी आईडी सॉल्यूशन उन कार्डधारकों के लिए है, जो अपने कार्ड को सेव किए बिना लेनदेन करते हैं, जिसे गेस्ट चेकआउट भी कहा जाता है। यह प्रत्येक कार्ड के लिए एक वैकल्पिक पहचानकर्ता बनाता है और संग्रहीत करता है, जिससे ऐसे ऑनलाइन भुगतान की सुरक्षा बढ़ जाती है। एएलटी आईडी सॉल्यूशन कार्डधारकों को कई लाभ प्रदान करेगा, जैसे मर्चेंट वेबसाइटों पर कार्ड नंबर का स्टोर न होना और संभावित डेटा उल्लंघनों से सुरक्षा।

फोनपे स्मार्टस्पीकर्स का सेलिब्रिटी वॉयस फीचर

नई दिल्ली। फोनपे ने आज अभिनेता अमिताभ बच्चन के सहयोग से अपने स्मार्टस्पीकर पर अपनी तरह का पहला सेलिब्रिटी वॉयस फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। फोनपे ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नई सुविधा भारत भर में फोनपे स्मार्टस्पीकरों को श्री बच्चन की विशिष्ट आवाज़ में ग्राहक भुगतान को पुष्टि करने की अनुमति देगी। यह उद्योग की पहली सेलिब्रिटी वॉयस सुविधा वर्तमान में हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है, भविष्य में इसे अन्य भाषाओं में भी शुरू करने की योजना है। फोनपे स्मार्ट स्पीकर एक साल पहले लॉन्च हुआ है, और तब से, 19; पोस्टल कोड (देश के 9 प्रतिशत से अधिक को कवर करते हुए) में 4 लाख डिवाइस का उपयोग मर्चेंट पार्टनर द्वारा किया जा रहा है।

विधानसभा निर्वाचन के लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक करें निर्वहन- कलेक्टर

व्यय अनुवीक्षण के लिए सभी समन्वित तरीके से करें कार्य

अवैध शराब का जखीरा मिलने पर सतर्कता के साथ कार्रवाई के निर्देश

बिलासपुर, 04 सितम्बर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के संबंध में बैठक ली। बैठक में पुलिस, आबकारी, आयकर, विमानन एवं जीएसटी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी प्रकार के प्रलोभन या अनुचित प्रभाव डालने वाले तत्वों को रोकने के लिए एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशनों, बस स्टैंडों एवं स्टापजों, बैंकों में अनियमित लेनदेनों और गैर कानूनी गतिविधियों पर खास नजर रखने के निर्देश दिए। बैठक में शराब की अवैध बिक्री एवं वितरण को रोकने हेतु जिले के सभी उत्पादन की इकाईयों एवं

गोदामो आदि पर निगरानी रखने, अवैध शराब जप्त करने के लिए छापेमारी करने,, शराब दुकान खुलने एवं बंद होने के समय की निगरानी रखने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि किसी भी गांव तथा अन्य जगह में अवैध शराब के संबंध में गोपनीय सूचना मिलने पर आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए आबकारी विभाग, आरटीओ, जीएसटी,एवं पुलिस विभाग के अधिकारी संयुक्त कार्रवाई करेगें। उन्होंने परिवहन अधिकारी को संदिग्ध वाहनों पर पुलिस विभाग से समन्वय करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध शराब का जखीरा मिलने पर सर्तकता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी के अधिकारी गोदामों में निरीक्षण करेंगे तथा पिछले वर्ष तथा अभी तक के स्टॉक का परीक्षण करेंगे ।कलेक्टर ने अवैध धन की आवा-जाही पर सतत मॉनिटरिंग कर आयकर कानूनों के तहत आवश्यक कार्यवाही करने आयकर अधिकारी को निर्देश दिए है। उन्होंने बैंकों में अनियमित वित्तीय लेनदेन, दस लाख रूपए से अधिक के ट्रांजेक्शन, नए खातों की मॉनिटरिंग, उद्योगों-फमों के स्टॉक वेरिफिकेशन करने के साथ ही होटलों, फार्म हाउस, वित्तीय दलालों, कैश कुरियर, गिरवी दलालों पर निगरानी रखने, आयकर रिटर्न के साथ ही संपत्ति और देताएं को सत्यापित करने, सभी पार्टी के आयकर रिटर्न दाखिल करवाने और सत्यापित करने कहा ।उन्होंने स्थैतिक निगरानी में पुलिस बल की अनिवार्य रूप से उपस्थिति तथा आयकर विभाग को जांच के लिए पुलिस बल उपलब्ध कराने कहा। कलेक्टर ने कहा यदि बैंक का वाहन एटीएम में नकदी डालने या अन्य बैंकों, शाखाओं या तिजोरी में नगदी पहुंचा रहा हो तो ऐसे वाहन में बैंक द्वारा जारी अधिकार पत्र या दस्तावेज होना चाहिए जिसमें कि बैंक द्वारा जारी की गयी नकदी का विवरण हो तथा कर्मचारी अपना पहचान पत्र साथ में रखें। बैठक में एडीएम आर.ए.कुरूवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोटा से आदिवासी को टिकट देने की उठी मांग

समाज ने एक लाख वोटरों का दिया हवाला

जिले में एक विधानसभा सीट आदिवासी समाज के लिए आरक्षित करने की मांग

बिलासपुर, 4 सिंतबर (देशबन्धु)। चुनाव नजदीक है हर कोई चुनाव में अपने समाज के लोगो को ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलने की इच्छा रखता है। बिलासपुर जिले में आदिवासी समाज की अच्छी खासी जनसंख्या है। अगर देखा जाय तो बिलासपुर जिले के अंतर्गत 06 विधानसभा आते है जिसमे कोटा विधानसभा में 1 लाख, तखतपुर 35 हजार, बिल्हा में 36 हजार, बेलतरा में 28 हजार, मस्तूरी में 32 हजार, बिलासपुर में 15 हजार की जनसंख्या आदिवासियों की है। जिसे लेकर आज समाज प्रमुखों ने बिलासपुर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता करते हुए मीडिया के माध्यम से मांग करते हुए कहा है। कि बिलासपुर जिला के अंतर्गत कुल विधानसभा की संख्या 06 है। जिसमें एक विधानसभा (मस्तूरी) अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। वही 05 विधानसभा सामान्य सीट है। जिसमें से दो या तीन ओबीसी वर्ग को दिया जाता है या तो 3 सामान्य वर्ग के लोगो को दिया जाता है। यहाँ यह बात का उल्लेख करना उचित होगा कि जनजाति वर्ग को एक भी सीट नही दिया जाता है। जबकि बिलासपुर जिले में आदिवासियों की 20प्रतिशत जनसंख्या मतदाता है। इस आधार पर एक विधानसभा सीट जनजाति समाज को भी मिलना चाहिए ताकि जनजाति समाज को प्रतिनिधित्व मिल सकें।

बिलासपुर जिले में कोटा विधानसभा क्षेत्र में जनजाति बाहुल्य है जहाँ आदिवासियों की जनसंख्या 50प्रतिशत से अधिक है। जहां 1952 से आज तक जनजाति समाज को प्रतिनिधित्व नही दिया गया है। यही जनजाति समाज की मांग है। राष्ट्रीय पार्टियों से आग्रह है कि कोटा विधानसभा से जनजाति समाज के लोगो को इस बार प्रतिनिधित्व दिया जाए। जिससे आदिवासी समाज को उनके अधिकार एवं प्रतिनिधित्व मिल सके ।कोटा विधानसभा के अंतर्गत 3 जनपद पंचायत है जिसके ब्लॉक अध्यक्ष पांचवी अनुसूची से है। वही जिला पंचायत सदस्य 05 में से 4 जनजाति वर्ग से है जिसमे से जिला पंचायत उपाध्यक्ष है। ग्राम पंचायत के संबंध में गौरेला ब्लॉक 32 पेंड्रा ब्लॉक 30 एवं कोटा में 103 ग्राम पंचायतों में से 93 सरपंच पांचवी अनुसूची से प्रतिनिधित्व कर रहे है। इस प्रकार कोटा विधानसभा का ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से अनुसूचित जनजाति समाज के लोग प्रतिनिधित्व कर रहे है। किंतु दुर्भाग्य की बात है कि जनजाति बाहुल्य होते हुए भी यहाँ का प्रतिनिधित्व सामान्य वर्ग को दिया जाता है जबकि इनकी जनसंख्या एवं मतदाता न्यून है। साथ ही शहरी क्षेत्र के अधिकांश पार्षद भी जनजाति समाज अतः हम राष्ट्रीय पार्टी प्रमुखों से अपेक्षा करते हैं की जनजाति समाज को प्रतिनिधित्व देने का विचार करें। इस दौरान समाज के सुरेंद्र प्रधान आदिवासी समाज प्रमुख, सियाराम नेताम गोड़ समाज प्रमुख, पी.एस. पट्टा गोड़ समाज प्रमुख, संतोष टोप्पो उरांव समाज प्रमुख, श्रीमती अभिलाषा पूर्ति हो मुंडा समाज प्रमुख, डी. पी. ठाकुर आदिवासी समाज प्रमुख,विक्रम साय कंवर समाज प्रमुख ,डी. आर. सिदार आदिवासी समाज प्रमुख. डी. पी. भूपाल आदिवासी समाज प्रमुख, राजीव ध्रुव आदिवासी समाज युवा नेता उपस्थित रहे।

सशक्त भारत के नवनिर्माता शिक्षक, शिक्षकों की विशेष भूमिका को नमन-मंजू दीदी

बिलासपुर , 4 सिंतबर (देशबन्धु)। शिव अनुराग भवन राजकिशोरनगर में विशेष रूप से आमंत्रित शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षक दिवस की थीम सशक्त भारत के नवनिर्माता शिक्षक पर गहराई से चिंतन किया गया । मंजू दीदी ने एक दृष्टांत सुनाया कि एक बच्ची अपनी बडी बहन की तुलना मे बहुत कम अंक लाती थी। इस कारण उसे उलाहना मिलती थी। पाचवी के बाद अचानक बच्ची के अंक बहुत अच्छे आने लगे और फिर उस बच्ची ने पलटकर नही देखा।

अबकी बार 75 के पार को पूरा करना है-रविंद्र

आईएनसीआर कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

बिलासपुर, 4सिंतबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रदेश इंडियन नेशनल कांग्रेस रेगुलेशन कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश के समस्त पदाधिकारी जिला अध्यक्ष के गरिमा में उपस्थिति में संपन्न हुई। प्रदेश स्तरीय बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में योग आयोग के सदस्य रविंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा भूपेश बघेल की मंशा अनुसार अबकी बार 75 के पार को पूरा करने उपस्थित सभी युवा ऊर्जावान संगठन के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष व सदस्यों को मार्गदर्शन दिया रविंद्र सिंह ने कहा की कोई भी संगठन बड़ा और छोटा नहीं होता।

छत्तीसगढ़ प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव रतन केसरवानी ने भी उपस्थित संगठन के समस्त साथियों को अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन को आगे बढ़ाएं ।प्रदेश अध्यक्ष युसूफ हुसैन ने अपने अध्यक्ष उद्बोधन ने कहा कि आप अपने संगठन के महत्व को समझिए संगठन के बैनर के तले कांग्रेस के सिद्धांतों में चलकर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने जो जनहित में जो कार्य किए समस्त योजनाओं को बढ़-चढ़कर आम जनों तक पहुंचाई। प्रदेश स्तरीय बैठक मे युसूफ हुसैन ने अपने संगठन के समस्त पदाधिकारी से आह्वान किया कि आम जनों के हित में सदेव कार्य करते रहें साथ ही संगठन को भी मजबूती करने विधानसभा प्रत्येक ब्लॉक में शीघ्रता सिख नियुक्ति कर संगठन को आगे बढ़ाएहमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मानु भाई पटेल प्रदेश ,अध्यक्ष दीपक बैज प्रदेश , मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मनसा रूप अबकी बार 75 के पर को पूरा करने हम सब अपनी हम भूमिका अदा करेंगे ऐसा मुझे आपसे विश्वास है ।

बेलतरा व बिलासपुर में आप ने निकाली बदलाव यात्रा

बिलासपुर , 4 सिंतबर (देशबन्धु)। आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी एवं पंजाब के विधायक गैरी बिरिंग द्वारा बेलतरा विधानसभा में बदलाव यात्रा निकल गई। बेलतरा विधानसभा में यह बदलाव यात्रा दोपहर 12.30 बजे बाजार पारा से शुरू होकर तहसील कार्यालय पर समाप्त हुई ।

यात्रा के दौरान लोगों ने और आमजन और दुकानदारों ने घरों और दुकानों से निकल कर यात्रा का स्वागत किया एवं गैरी बेरिंग द्वारा दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। आज बेलतरा में बदलाव यात्रा में गैरी बेरिंग के साथ धर्म भार्गव, गोपाल यादव, खगेश चंद्राकर, राकेश यादव, राकेश लूनिया, हीरो देव सोनवानी, अरविंद पांडे, ओंकार शर्मा, सनत गोयल शंकर कश्यप सहित भारी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इसी प्रकार आज दोपहर 04.30 बजे बिलासपुर में मौसम खराब होने के बाद भी श्रीकांत वर्मा मार्ग पर स्थित सांई मंदिर से गैरी बेरिंग के द्वारा यह बदलाव यात्रा शुरू कर अग्रसेन चौक में समाप्त हुई। बिलासपुर में भी बदलाव यात्रा के दौरान आम नागरिकों एवं दुकानदारों द्वारा हाथ हिलाकर आम आदमी पार्टी के बदलाव यात्रा का उत्साहवर्धन किया। गेरी बेरिंग द्वारा बदलाव यात्रा के मध्य एवं अंत में कई स्थानों पर आम जनता को संबोधित कर दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया एवं छत्तीसगढ़ में भी आम आदमी पार्टी को एक मौका देने का अनुरोध किया।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार,वादाखिलाफी व शराबबंदी के मुद्दों को लेकर हम जनता के पास जाएंगे-सिध्दार्थ

बिलासपुर , 4 सिंतबर (देशबन्धु)। प्रदेश की राजधानी रायपुर में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा छत्तीसगढ़ के कांग्रेस सरकार के विरुद्ध आरोप पत्र जारी किए गए इस परिप्रेक्ष्य में आज भाजपा मीडिया के छत्तीसगढ़ राज्य के प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह ने प्रेंस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार पर आरोप की पुष्टि की

उन्होंने मीडिया को बताया कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के भ्रष्टाचार , वादाखिलाफी ओर शराब बंदी के मुद्दे को लेकर जनता के पास जायेगी। हमारे आरोपों की पुष्टि सरकार के उपमुख्यमंत्री ने स्वयं किया है उन्होंने लगाए कि सरकार ने 36 में से सिर्फ 12 वायदों को पूरा किया है । शेष वायदों को लेकर सरकार गंभीर नहीं है । भूपेश सरकार ने शराब बंदी तो की नहीं उल्टा हाथ में गंगा जल की झूठी कसमें खाकर लोगो के धार्मिक भावनाओं का अनादर किया है । भ्रष्टाचार पर राज्य सरकार ने सारे रिकार्ड तोड दिए कोयला घोटाला,रेत घोटाला,शराब घोटाला गोबर घोटाला जैसे दर्जनों आर्थिक अपराध किए हैं महादेव ऐप मामले में तो सर्वप्रथम राज्य सरकार ने ही प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रक्रिया कर रहीं थी ऐसे में ईडी को लेकर इनको। क्या परेशानी हो रही है भूपेश बघेल जी हर बात पर केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखा करतें हैं ।मेरा सवाल है राजस्थान में आदिवासी महिलाओं के साथ जो अमानवीय अपराध हुआ इसके लिए कब सोनिया जी और प्रियंका जी चिट्ठी को चिट्ठी लिखेंगे यह छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य है कि इस राज्य को मुख्यमंत्री नही कोई चीफ सेक्रेटरी नही बल्कि एक एसडीएम स्तर के अधिकारी चला रहे हैं ।प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश मीडिया संयोजक रसिक परमार,बेलतरा विधायक रजनीश कुमार सिंह भाजपा के जिला अध्यक्ष रामदेव कुमावत सोशल मीडिया के प्रदेश प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

स्काउट एण्ड गाइड एमएलबी का सेकेंड स्टेंडर्ड जजिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन

बिलासपुर, 4 सिंतबर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवम गाइड्स, एमएलबी-ओपन ग्रुप, बिलासपुर मंडल के द्वारा सेकेंड स्टेंडर्ड जजिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में स्काउट्स, गाइडस, रोवर्स, रेंजर्स, ग्रुप/यूनिट लीडर्स एवं नागपुर मंडल के एक यूनिट सहित कुल 380 सदस्यों ने भाग लिया ।कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जैसे आंख में पट्टी बांध कर टेंट लगाना, प्राथमिक चिकित्सा, बेटेल ऑफ इमेजिनेशन, मैप मेकिंग, बाहरी खेल, फोक डांस, एथिनिक फैशन शो, फूड प्लाजा आदि जिसमे सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

NECC

05.09.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	4.70	80	165
चिल्हर	6.00	95	190

डिलीवरी 4.85 सैकड़ा
दर्जन अंडा 70 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

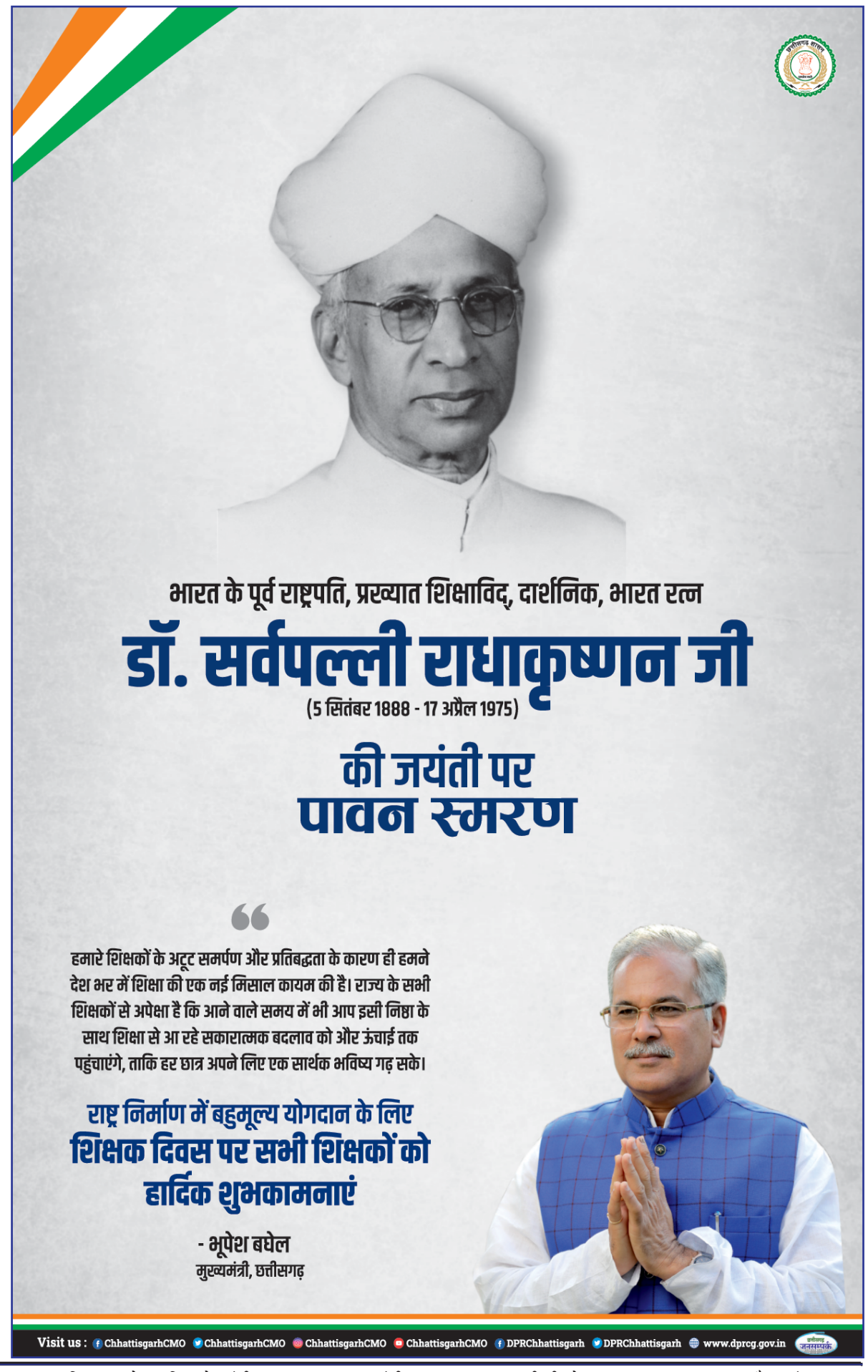

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188